वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

विविध : 40 साल की हुईं दीया मिर्जा * नई दिल्ली, लखनऊ एवं देहरादून से प्रकाशित

जिल्द: 38, अंक : 9 पृष्ठ : 12 E-mail : dailyvirarjun@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com

R.N.I. No. 511/57 D.L.(C)-05/1270/2021-23 (Posted at Delhi RMS) नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 दिसम्बर, 2021 मूल्य : रु. 4.00 प्रभात संस्करण

संपादकीय

उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल गरमाया

आमने-सामने

किसानों का आंदोलन स्थगित

11 से खाली करना शुरू करेंगे दिल्ली सीमा : किसान नेता

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने एक साल से अधिक समय से चल रहे अपने आंदोलन को स्थगित करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की और कहा कि किसान 11 दिसंबर से दिल्ली की सीमाओं पर विरोध स्थलों से घर लौटेंगे।

यह घोषणा एसकेएम को केंद्र सरकार से एक आधिकारिक पत्र मिलने के बाद हुई। इस पत्र में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस मामलों को बिना शर्त वापस लेने सहित किसानों की लंबित मांगों को स्वीकार किया गया है। किसान नेताओं ने कहा कि वे यह देखने के लिए 15 जनवरी को बैठक करेंगे कि क्या सरकार ने मांगों को पूरा किया है। किसान नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह आंदोलन का अंत नहीं है।सरकार ने किसानों को यह भी आश्वासन दिया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर एक समिति बनाई जाएगी जिसमें एसकेएम के सदस्य भी शामिल होंगे। एसकेएम कोर कमेटी के सदस्य बलबीर सिंह राजेवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह अंत नहीं है क्योंकि आंदोलन अभी केवल स्थगित हुआ है। हमने 15 जनवरी को फिर से बैठक करने का फैसला किया है। मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों ने तीन विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल 26 नवंबर को दिल्ली के सीमा बिंदुओं - सिंघू, टिकरी और गाजीपुर में विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। संसद ने 29 नवंबर को इन कानूनों को निरस्त कर दिया था, लेकिन किसानों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा।एसकेएम के एक अन्य सदस्य गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा, यह देखने के लिए कि क्या सरकार ने सभी मांगों को पूरा किया है, 15 जनवरी को एक समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी। अगर ऐसा नहीं होता है, तो हम विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू करने का निर्णय कर सकते हैं।

प्रेस कांफ्रेंस में आंदोलन स्थगित करने की घोषणा के बाद हाथ उठाकर नारेबाजी करते हुए किसान नेता योगेंद्र यादव, दर्शनपाल सिंह, बलबीर सिंह राजेवाल व अन्य। (छाया : एएनआई)

▶बैठक
15 जनवरी को यह देखने के लिए फिर बैठक करेंगे कि क्या सरकार ने उनकी मांगों को पूरा किया है
▶घोषणा
केंद्र सरकार द्वारा हस्ताक्षरित पत्र मिलने के बाद एसकेएम ने की घोषणा
▶आंदोलन
एक साल से ज्यादा समय से चल रहा था आंदोलन

मोदी ने जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी व 11 अन्य को दी श्रद्धांजलि

आज शाम को किया जाएगा अंतिम संस्कार

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत, ब्रिगेडियर एल एस लिद्दर और 10 अन्य रक्षा कर्मियों के पार्थिव शरीर पर बृहस्पतिवार को पालम हवाई अड्डे पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इनके पार्थिव शरीर एक सैन्य विमान से दिल्ली लाये गए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सेना प्रमुख एम एम नरवणे, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, एयर चीफ मार्शल ए वी आर चौधरी, रक्षा सचिव अजय कुमार उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने यहां दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पालम हवाई अड्डे पर हृदय विदारक दृश्य दिखे। एक हैंगर में 13 ताबूत रखे गए थे और इस दौरान परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। पार्थिव शरीरों को भारतीय वायुसेना के सी-130 जे विमान से दिल्ली लाया गया, जो शाम करीब 7:35 बजे पालम तकनीकी हवाई अड्डे पर उतरा। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि अभी तक केवल जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और ब्रिगेडियर एल एस लिद्दर के पार्थिव शरीरों की पहचान की जा सकी है। उन्होंने कहा कि केवल पहचान किये गए पार्थिव शरीर ही बुधवार को दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को सौंपे जाएंगे। बाकी पार्थिव शरीरों को सेना के बेस हास्पिटल की मोर्चरी में रखा जाएगा। जनरल रावत और उनकी पत्नी के पार्थिव शरीरों को शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आम जनता के अंतिम दर्शन के लिए उनके 3 कामराज मार्ग स्थित आवास पर रखा जाएगा। दोपहर 12:30 बजे से अपराह्न 1:30 बजे के बीच का समय सैन्य कर्मियों के लिए बिपिन रावत और उनकी पत्नी को श्रद्धांजलि देने के लिए होगा।

जनरल रावत की अंतिम यात्रा उनके आवास से बरार स्क्वायर श्मशान घाट तक अपराह्न करीब 2 बजे शुरू होगी। अंतिम संस्कार शाम 4 बजे निर्धारित है। ब्रिगेडियर लिद्दर का अंतिम संस्कार सुबह नौ बजे किया जाएगा। जनरल रावत, उनकी पत्नी और ब्रिगेडियर लिद्दर के अलावा, एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सशस्त्र बल के 10 जवानों की मृत्यु हो गई थी। यह हेलीकॉप्टर दुर्घटना गत कुछ दशकों में भारत में हुई बड़ी हवाई दुर्घटनाओं में से एक है जिनमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सफर कर रहे थे। दुर्घटना में मारे गए अन्य कर्मियों में लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, विंग कमांडर पी एस चौहान, स्क्वाड्रन लीडर के सिंह, जेडब्ल्यूओ दास, जेडब्ल्यूओ प्रदीप ए, हवलदार सतपाल, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेंद्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार और लांस नायक साई तेजा शामिल हैं। इस दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का बेंगलुरु के सैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेलीकाप्टर हादसे में मारे गए सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी व अन्य को पालम एयरपोर्ट पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए। (छाया : एएनआई)

राज्य कोरोना की दवाओं का पर्याप्त भंडारण करें: केंद्र

नई दिल्ली, (विप्र)। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि कोविड-19 के क्लीनिकल उपचार में उपयोग होने वाली आठ महत्वपूर्ण दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करें और उन्हें सलाह दी कि मामलों में बढ़ोतरी की आशंका के मद्देनजर अस्पतालों की तैयारियों की समीक्षा करें। ओमीक्रोन स्वरूप के लिए जन स्वास्थ्य तैयारियों और टीकाकरण की प्रगति की वीडियो कांफ्रेंस से समीक्षा करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सचिवों और एनएचएम के एमडी से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी अस्पतालों में वेंटिलेटर, पीएसए संयंत्र और ऑक्सीजन सांद्रक सुचारू रूप से काम कर रहे हों।स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, राज्यों को सूचित किया गया कि केंद्र द्वारा दिए गए कई वेंटिलेटरों की अभी तक पैकिंग नहीं खोली गई है और उनका इस्तेमाल नहीं किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में कहा, इसकी तुरंत समीक्षा करने की जरूरत है ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि सभी पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र, ऑक्सीजन सांद्रक और वेंटिलेटर लगाए जाएं और वे काम करें। कोविड-19 और इसके स्वरूपों पर समय पर नियंत्रण करने के लिए पांच स्तरीय रणनीति बनाई गई है जिसमें जांच करना, पता लगाना, उपचार करना, टीकाकरण करना और कोविड उपयुक्त व्यवहार करना शामिल है।बयान में कहा गया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि जांच बढ़ाएं और निगरानी पर ध्यान दें ताकि संदिग्धों की जल्द पहचान हो सके और उन्हें अलग-थलग किया जा सके। उन्हें सलाह दी गई कि सभी जिलों में आरटी-पीसीआर जांच की उपलब्धता सुनिश्चित करें।बयान में बताया गया कि ठंड के मौसम को देखते हुए उन्हें सलाह दी गई कि इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी, श्वसन संबंधी बीमारी पर नजर रखने की जरूरत है। मामलों में अगर बढ़ोतरी होती है तो सभी अस्पतालों में सुविधाओं की तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई कि वे गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए तैयार रहें।

▶केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने की ओमीक्रोन के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा

	अधिकतम	23.00
	न्यूनतम	9.00
	बीएसई	58,807.13
	एनएसई	17,516.85
	डॉलर	75.60
	यूरो	85.53

अपने विचार भेजें

क्या बिपिन रावत की मौत पर भी विपक्ष को राजनीति करनी चाहिए?

क्या टीएमसी का दावा यह सही है कि असली कांग्रेस वही है?

हां	नहीं	पता नहीं
20%	65%	15%

कृपया जनमत हेतु अपना मत www.virarjun.com पर भेजें

अगले सीडीएस की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने वाली है सरकार

जनरल नरवणे दौड़ में सबसे आगे

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। सरकार जल्द ही अगले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगी और शीर्ष पद के लिए दौड़ में सबसे आगे सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे हैं। जनरल बिपिन रावत की बुधवार को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु के बाद यह पद खाली हो गया है।

सरकार यह कदम तब उठा रही है जब कई सेवानिवृत्त सैन्य कमांडरों का कहना है कि जनरल नरवणे को इस पद पर नियुक्त करना विवेकपूर्ण कदम होगा क्योंकि वह पांच महीने के अंदर सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इस मामले से अवगत लोगों ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार सेना, नौसेना और वायु सेना के वरिष्ठ कमांडरों की एक समिति बनाएगी। तीनों सेनाओं से अगले दो-तीन दिनों के अंदर मिलने वाली अनुशंसा के आधार पर समिति को अंतिम रूप दिया जाएगा और फिर इसे मंजूरी के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भेजा जाएगा।

रक्षा मंत्री से मंजूरी मिलने के बाद नामों पर विचार के लिए उन्हें कैबिनेट की नियुक्ति समिति के पास भेजा जाएगा जो भारत के अगले सीडीएस के नाम पर अंतिम निर्णय लेगी। यह जानकारी मामले से अवगत लोगों ने दी।

नौ से ज्यादा सिम कार्ड रखने वालों के नंबर बंद करने का आदेश

नई दिल्ली, (विप्र)। दूरसंचार विभाग ने नौ से ज्यादा सिम कार्ड रखने वाले ग्राहकों के सिम को फिर से सत्यापित करने और सत्यापित न होने की स्थिति में सिम बंद करने का आदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर और असम समेत पूर्वोत्तर के लिए यह संख्या छह सिम कार्ड की है। दूरसंचार विभाग की तरफ से जारी आदेश के अनुसार ग्राहकों के पास अनुमति से अधिक सिम कार्ड पाए जाने की स्थिति में उन्हें अपनी मर्जी का सिम चालू रखने और शेष को बंद करने का विकल्प दिया जाएगा।

तीनों सेनाओं के दल ने जांच शुरू की: रक्षामंत्री

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को संसद के दोनों सदनों को बताया कि तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार को हुए हेलीकॉप्टर हादसे की जांच एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के एक दल ने शुरू कर दी है। इस हादसे में देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत सहित 13 लोगों की मृत्यु हो गई।

सिंह ने बताया कि इस दुर्घटना में एक मात्र जीवित बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं और उन्हें बचाने के लिये सभी प्रयास किये जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहले लोकसभा और बाद में राज्यसभा में दिये गए अपने बयान में कहा, दुर्घटना की जांच के लिए एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में तीनों सेनाओं के एक दल द्वारा जांच किए जाने का आदेश दिया गया है और इस दल ने कल वेलिंगटन पहुंचकर जांच का काम शुरू कर दिया है। सिंह ने बताया कि प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत बुधवार को वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के छात्रों से संवाद करने के लिए पूर्व निर्धारित यात्रा पर थे। उन्होंने कहा , जनरल रावत ने अपनी पत्नी और 12 अन्य लोगों के साथ सुलुर से एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर से पूर्वाह्न 11 बजकर 48 मिनट पर वेलिंगटन के लिए उड़ान भरी थी।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना मामले की लोकसभा में जानकारी देते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह। (एएनआई)

▶संसद के दोनों सदनों में दी हादसे की जानकारी
▶11.48 पर भरी थी उड़ान, 12.8 पर एटीसी से टूटा संपर्क
▶सभी का उचित सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा अंतिम संस्कार

हेलीकॉप्टर हादसा: एयर मार्शल ने किया दुर्घटना स्थल का निरीक्षण

हेलीकॉप्टर का ब्लैक बॉक्स बरामद

कुन्नूर, (भाषा)। एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के कन्नूर के निकट हेलीकॉप्टर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

एयर मार्शल सिंह ने अधिकारियों के साथ यहां नजदीक में दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच शुरू की। बुधवार को हुई इस दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। दूसरी ओर तमिलनाडु पुलिस ने मामला दर्ज किया और राज्य के डीजीपी सी सिलेंद्र बाबू ने मामले को लेकर यहां एक समीक्षा बैठक की।

इस बीच रक्षा अधिकारियों ने तमिलनाडु में यहां बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर का फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर यानी ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्राधिकारियों ने ब्लैक बॉक्स की तलाश का दायरा दुर्घटनास्थल से 300 मीटर दूर से बढ़ाकर एक किलोमीटर तक कर दिया था, जिसके बाद इसे बरामद कर लिया गया। सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर समेत दो बॉक्स एक स्थान से बरामद किए गए हैं। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए इन्हें दिल्ली या बेंगलुरू ले जाया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नीलगिरि जिला पुलिस ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 174 के तहत प्राथमिकी दर्ज की और एडीएसपी मुथुमनिकम को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। पुलिस जांच के दौरान दुर्घटनास्थल के पास ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल कर रही है। पुलिस महानिदेशक सी सिलेंद्र बाबू ने दुर्घटना और इससे जुड़ी जांच को लेकर यहां एक बैठक की अध्यक्षता की।

जांच दल की अगुवाई करने वाले एयरमार्शल मानवेंद्र सिंह। (एएनआई)

▶नीलगिरि जिला पुलिस ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत दर्ज की प्राथमिकी

जनरल रावत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाला गुजरात का व्यक्ति गिरफ्तार

अहमदाबाद, (भाषा)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की मौत को लेकर अपने फेसबुक पेज पर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले गुजरात के एक 44 वर्षीय व्यक्ति को अहमदाबाद साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उन्हें उनके पिछले पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया गया है। उसमें भी अपमानजनक टिप्पणी की गयी थी, लेकिन यह तब उजागर हुआ, जब नवीनतम टिप्पणी सामने आई। साइबर अपराध प्रकोष्ठ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरोपी की पहचान शिवभाई राम के रूप में हुई है, जो गुजरात में अमरेली जिले के राजुला तालुका स्थित भेराई गांव का निवासी है। हालांकि, विज्ञप्ति में जनरल रावत के खिलाफ उनकी कथित टिप्पणी के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया है। जनरल रावत की बुधवार को तमिलनाडु में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में 12 अन्य लोगों के साथ मौत हो गई थी।विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरोपी को धारा 153-ए के तहत विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और आईपीसी की धारा 295-ए के तहत धर्म का अपमान करके धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से दुर्भावनापूर्ण कृत्यों में लिप्त होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।सहायक पुलिस आयुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा, जनरल बिपिन रावत पर कुछ अपमानजनक पोस्ट साझा करने के बाद आरोपी हमारे रडार पर आ गया था। उसकी टाइमलाइन स्कैन करने पर, हमें पता चला कि उसने पहले हिंदू देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट साझा किए थे। उसने अपने फेसबुक में पुराने पोस्ट में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए अपमानजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया था।

रिलायंस जियो को सीडीपी 2021 में मिली सबसे ऊंची रेटिंग

नई दिल्ली, (भाषा)। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी रिलायंस जियो को सीडीपी की 2021 वैश्विक रेटिंग में सबसे ऊंची रेटिंग मिली है। गैर-लाभकारी संस्था सीडीपी पर्यावरणीय प्रभावों से निपटने के तरीकों को लेकर कंपनियों की रेटिंग करती है। इसमें जियो को ए- रेटिंग मिली है जो कि सीडीपी की सर्वोच्च रेटिंग है। जियो सीडीपी के वैश्विक पर्यावरण प्रभाव पर अग्रणी रेटिंग हासिल करने वाली भारत की इकलौती दूरसंचार एवं डिजिटल सेवा कंपनी है। सीडीपी ने अपने एक बयान में कहा, करीब 12 लाख करोड़ डॉलर का बाजार पूंजीकरण रखने वाली दुनिया की 272 कंपनियों को पर्यावरण की दिशा में उनकी अग्रणी भूमिका के लिए रेखांकित किया गया है।

धनशोधन मामले में एनएसआईसी, यूबीआई के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ छापेमारी

नई दिल्ली (विप्र)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के पश्चिम बंगाल स्थित कुछ पूर्व अधिकारियों के खिलाफ कथित तौर पर फर्जी बैंक गारंटी के जरिये निगम को 173 करोड़ रुपये से अधिक के कथित नुकसान से जुड़े धनशोधन मामले की जांच में छापेमारी की है। यह जानकारी ईडी ने बृहस्पतिवार को दी। ईडी ने एक बयान में कहा कि छापेमारी सात नवंबर को एनएसआईसी के तत्कालीन क्षेत्रीय उप महाप्रबंधक (डीजीएम) माणिक लाल दास, एक अन्य डीजीएम गोपीनाथ भट्टाचार्य, एनएसआईसी के पूर्व विपणन प्रबंधक जयंत दास, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के पूर्व प्रबंधकों माणिक मोहन मिश्रा और प्रदीप कुमार गंगोपाध्याय के आवासीय परिसरों पर की गई।प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि छापे के दौरान 1.04 करोड़ रुपये की सावधि जमा रसीदें और कुछ अन्य दस्तावेज जब्त किए गए।

ईडी का मामला पश्चिम बंगाल पुलिस की सीआईडी द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है और यह आरोप लगाया गया है कि एनएसआईसी को 173.50 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया गया जिसनेा अपनी कच्ची सामग्री सहायता (आरएमए) योजना के तहत आरोपियों को उधार दिए थे।

पीपल के पेड़ दिल्ली को जहरीली हवा से निजात दिलाने में मदद करेंगे

नई दिल्ली (वीअ)। दुनिया भर की राजधानी शहरों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता सबसे खराब हो गई है. इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन ने शहर में हवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए दिल्ली भर में पीपल के पेड़ लगाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष स्वामी अवधेशानंद ने कहा कि पीपल के पेड़ लगाने से शहर में हवा की गुणवत्ता पर जादुई प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, हमने अपने संसाधनों से अभियान शुरू किया है और सरकार को इसे बड़े स्तर पर लागू करने का प्रस्ताव भी दिया है। स्वामी अद्वैतानंद, जो महामंडलेश्वर, श्री पंचदशनाम जूना

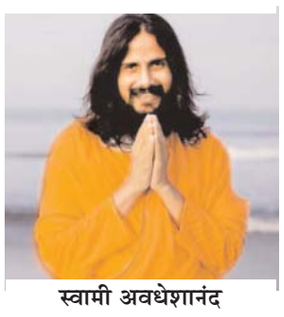

स्वामी अवधेशानंद

अखाड़ा भी हैं, ने बताया कि सरकार की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, मैंने माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी से अनुरोध किया है कि इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर उठाएं।

विक्की कौशल, कैटरीना कैफ ने शादी की

जयपुर, (भाषा)। बॉलीवुड अदाकारा कैटरीना कैफ और अभिनेता विक्की कौशल के लिए आज का दिन काफी अहम था। मगर बृहस्पतिवार शाम तक सवाई माधोपुर के होटल के बाहर खड़े मीडिया कर्मी और प्रशंसकों को यह यकीन नहीं हो सका कि क्या उन्होंने वाकई शादी कर ली है?सिक्स सेंसेज फ़ोर्ट बरवाड़ा होटल से जोड़े की तीन तस्वीरें मिलीं। यह पुराना किला है जिसे आलीशान होटल में बदला गया है। मीडिया और प्रशंसकों को इससे सुरक्षित दूरी पर रखा गया है और इसकी रखवाली निजी सुरक्षा कर्मी कर रहे हैं। ऑनलाइन लीक हुई तस्वीरों में दिख रहा है कि दुल्हन लाल रंगे के लहंगे में हैं और दूल्हे ने आईवरी रंग की शेरवानी पहनी हुई है।

गाय के गोबर से बनाया गोमय पंडाल

नई दिल्ली (वीअ)। आज सम्पूर्ण विश्व पर आर्थिक संकट के बादल मंडरा रहे हैं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकटपूर्ण स्थितियों से उभरने के लिए वोकल फ़ॉर लोकल का आह्वान किया, अखिल भारतीय गऊ सेवक समाज के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता व प्रशिक्षण प्रमुख गऊदास जी द्वारा ग्रामीण आँचल व सेवा बस्ती की बहनों को गाय के गोबर से कलाकृतियाँ बनाने का प्रशिक्षण देते हुए आह्वान किया। हम भारतीय अपने मांगलिक कार्यों में गाय के गोबर से निर्मित गोमय पंडालों का प्रयोग करें, व्यर्थ समझा जाने वाला गौबर भी भारत को आत्म निर्भर बनाने में मदद कर सकता है, गऊ सेवा

गोबर से निर्मित गोमय पंडाल

गतिविधियों के माध्यम से । कुछ चित्र प्रस्तुत किए जा रहे हैं। जिसके माध्यम से आज समाज को जागरूक होना बहुत ज़रूरी है।

वीर अर्जुन न्यूज पेपर्स (प्रा) लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल नरेंद्र द्वारा वीर अर्जुन प्रेस, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-2 से मुद्रित एवं प्रकाशित

प्रधान सम्पादक:अनिल नरेंद्र

ज्वाइंट एडिटर: आदित्य नरेंद्र

सहायक सम्पादक : सदानन्द पाण्डेय *

संपादकीय :
फोन: 011-23318276
फैक्स: 011-23730544
: 011-41509000
E-mail:
dailyvirarjun@gmail.~com

विज्ञापन
फोन : 011-23357216
फैक्स: 011-23705817
E-mail:
advt@virarjun.com
virarjun10@gmail.com

प्रसार: 011-23724452

हवाई शुल्क: 1.50 पैसे

* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।

● किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा।

40 साल की हुईं दीया मिर्जा

मुंबई, (वार्ता)। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री दीया मिर्जा आज 40 वर्ष की हो गयी। 9 दिसंबर 1981 को आन्ध्र प्रदेश के हैदराबाद में जन्मी दीया मिर्जा ने अपने करियर की शुरूआत टीवी पर विज्ञापन फिल्मों से की। वर्ष 2000 में दीया मिर्जा ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें वह दूसरे स्थान पर रही। इसके बाद दीया मिर्जा को मिस एशिया पेसेफिक प्रतियोगिता के लिये भेजा गया जिसमें वह प्रथम चुनी गई।

बतौर अभिनेत्री दीया मिर्जा ने बॉलीवुड में अपनी शुरूआत वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म रहना है तेरे दिल में से की। इस फिल्म में दीया मिर्जा ने सैफ अली खान और आर.माधवन के साथ काम किया हालांकि यह फिल्म टिकट खिड़की पर सफल नही रही। इसी वर्ष दीया की एक और फिल्म दीवानपन प्रदर्शित हुई लेकिन दर्शकों को दीवाना नही बना सकी। वर्ष 2002 में दीया मिर्जा को सलमान खान के साथ तुमको न भूल पायेंगे के साथ काम करने का अवसर मिला। पंकज पराशर के निर्देशन में बनी यह फिल्म भी दुर्भाग्य से कामयाब नहीं हो सकी। वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म तुमसा नही देखा दीया मिर्जा के करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुई। अनुराग बासु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दीया मिर्जा और इमरान हाशमी की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वर्ष 2005 में दीया मिर्जा ने विदु विनोद चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म परिणीता में काम किया। वर्ष 2006 में हीं दीया ने विदु विनोद चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई में भी अपने अभिनय से दर्शकों को दीवाना बना दिया।वर्ष 2007 में प्रदर्शित संजय गुप्ता की फिल्म शूट आउट एट बडाला में दीया मिर्जा ने टीवी जर्नलिस्ट का किरदार निभाकर अपनी अभिनय प्रतिभा का नया अंदाज दर्शकों के सामने पेश किया।

किसानों का आंदोलन स्थगित करने के निर्णय पर हरसिमरत ने कहा, लोकतंत्र की जीत

नई दिल्ली, (भाषा)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की नेता हरसिमरत कौर बादल ने बृहस्पतिवार को किसानों के साल भर से जारी आंदोलन को स्थगित करने के फैसले का स्वागत किया और इसे लोकतंत्र की जीत बताया।कृषि कानूनों का विरोध करने के बाद मोदी कैबिनेट से इस्तीफा देने वाली बादल ने कहा, जब सरकार नहीं सुनती है, तो लोग विरोध करने के लिए मजबूर होते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि किसानों ने आंदोलन स्थगित कर दिया है, लेकिन उनके घाव भरने में समय लगेगा। बादल ने संवाददाताओं से कहा, प्रदर्शन के दौरान 700 से अधिक किसानों की मौत हो गई, वृद्ध लोगों को कड़ाके की ठंड और भीषण गर्मी में धरने पर बैठने को मजबूर होना पड़ा। फिर, उन्हें खालिस्तानी कहा गया। इन घावों को ठीक होने में समय लगेगा।

कांचीपुरम मंदिर में बिपिन रावत के लिए मोक्ष दीप जलाया गया

चेन्नई, (भाषा)। तमिलनाडु के कुन्नूर में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए सीडीएस जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों को मोक्ष मिलने की प्रार्थना के साथ कांचीपुरम के प्रसिद्ध श्री कामाक्षी अम्मन मंदिर में मोक्ष दीप जलाया गया।कांची कामकोटी पीठम ने बृहस्पतिवार को बताया कि श्री कामाक्षी अम्मन मंदिर में दिवंगत आत्माओं को मुक्ति मिलने की प्रार्थना के साथ मोक्ष दीप जलाया गया।

जनरल रावत का बारामूला के लोगों से गहरा नाता था : चिनार कोर

श्रीनगर, (भाषा)। सेना की चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल डी पी पांडे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला के लोगों ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत के निधन से बहुत कुछ खोया है क्योंकि उनके साथ घनिष्ठ संबंध था और वे उन्हें प्यार करते थे।

बारामूला में जीओसी डैगर डिवीजन के जीओसी रहे जनरल रावत को श्रद्धांजलि देने के बाद बारामूला में पत्रकारों से पांडे ने कहा कि हमें इस दुख से बाहर आने में काफी समय लगेगा। लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने कहा, उरी और बारामूला के लोगों और पूरे कश्मीर के लोगों के साथ उनका (रावत) गहरा नाता, जुड़ाव था। अगर आप डीपी (सोशल मीडिया अकाउंट पर डिस्प्ले पिक्चर) देखें, खासकर मीडिया वालों की, तो मुझे लगता है कि हर किसी के पास उनके साथ की एक तस्वीर है। उन्होंने कहा कि जनरल रावत बारामूला के सभी लोगों के फोन कॉल का जवाब देते थे। जीओसी ने कहा, वह (रावत) उनकी आवश्यकताओं को सुनते और फिर वह मुझे फोन करते थे। वह मुझसे उनकी मांगों को सुनने तथा उनकी मदद करने के लिए कहते। मुझे यकीन है कि बारामूला के लोगों ने किसी और से ज्यादा खोया है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना: राजनाथ ने कोविंद को दी जानकारी

नई दिल्ली, (विप्र)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उन्हें कुन्नूर के पास हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बारे में जानकारी दी। इस दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और सशस्त्र बलों के 11 कर्मियों का निधन हो गया। राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सिंह ने राष्ट्रपति कोविंद को दुर्घटना के साथ ही इसके कारण उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में भी जानकारी दी।

दिल्ली एनसीआर में कोलपोल को अपनाकर शैक्षणिक संस्थान बने स्मार्ट परिसर

नई दिल्ली (वीअ)। मोबाईल-फर्स्ट डिजिटल कैंपस प्लेटफॉर्म, कोलपोल दिल्ली एनसीआर में शैक्षणिक संस्थानों को अपने विद्यार्थियों को सुगम व अत्याधुनिक लर्निंग तथा स्मार्ट कैंपस का अनुभव प्रदान करने में मदद कर रहा है। कोलपोल को दिल्ली एनसीआर में अशोका यूनिवर्सिटी, ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, बेनेट यूनिवर्सिटी, आईआईएचएमआर एवं एफआईआईबी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान अपनाकर अपने 20,000 से ज्यादा विद्यार्थियों को ज्यादा गहन संलग्नता और अनुभव, अध्ययन का मिश्रित वातावरण एवं सुगम डिजिटल अनुभव प्रदान कर रहे हैं। यह स्टार्टअप अगले 6 महीनों में 20,000 से ज्यादा यूज़र्स के साथ 15 और संस्थानों के साथ साझेदारी करने की योजना बना रहा है। दिल्ली एनसीआर के विश्वविद्यालय, जैसे अशोका यूनिवर्सिटी, जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी एवं बेनेट यूनिवर्सिटी अत्यधिक विद्यार्थी-केंद्रित हैं और वो कैंपस के अनुभव पर विशेष बल देती हैं। यह जानकारी की बुनियादी पहुंच से बढ़कर है और इसमें सुगम टू-वे कम्युनिकेशन, दैनिक गतिविधियों का ऑटोमेशन और विस्तृत सुरक्षा शामिल है।

बीके मधुर की किताब 'एट होम इन द यूनिवर्स' का विमोचन

नई दिल्ली (वीअ)। हाल ही में डीएचएफएल प्रॉपर्टी सर्विसेज लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी के मधुर की किताब 'एट होम इन द यूनिवर्स' का विमोचन केंद्रीय सड़क विकास मंत्रालय के सलाहकार आर सी सिन्हा ने किया। बी के मधुर की यह किताब आत्मकथा है, जिसमें उन्होंने अपने सफर को बयां किया है कि किस तरह दक्षिण भारत के एक गांव से उनकी यात्रा शुरू होकर कॉर्पोरेट सफलता के शिखर पर पहुंची।अपनी आत्मकथा में मधुर ने भूमिहीन किसान और रोज कमाने वाले मजदूर के बेटे के शुरुआती दिनों में कठिनाइयों और विषमताओं की बात कही है। 344 पन्नों की इस किताब में उनके अब तक के पूरे सफर का वृतांत किया गया है कि किस तरह उस गांव से निकलकर मुंबई पहुंचे और किस तरह एक साधारण सेल्समैन से उठकर एक सफल बड़े व्यक्ति बने। किताब में भारत की अग्रणी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी की स्थापना करने के सफर को भी बयां किया गया है।किताब विमोचन के मौके पर आर सी सिन्हा ने कहा कि इस किताब में एक गरीब पृष्ठभूमि से कॉर्पोरेट के शीर्ष तक पहुंचने की यह कहानी कईयों को प्रेरणा देगी। आत्मकथा के लेखक बीके मधुर ने कहा कि किताब में मेरी जिंदगी के कई चरणों का चित्रण किया गया है। विमोचन के अवसर पर एलआईसी के पूर्व एमडी जी पी कोहली, रिटायर्ड आईपीएस डी ए चौधरी, आयकर आयुक्त उदय भास्कर और अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। किताब जल्दी ही पूरे भारत के अग्रणी बुक स्टोर्स में अवेलेबल होगी।

आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए एनजीई ने एक कदम आगे बढ़ाया

डॉ. पीयूष द्विवेदी

नई दिल्ली (वीअ)। नेक्सजेन एनर्जिया, क्लीन फ्यूल एनर्जी कंपनी, ने हाल ही में अपने संस्थापक और चेयरमैन डॉ. पीयूष द्विवेदी के नेतृत्व में एपी पाठक आईएएस (सेवानिवृत्त), प्रबंध निदेशक नेक्सजेन एनर्जिया, दिनेश महाजन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, अंकुर दुबे, महाप्रबंधक, ओम प्रकाश सिंह डीजीपी (सेवानिवृत्त), राघव चंद्र आईएएस (सेवानिवृत्त), गिरीश शंकर आईएएस (सेवानिवृत्त), गुप्तेश्वर पांडेय डीजीपी (सेवानिवृत्त), केएन तिवारी डीजीपी (ईओडब्ल्यू) (सेवानिवृत्त), मानद सलाहकारों के साथ अपनी सलाहकार बैठक की मेजबानी की। बैठक में सभी ने अगली तिमाही के लिए कंपनी का रोडमैप और विस्तार योजनाओं का खाका तैयार किया। स्वच्छ ईंधन ऊर्जा कंपनी की एडवाइजरी मीटिंग के अनुसार, अनुकूल वातावरण को देखते हुए और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन ऊर्जा विकल्पों पर स्विच करने की आवश्यकता को देखते हुए नेक्सजेन एनर्जिया जल्द ही देश के पश्चिमी हिस्से में अपना विस्तार करना चाहती है। कंपनी की देशभर में 1000 सीएनजी यूनिट्स स्थापित करने की योजना है जिसमें बॉयो-वेस्ट को सीएनजी में बदला जाएगा। कंपनी देश के विभिन्न हिस्सों में 10,000 से अधिक सीएनजी (सीबीजी) पंप खोलने की भी योजना बना रहा है।

वरिष्ठ अभिनेता और कवि पीयूष मिश्रा कू एप से जुड़े

नई दिल्ली (वीअ)। जाने-माने अभिनेता, लेखक, संगीतकार और कवि पीयूष मिश्रा भारत के बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू एप से जुड़ गए हैं। श्री मिश्रा अपने प्रशंसकों के साथ जुड़ने और हिंदी में अपनी कविताओं, गीतों और विचारों को साझा करने के लिए अभिव्यक्ति के इस अनूठे मंच का फायदा उठाएंगे।

अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट करते हुए अभिनेता ने हिंदी में एक दोहा पोस्ट किया, थोड़ा नजारा, चटपट बाते, यही कहानी, आते जाते, थोड़ी हसी हैं, थोड़े लतीफे, थोड़ा तराना, चटपट बातें...बस यारो यहीं बाते, कहानियां, तराने और लतीफे अब कू पर करेंगे। नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा से स्नातक श्री मिश्रा ने एक थिएटर अभिनेता के रूप में अपना करियर शुरू किया और 1998 में मणिरत्नम की 'दिलसे' फिल्म से बॉलीवुड में अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की। उन्होंने द लीजेंड ऑफ भगत सिंह, मकबूल, गुलाल जैसी फिल्मों में अभिनय भी किया है। इस देसी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर पीयूष मिश्रा का स्वागत करते हुए कू के एक प्रवक्ता ने कहा, हम अनुभवी अभिनेता, लेखक, कवि और संगीतकार पीयूष मिश्रा को अपने मंच पर पाकर बेहद खुश हैं।

आर्थिक संकट के चलते सड़क पर आ गया है प्रिंट मीडिया

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। लगातार बढ़ते आर्थिक संकट और इसका न निकलते समाधान ने प्रिंट मीडिया को सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां से उसे कोई भी रास्ता नजर नहीं आ रहा है कि वह किधर जाए। इसको लेकर बहुत ही ज्यादा अपने में असमंजस के हालात बन चुके हैं। प्रिंट मीडिया कर्मियों का कहना है कि उनके लिए सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि वह किधर जाए और किधर न जाए क्योंकि कहीं से भी उन्हें अपने में उम्मीद की किरण दूर-दूर तक नहीं दिखाई दे रही है इसलिए स्थिति अपने में अजीबोगरीब हो गई है।प्रिंट मीडिया कर्मी कहते हैं कि आखिर सरकार क्या सोच रही है यह हमारी भी समझ से बाहर है क्योंकि हमारी समस्याएं एकदम उचित है और उनका समाधान तत्काल होना चाहिए। इन हालातों से नाराज प्रिंट मीडिया कर्मी कहते हैं कि अब हमारे लिए हालात यह है कि करो या मरो की स्थिति बन गई है। समाचार पत्रों की स्थिति कब बंद हो जाए कब नहीं यह किसी को पता नहीं है लेकिन कोई सोचने को तैयार नहीं है।

डा. रेड्डीज लैबोरेट्रीज ने स्पूतनिक लाइट टीके को बूस्टर खुराक के रूप में ट्रायल के वास्ते मांगी मंजूरी

नई दिल्ली, (भाषा)। डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज ने कोविड रोधी टीके स्पूतनिक लाइट का बूस्टर खुराक के रूप में उसके प्रभाव और सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए इसके फेज-तीन क्लिनिकल ट्रायल के वास्ते भारत की औषधि नियंत्रक संस्था से मंजूरी मांगी है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। स्पूतनिक लाइट को अभी भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी नहीं मिली है। डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज में नियामक मामलों की निदेशक पी माधवी ने हेटेरो बायोफार्मा लिमिटेड, तेलंगाना में निर्मित टीकों के बैच तथा कर्नाटक में शिल्पा बायोलॉजिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के अपने केंद्र को फेज-तीन ट्रायल के लिए इस्तेमाल करने का प्रस्ताव दिया है। सूत्र के अनुसार, माधवी ने आवेदन में कहा है कि भारतीय नागरिकों के लिए कोविड रोधी स्पूतनिक लाइट टीके को बूस्टर खुराक के रूप में उसकी सुरक्षा और प्रभाव के अध्ययन के वास्ते फेज-तीन ट्रायल की मंजूरी मांगी गई है। हाल में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने भी डीसीजीआई से कोवीशील्ड को बूस्टर खुराक के तौर पर इस्तेमाल की मंजूरी मांगी थी।

अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडिस लगातार दूसरे दिन ईडी के सामने पेश हुईं

नई दिल्ली, (विप्र)। अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडिस धन शोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं।ईडी जैकलिन से कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और अन्य के खिलाफ जारी धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ कर रही है। इससे पहले बुधवार को उनसे एजेंसी के कार्यालय में लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की गई थी। बुधवार को उनके एक साथी से भी एजेंसी ने पूछताछ की थी।एजेंसी पहले भी इस मामले के संबंध में दो बार जैकलिन से पूछताछ कर चुकी है। उन्हें और चंद्रशेखर को आमने-सामने बैठाकर भी पूछताछ की गई है।गौरतलब है कि चंद्रशेखर और अभिनेत्री पत्नी लीना मारिया पॉल के खिलाफ 200 करोड़ रुपये से अधिक के धन शोधन का मामला दर्ज है। आरोप पत्र में दावा किया गया था कि चंद्रशेखर ने जैकलिन को कई महंगे उपहार दिए थे। चंद्रशेखर पर फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रवर्तक शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह समेत कुछ लोगों से भी धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। जैकलिन के प्रवक्ता ने पहले कहा था कि अभिनेत्री बतौर एक गवाह एजेंसी के समक्ष बयान दर्ज करा रही हैं।

आज का भविष्यफल

मेष-शादी-विवाह का प्रस्ताव आपको नुकसान पहुंचा सकता है, राजनैतिक दृष्टि से आपको कोई खास पद में प्रतिष्ठा मिलेगी।

वृष-अपनी मित्रता को निभाने के लिए काफी बड़ा त्याग करना पड़ सकता है, माता-पिता से कुछ छुपाए नहीं।

मिथुन-भारी कष्ट के कारण किसी भी कार्य में आपका मन नहीं लगेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा बचाने के लिए आपको संघर्ष करना पड़ेगा।

कर्क-पद और जिम्मेदारी मिल सकती है, केस-मुकदमा आदि में विजय प्राप्त होगी, पति-पत्नी में एकरूपता में कमी आएगी।

सिंह-हमें दूसरों को दुख-दर्द देने की प्रवृत्ति कम करना होगी, व्यापार में लाभ होगा, व्यवसाय में स्त्री का सहयोग मिलेगा, पैसे आएंगे।

कन्या-दूसरों को दिए गए उधार पैसे की वापसी मिल पाएगी, गीत-संगीत के माध्यम से दूसरों का दिल बहला सकते हैं, स्त्री सुख।

तुला-शादी-विवाह आदि का प्रस्ताव मिल पाएगा, शुभ कार्य एवं मांगलिक घर में सम्पन्न होगा, ईश्वर की अराधना करें।

वृश्चिक-जीवन में किसी के लिए उपकार कार्य में संलग्न हो जाएंगे, स्वयं को ज्यादा लोकप्रिय मिलेगा, सेहत पर ध्यान दें।

धनु-जिसे भी अपना समझते हैं उसे अपना कहने में कोई संकोच मत करें, सम्पत्ति का विवाद चल सकता है, आय होगी।

मकर-ईश्वर पर विश्वास रखें सभी मिल जाएगा, सत-संगति करने का प्रयास करें, दिल से किसी से प्यार करने लग जाएंगे।

कुंभ-आधुनिक परिवेश में सोच रखें, यांत्रिक सामानों की खरीद कर पाएंगे, वाणी पर नियंत्रण से काम बन जाएंगे।

मीन-पति-पत्नी में किसी मुद्दे पर काफी बड़ी बहस हो सकती है, शांति से कोई फैसला लें, किसी की भी शिकायत मत करें, मानवीय मूल्यों से समझौता न करें।

डा.सुनील भारती दैवज्ञ:
मो. 09891192750

सूचना

हमारे यहां अखबारों की प्रिंटिंग व डिसपैच की सुविधा देश के कोने-कोने के लिए उपलब्ध है

: सम्पर्क करें : –

आदित्य ग्राफिक्स
9868475104
प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002

वीर अर्जुन

आवश्यकता है

नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी/दैनिक समाचार पत्र के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की। विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी एवं फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं। संपूर्ण विवरण सहित आवेदन करें:-

dpks0008@gmail.com
तथा
mehta.virarjun@gmail.com

दिल्ली जल बोर्ड बिलिंग प्रणाली को पूरी तरीके से पारदर्शी बना रही है : सत्येन्द्र जैन

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में दिल्ली जल बोर्ड की राजस्व प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने गुरुवार शाम ट्वीट कर यह जानकारी दी कि दिल्ली जल बोर्ड ने आज अपने बिलिंग सिस्टम को अपडेट कर दिया है। अब आपका बिल पिछले महीने के 1.5 गुना से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि बिल इससे अधिक हो जाता है, तो आपको दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से एक स्पष्टीकरण दिया जाएगा और इसके तर्ज़ पर ग्राहक शिकायत दर्ज करा सकते हैं। दिल्ली जल बोर्ड किसी भी प्रकार की गलती के लिए जवाबदेह और उत्तरदायी होगा।

दिल्ली सरकार को कई शिकायतें सरकार मिलीं, जिसमे बताया गया कि मीटर रीडर्स या तो मौजूदा मीटर रीडिंग की तस्वीर अपलोड नहीं करते थे या फिर एक रैंडम इमेज अपलोड करते थे और बाद में उसे खुद से सत्यापित कर उचित समझे जाने पर रीडिंग अलग से डालते हैं। जब तक कोई उपभोक्ता इसके लिए शिकायत दर्ज नहीं करता था, तब तक इस प्रक्रिया की कोई जांच नहीं होती थी। अधिकतर उपभोक्ता अपने बिलों का भुगतान सही मानते हुए करते हैं और द्विमासिक बिलिंग चक्र में खपत पैटर्न में बदलाव को महसूस नहीं करते हैं। राजस्व अधिकारियों के साथ मंत्री सत्येन्द्र जैन की चली इस लंबी बैठक में इन मुद्दों को सामने लाया गया और गलत बिल बनाने की इस प्रक्रिया को रोकने के लिए निम्नलिखित ऐतिहासिक कदम उठाए गए।

पिछले बिल की तुलना में पानी की खपत 50 फीसद से अधिक या कम होने पर मीटर रीडर के टैबलेट से बिलिंग रोकने के लिए एक सिस्टम चेक होगा। मीटर रीडिंग द्वारा लिए गए फोटो के अनुसार पानी की खपत की पुष्टि के बाद ही जेडआरओ कार्यालय द्वारा बिल जनरेट किया जा सकता है। यह कदम गलत रीडिंग बिलों पर अंकुश लगाएगा, जो बनाए जा रहे थे।

राजस्व अधिकारियों द्वारा सिस्टम में रेंडम आधार पर रोज़ाना ''मीटर रीडिंग इमेज ऑडिट' किया जाएगा। यह निर्णय एक ऐतिहासिक निर्णय में से एक होगा। इससे व्यवस्था में पूरी पारदर्शिता आएगी। इस व्यवस्था पर दिल्ली जल बोर्ड द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाएगी। जिससे सिस्टम में हेर-फेर की संभावना न के बराबर हो जाएगी। इससे मौजूदा बिलिंग प्रणाली से संबंधित सभी खामियों को भी दूर किया जा सकेगा। जिससे कि सिस्टम में पारदर्शिता आएगी और काम पहले और आसान हो जाए। दिल्ली जल बोर्ड अपने विजिलेंस सिस्टम को मजबूत करेगा। टैबलेट द्वारा अपलोड किए गए अनुचित फोटो के मामले में मीटर इंस्पेक्टर दोबारा जांच करेंगे और रीडिंग में गलतियों के मामले में मीटर रीडर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण पर रोकथाम के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई : जस्मिन शाह

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। टेरी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डीडीसी के उपाध्यक्ष जस्मिन शाह ने 'दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए आर्थिक रूप से प्रभावी विकल्प' विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण पर रोकथाम के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई। लेकिन उत्तर भारत के अन्य राज्यों ने ऐसा नहीं किया। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) की ओर से आज रिपोर्ट जारी में कहा कि सर्दियों के दौरान दिल्ली के पीएम 2.5 के स्तर को कम करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर वायु गुणवत्ता योजना और कार्यान्वयन आवश्यक है। रिपोर्ट ने लागतों के संबंध में उनके आर्थिक और स्वास्थ्य लाभों का आंकलन करने के लिए विभिन्न नीतिगत हस्तक्षेपों की क्षमता की जांच की। ब्लूमबर्ग के सहयोग से टेरी की ओर से पेश की गई 'दिल्ली में वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए कार्यों की लागत-प्रभावशीलता' शीर्षक वाली रिपोर्ट में पाया गया कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी विकल्पों में एलपीजी/इंडक्शन स्टोव, इलेक्ट्रिक दुपहिया और तिपहिया वाहन, पावर प्लांट नियंत्रण, जिग-जैग ईंट भट्ठा प्रौद्योगिकी आदि हैं

कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन के उपाध्यक्ष जस्मिन शाह ने प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में दो प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वायु प्रदूषण के बारे में अच्छे आंकड़ों की कमी के साथ जो आंकड़े मौजूद हैं, उनके संचार की भी कमी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक क्षेत्रीय एयरशेड की समस्या है, ना कि दिल्ली की समस्या है। 2016 के आंकड़ों पर आधारित टेरी की 2018 की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया था कि कैसे दिल्ली का अधिकांश वायु प्रदूषण स्थानीय स्रोतों से नहीं बल्कि क्षेत्रीय स्रोतों से आता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एजेंसी सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) द्वारा नवंबर के हालिया विश्लेषण से पता चला है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार लगभग 70 फ़ीसदी स्रोत दिल्ली के बाहर स्थित हैं।

तेजस्वी ने बेहद निजी समारोह में दिल्ली में शादी की, राजद ने पटना में जश्न मनाया

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव दिल्ली में एक बेहद निजी समारोह में अपने बचपन की दोस्त के साथ विवाह के बंधन में बंध गए हैं। तेजस्वी के विवाह की खबर मिलते ही पटना स्थित राजद मुख्यालय में बृहस्पतिवार को जमकर जश्न मनाया गया।

बत्तीस वर्षीय पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने दिल्ली के एक फार्म हाउस में अपने माता-पिता राबडी देवी और लालू प्रसाद यादव, अपने आठ भाई-बहनों, परिवार के अन्य सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों तथा समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की उपस्थिति में रेचेल आइरिस के साथ आज विवाह किया। रेचेल के संबंध में सिर्फ इतनी जानकारी उपलब्ध है कि वह हरियाणा के एक व्यावसायी की बेटी हैं और यह जोड़ा बचपन से एक-दूसरे को जानता है। राजद विधायकों ने पार्टी के ट्विटर हैंडल पर तेजस्वी की शादी की तस्वीरें साझा करके उन्हें बधाई दी है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने इस खुशी में मिठाई बांटत हुए कहा, हमारे नेता ने अपनी शादी में धूमधाम ना करके एक मिसाल कायम की है। पत्रकारों के यह पूछने पर कि आखिरी समय तक शादी के बारे में जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई, सिंह ने कहा, जरा सी भनक मिलने पर आप लोगों ने कल तूफान खडा कर दिया। सब कुछ बताने पर समारोह में भगदड मच जाती। तेजस्वी निश्चित रूप से ऐसा नहीं चाहते थे।

बुधवार को तेजस्वी के सगाई करने की सूचना सार्वजनिक होने के साथ ही राजद में खुशियों की लहर दौड गई थी। तेजस्वी लालू-राबडी की नौ संतानों में

विहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव अपनी पत्नी रेचेल आइरिस के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए। (छाया : एएनआई)

आठवें और विवाह बंधन में बंधने वाले अंतिम हैं। हालांकि जिस सादगी के साथ उन्होंने विवाह किया, वह उनके अन्य भाई-बहनों की धूमधाम से हुई शादियों से बिल्कुल विपरीत था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी प्रसाद यादव के परिणय सूत्र में बंधने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि समाचारों के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष के आज दिल्ली में परिणय सूत्र में बंधने की उन्हें सूचना प्राप्त हुयी है, उन्हें बहुत-बहुत बधाई।

दक्षिणी निगम वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रतिबद्ध : सहरावत

वीर अर्जुन संवाददाता

★दक्षिणी निगम ने ध्वस्त किए 208 तंदूर एवं 152 तंदूरों को करवाया एलपीजी में परिवर्तित

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने वायु प्रदूषण की रोकथाम की दिशा में कदम उठाते हुए कोयले व लकड़ी से चलने वाले तंदूरो के विरुद्ध कार्रवाई की। दक्षिणी निगम के नेता सदन श्री इंद्रजीत सहरावत ने बताया कि लकड़ी एवं कोयले से चलने वाले पारंपरिक तंदूरों के विरुद्ध पिछले दो माह में दक्षिणी निगम द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है तथा दक्षिणी निगम के सभी चारों क्षेत्र में 208 तंदूरों को ध्वस्त किया गया जिसमें से मध्य क्षेत्र में 68, दक्षिणी क्षेत्र में 80, पश्चिमी क्षेत्र में 40 एवं नजफगढ़ क्षेत्र में 20। इसी क्रम में चारों क्षेत्र में 152 तंदूरो को भी एल.पी.जी. में परिवर्तित करवाया गया जिसमें से मध्य क्षेत्र में 55, दक्षिणी क्षेत्र में 19, पश्चिमी क्षेत्र में 55 एवं नजफगढ़ क्षेत्र में 23 है।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसी क्रम में लकड़ी एवं कोयले से चलने वाले तंदूरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। नेता सदन श्री इंद्रजीत सहरावत ने जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई इस कार्रवाई के बारे में बताया कि वायु प्रदूषण के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं जिनमें से रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल एवं ढाबों इत्यादि में लकड़ी एवं कोयले से चलने वाले पारंपरिक तंदूर भी जिम्मेदार हैं। इसके लिए रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल एवं ढाबों के संचालकों को इस के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया है तथा उन्हें इन तंदूरो को एल.पी.जी. में परिवर्तित कराने के निर्देश भी दिए गए। श्री इंद्रजीत सहरावत ने कहा कि दक्षिणी निगम वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए भरसक प्रयास कर रहा है और निगम इस तरह की कार्रवाई को आगे भी जारी रखेगा।

सिसोदिया व आतिशी ने डीएसईयू के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्रों का स्वागत किया

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली स्किल एवं एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी ने आज डिप्लोमा प्रोग्राम्स के पहले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय में नए छात्रों के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। ओरिएंटेशन के पहले दिन तीन हजार से अधिक छात्र ऑनलाइन शामिल हुए हैं।

ऑनलाइन ओरिएंटेशन प्रोग्राम में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं कालकाजी विधायक आतिशी ने छात्रों को संबोधित किया। वाईस चांसलर प्रो नेहारिका वोहरा ने 2021 बैच के डिप्लोमा छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र के उद्घाटन की घोषणा की।

समारोह की शुरुआत करते हुए उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने डीएसईयू में डिप्लोमा प्रोग्राम्स में सभी छात्रों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय को लेकर केजरीवाल सरकार के दृष्टिकोण को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि डिप्लोमा छात्रों के बारे में समग्र धारणा को बदलने की तत्काल आवश्यकता थी। पॉलिटेक्निक कॉलेजों में संसाधन एवं उद्योग जगत की आवश्कताओं में भी भारी अंतर था। डीएसईयू का दृष्टिकोण है युवाओं को उद्योग के लिए प्रासंगिक कौशल एवं तकनीक सीखने का अवसर प्रदान करना। ताकि वे नौकरी पा सकें या एक उद्यमी बन सकें। राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकें। हमें विश्वविद्यालय में डिप्लोमा छात्रों के पहले बैच को देखकर गर्व हो रहा है। उभरते जॉब सेक्टर्स पर लगातार काम करने के लिए डीएसईयू में रिसर्च विंग बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि छात्र एवं अध्यापक इसके दायरे को और विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

विधायक आतिशी ने छात्रों को बधाई दी एवं कौशल के महत्व पर बात करते हुए कहा कि यह हमारे लिए एवं छात्रों के लिए बहुत बड़ा दिन है। कौशल शिक्षा को द्वितीय श्रेणी की शिक्षा के रूप में माना गया है। छात्रों को उनके डिग्री साथियों के समान महत्व नहीं दिया जाता है। डीएसईयू का उद्देश्य इसको बदलना है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति के योगदान से ही राष्ट्र की प्रगति होती है। हमारे राष्ट्र की पूर्ण क्षमता का विकास तभी हो सकता है। जब प्रत्येक छात्र अपने संबंधित विषयों से सीखे एवं शिक्षा क्षेत्र में इस तरह की रूढ़ियों को नजरअंदाज करे।

हमारे समाज के निर्माण के लिए शिक्षा की सभी धाराएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वी.क्षसी प्रो नेहारिका वोहरा ने डीएसईयू पर भरोसा जताने के लिए छात्रों का आभार व्यक्त किया। छात्रों को उनके जीवन के इस नए पड़ाव के लिए सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि आपका आगे का जीवन इस बात पर निर्भर करता है कि आप इस अवसर का कैसे उपयोग करते हैं।

मैं आपसे अनुरोध करुंगी कि आप कड़ी मेहनत करें क्योंकि रेस्ट इज रस्ट। इसलिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करने के लिए खुद को प्रेरित करें एवं सीखने की प्रतिक्रिया को पूर्ण रूप से समझें । उन्होंने यह भी बताया कि छात्र अपने भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और शारीरिक परिवर्तनों को कैसे प्रबंधित कर सकते हैं। जिससे वे अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं को भी पूरा करते हैं। ओरिएंटेशन के आगामी दिनों के कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों की योजना छात्रों को उनके चुने हुए डोमेन्स में पूर्व छात्रों एवं उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत कर उद्योग को समझने के लिए हैं। यह सेशन समूह-अनुसार एवं पाठ्यक्रम-अनुसार आयोजित की जाएंगी। उन्होंने दोहराया कि इस ओरिएंटेशन का उद्देश्य छात्रों के साथ विश्वविद्यालय के अनुभवों को साझा करना एवं उन्हें अपने तीन वर्षों में सर्वश्रेष्ठ कौशल प्राप्त करने के लिए तैयार करना है। चूंकि वे यहां व्यक्तिगत रूप से आने में असमर्थ हैं। इसी कारणवश हमने छात्रों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया हैं।

कोविड-19 पर हालिया चिंताओं को देखते हुए कक्षाएं एक हाइब्रिड मोड में शुरू होंगी। अध्यापकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ भर्ती छात्रों के लिए भी डिजिटल साक्षरता सत्र आयोजित किए गए हैं ताकि वे ऑनलाइन सीखने के तरीके समझ सकें।

किसान आंदोलन खत्म होने की घोषणा के बाद यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद

वीर अर्जुन संवाददाता

★ एसकेएम ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन निलंबित करने का निर्णय लिया और घोषणा की कि किसान 11 से अपने घरों की ओर लौटने लगेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली की सीमाओं पर धरना स्थल खाली करने की किसानों की घोषणा के बाद एक साल से अधिक समय से बंद पडीं सडकें फिर से खुलने का रास्ता साफ हो गया है। इससे यात्रियों की बडी राहत मिलेगी और उनकी यातायात संबंधी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल नवंबर में आंदोलनकारी किसान दिल्ली की सीमाओं टीकरी, सिंघू और गाजीपुर में धरने पर बैठ गए थे, जिससे दिल्ली से गाजियाबाद, नोएडा और हरियाणा जाने या वहां से दिल्ली आने वाले यात्रियों को सडकें बंद होने या उनका मार्ग बदले जाने के चलते मुश्किलों का सामना करना पड रहा है। इन कृषि कानूनों को अब रद्द किया जा चुका है।

चालीस किसान संघों का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन निलंबित करने का बृहस्पतिवार को निर्णय लिया और घोषणा की कि किसान 11 दिसंबर से अपने घरों की ओर लौटने लगेंगे। नियमित रूप से हरियाणा के रेवाडी और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाली सुमन राठौड ने कहा, तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की सरकार की घोषणा के बाद, मैंने सोचा था कि किसान अपना आंदोलन समाप्त कर देंगे, लेकिन उन्होंने इसे जारी रखा। आज की उनकी घोषणा से मेरे जैसे कई यात्रियों को बडी राहत मिलेगी, जो गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। नोएडा एक्सटेंशन में रहने वाली नीति रस्तोगी काम के लिए दिल्ली आती हैं। उन्होंने कहा, विरोध प्रदर्शन शुरू होने से पहले मैं अपने कार्यालय पहुंचने के लिए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सफर करती थी। प्रदर्शनकारियों द्वारा सीमा पर डेरा जमाने के बाद, मैंने कार्यालय जाने के लिये मेट्रो ट्रेन में यात्रा शुरू कर दी। हालांकि इससे मुझे अधिक समय लगता है और कोरोना वायरस की चपेट में आने का भी डर रहता है। नोएडा और दिल्ली के बीच नियमित रूप से यात्रा करने वाले विप्लव त्रिपाठी ने बताया कि वह प्रतिदिन अपनी कार से कार्यालय जाते हैं। सडक़ बंद होने के कारण उनके आने-जाने का समय 45 मिनट और बढ़ गया। उन्होंने कहा, नोएडा-मेरठ एक्सप्रेसवे का उपयोग करके मैं एक घंटे में अपने कार्यालय पहुंच सकता हूं, लेकिन नोएडा से गुजरने और सुबह के समय ट्रैफिक के चलते मैं देर से कार्यालय पहुंचता और वहां से लौटता हूं।

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने सीडीएस बिपिन रावत की मृत्यु की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

नई दिल्ली, (वीअ)। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने सीडीएम बिपिन रावत जी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए आधुनिक तकनीक से लैस शक्तिशाली हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता बताई। फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिवसेना प्रमुख श्री जयभगवान गोयल की अध्यक्षता में संपन्न शोक सभा में स्वर्गीय बिपिन रावत की आत्मा के लिए शांति की प्रार्थना की गई। 2 मिनट का मौन धारण करके उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्री गोयल ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा कि श्री बिपिन रावत की बहादुरी और देश की सुरक्षा में उनके योगदान को हर भारतवासी को सदैव गौरवान्वित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस वायु सेना के शक्तिशाली हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से प्रत्येक देशवासी अचंभित है और इस दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच की अपेक्षा करता है।

संगम विहार में गरीबों को मुफ्त कोरोना टीके लगे: डॉ. जौली

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली की सबसे बड़ी अनाधिकृत रिहायशी बस्ती संगम विहार में गरीबों को मुफ्त कोरोना वैक्सीन के टीके लगाए गए।

आज एक दिवसीय कोरोना वैक्सीन कैम्प पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली की अगुवाई में, डी-10, मंगल बाजार रोड, संगम विहार भाजपा कार्यालय में आयोजित किया गया। आज की भारी सफलता के चलते, यह शिविर अगले 10 दिसम्बर को भी पूरा दिन डॉ. जौली के कार्यालय में पुन: लगेगा। ज्ञात रहे आज कल डॉ. जौली दक्षिण अमेरिका के देशों विशेषकर सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदान टोबैगो तथा अमेरिका में पीपुल टू पीपुल फेंडशिप बढ़ाने के लिए विदेश में हैं।

दिन भर चले शिविर में 170 गरीबों को मुफ्त कोरोना टीके लगाए गए। इस शिविर में दिवंगत चीफ ऑफ स्टाफ जनरल बिपिन रावत को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तथा प्रधानमंत्री मोदी के आहवान पर भारत में 125 करोड़ से भी ज्यादा कोरोना के टीके लगाए जाने की भी भूरी-भूरी प्रसंशा की गई।

इस शिविर का आयोजन प्रमुख गैर सरकारी संस्था आरोहण व दिल्ली स्ट्डी ग्रुप द्वारा किया गया। शिविर का सफल पूर्वक संचालन शालू कुमारी, रानी पटेल, विजेंदर यादव व दिलावर सिंह की देख-रेख में हुआ। भाजपा नेता व पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने आज अपने भाजपा संगम विहार कार्यालय में मुफ्त कोविड-19 टीकाकरण कैम्प का सफल आयोजन पर क्षेत्र की जनता का विशेष आभार विदेश से जताया।

कांग्रेस की रैली को सफल बनाने का आह्वान किया विनोद जायस ने

नई दिल्ली, (वीर अर्जुन)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर होने वाली रैली को सफल बनाने का आह्वान करते हुए भजन पूरा वार्ड से कांग्रेस के नेता ठाकुर विनोद कुमार जायस नें कांग्रेस वर्करों से जयपुर चलने का आह्वान किया है। विनोद ठाकुर नें भजन पुरा क्षेत्र के तहत सभा को सम्बोधित करते हुए कहा महंगाई हटाओ रैली जो कि राजधानी दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में होनी थी केंद्र की भाजपा सरकार,दिल्ली के उपराज्यपाल तथा दिल्ली की सरकार नें नहीं होने दी। और उसकी अनुमति को रद्द कर दिया। विनोद जायस नें कहा केंद्र और दिल्ली सरकार नें भयवश इसे रद्द किया क्योंकि मौजूदा केंद्र सरकार तथा दिल्ली की सरकार विरोध के स्वर सुनना नहीं चाहती तथा विरोधी दलों की आवाज को दबाना चाहती है। ऐसा कर भाजपा की केंद्र सरकार तथा दिल्ली की सरकार नें लोकतंत्र का गला घोंटा है जबकि लोकतंत्र में सभी को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। लेकिन यह सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है। विनोद जायस नें

दिल्ली सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा ने कहा कि नशामुक्ति पर दोहरा चरित्र रखने वाले केजरीवाल ने दिल्ली को नशे की राजधानी बना दिया है। प्रत्येक वार्ड मे 3-4 दुकाने खोलकर, रात 3 बजे रेस्टोरेंट/क्लब/होटल को इजाजत देने के साथ ड्राई डे 21 से घटाकर 3 कर दिए है।

उन्होंने कहा कि बुजुर्गा को अध्योध्या भेजकर ढ़ोंग करने वाले केजरीवाल ने दीवाली, ईद, होली, छठ जैसे धार्मिक त्यौहारों पर शराब की दुकाने खोलने की इजाजत देकर दिल्लीवालों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों के हितों की रक्षा और दिल्ली के युवाओं के भविष्य को उजड़ने से बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी भाजपा और आम आदमी पार्टी की मिलीभगत से दिल्ली में लागू शराब नीति का हमेशा विरोधी करेगी। विनोद जायस ने राजधानी में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नए वेरिएंट ऑमीकार्न का संदेह दिल्ली में लगातार बना हुआ है उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोविड की दूसरी लहर में दिल्ली केवल इसलिए जीत पाई क्योंकि कांग्रेस की दिल्ली सरकार ने 21 अस्पताल बनवाकर दिल्ली को स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूत इफ्रास्ट्रक्चर दिया जबकि अरविन्द केजरीवाल ने पिछले 7 वर्षों एक भी नया अस्पताल नही बनाया, बुराड़ी, अम्बेडकर नगर और द्वारका में जो नए अस्पताल बने है उनकी शुरुआत भी कांग्रेस सरकार ने की थी उनको जानबूझकर केजरील ने देरी से शुरु किया। केजरीवाल सरकार समय रहते कोविड रोकथाम के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे बेड, आईसीयू, ऑक्सीजन व दवाईयों का इंतजाम करे, ताकि दिल्लीवासियों को पहले की भांति महामारी को न झेलना पड़े।

Aashiyara
Sector 37C, Gurugram

LICENCE NO. : 15 of 2018 dated 13.02.2018
BUILDING PLAN MEMO NO.: ZP-1238/AD(RA)/2018/28705 dated 08 Oct 2018
HARERA REG. NO.: RC/REP/HARERA/GGM/2018/26 dated 28.11.2018

सूचना

आशियारा अफॉर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट Sector-37 C, Gurugram, Haryana के सभी सफल आवेदकों को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सफल आवंटियों ने अपने आवंटित फ्लैट की आवंटन राशि का भुगतान नियत तिथि तक नहीं किया है, जिसकी सूचना उन्हें स्पीड पोस्ट व ई–मेल के माध्यम से दी जा चुकी है। अतः निम्नलिखित आवेदकों और आवंटियों को इस समाचार पत्र के माध्यम से पुनः अनुरोध किया जाता है कि अपनी आवंटन राशि/किस्त राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से अगले 15 दिन के अंदर कर दें। अन्यथा उनका आवंटन रद्द माना जाएगा व जो फ्लैट इनको आवंटित थे उनको रद्द कर पुनः आवंटन की प्रक्रिया के लिए नियमानुसार (हरियाणा अफॉर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी 2013) अपेक्षित कार्यवाही की जाएगी।

आवेदन संख्या की सूची

2 BHK TYPE A 3206

रेणुका ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड CIN. U74899DL1983PTC014992
पंजीकृत कार्यालय: A-25, मोहन कॉपरेटिव इड्स्ट्रियल एस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली – 110044
care@aashiyara.com, कॉल करे : 011-46469999

31 तक संपत्तिकर जमा कराने पर 15 प्रतिशत छूट : सूर्यान

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। महापौर श्री मुकेश सूर्यान ने कहा कि नागरिकों को राहत देने के लिए दक्षिणी निगम ने यह निर्णय लिया है कि वित्तीयवर्ष 2021-22 के लिए समय पर एकमुश्त संपत्तिकर भुगतान करने पर 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। जोकरदाता 31 दिसंबर 2021 तक अपनासंपत्तिकर जमा कराएगे उन्हें यह छूट मिलेगी। यह योजना सभी तरह कीसंपत्तियोंपर लागू होगी। उन्होंनें बताया किसंपत्तिकर विभाग ने सभी जोनल कार्यालयों को निर्देश दिये है कि करदाताओं की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था की जाए ताकि वह आसानी सेऑनलाइन माध्यम सेसंपत्तिकर जमा कर सके। उन्होंनें नागरिकों से अपील की है कि इस योजना का लाभ उठाएं और समय पर अपनासंपत्तिकर जमा कराएं। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से करदाताओं को भारी राहत मिलेगी और करदाताओं की संख्या में वृद्धि होगी। हमें उम्मीद है किसंपत्तिधारकसमय पर कर जमा करके, जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज निभाएंगे।

री-साइकल किए गए पानी से टिकरी खुर्द में बनेगी नई झील : जैन

★यमुना साफ करने के अपने लक्ष्य की दिशा में सरकार का यह एक नया कीर्तिमान है

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अगले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले यमुना को साफ करने का लक्ष्य रखा है। यमुना में गिरने वाले लगभग 155 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) गंदगी का स्रोत पड़ोसी राज्य हैं, जिनमें 15 एमजीडी हरियाणा के ड्रेन नंबर 6 के माध्यम से, 90 एमजीडी बादशाहपुर ड्रेन के माध्यम से और 50 एमजीडी उत्तर प्रदेश से आता है। दिल्ली सरकार यमुना को साफ करने की दिशा में तेज़ी से काम कर रही है और इसलिए दिल्ली सरकार ने पड़ोसी राज्यों से यमुना में गिरने वाले सभी प्रकार की गंदगी को ट्रीट करने का जिम्मा उठाया है। इसी सिलसिले में गुरूवार की सुबह दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने नरेला स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर मुआयना कर किया। इस मौके पर उन्होने कहा कि जिस प्रकार लगातार यमुना में पड़ोसी राज्यों की ओर से गंदा पानी और औद्योगिक अपशिष्ट बहाया जा रहा है, वह काफी चिंताजनक है। ऐसी स्थिति में केजरीवाल सरकार ने दूसरे राज्यों से आने वाले गंदे पानी को भी साफ करने का निर्णय लिया है। हालाँकि यह काम उन पड़ोसी राज्यों का ही है, लेकिन हमारा मानना है कि यमुना किसी राज्य की नहीं है, बल्कि देश की नदी है। इसलिए दिल्ली सरकार ने यमुना में गिरने वाले हर प्रकार के गंदे पानी को ट्रीट करने का फैसला किया है और नरेला स्थित एसटीपी में इसकी शुरुआत कर दी गई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने कुछ महीनों पहले यमुना को साफ करने के लिए 6 स्टेप एक्शन प्लान तैयार किया था। इसमे पड़ोसी राज्यों से आने वाले सिवेज़ एवं नालों के पानी को यमुना में गिरने से रोकने का प्लान भी शामिल है। इसी के तहत दिल्ली जल बोर्ड ने ड्रेन नंबर 6 के ज़रिये हरियाणा से आने वाले 15 एमजीडी सिवेज़ को नरेला एसटीपी में रोककर उसे साफ करने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके मद्देनजर नरेला एसटीपी की क्षमता को 10 एमजीडी से बढ़ाकर 20 एमजीडी करने के निर्देश दे दिये गए हैं, ताकि अब यहाँ ड्रेन नंबर 6 के ज़रिये आने वाले हरियाणा के 15 एमजीडी सिवेज़ को भी ट्रीट किया जा सके।

री-साइकल किए गए पानी से दिल्ली सरकार टिकरी खुर्द में मौजूद एक झील को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल को रीचार्ज करने में मदद मिलेगी। टिकरी खुर्द स्थित झील को पुनर्जीवित करने से न सिर्फ पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकेगा, बल्कि दिल्ली में घट रहे भूजल स्तर को सुधारने में भी मदद मिलेगी और प्राकृतिक पारितंत्र को भी सुधारेगा। इसके अलावा, मंत्री सत्येंद्र जैन ने ड्रेन नंबर 6 के 10 किलोमीटर के हिस्से को साफ कर उसे भी 'रीचार्ज जोन' की तरह विकसित करने का निर्देश दिया।

केजरीवाल सरकार ने कुछ महीनों पहले यह फैसला लिया था कि वह पड़ोसी राज्यों से आने वाले सिवेज़ के पानी को यमुना में नहीं गिरने देगी। दिल्ली में तकरीबन 500 एमजीडी गंदा पानी दिल्ली सरकार के 35 एसटीपी में ट्रीट किया जाता है। दिल्ली सरकार का मानना है कि अगर यह 500 एमजीडी पानी री-साइकल होने के बाद तालाब के माध्यम से भूजल में रिसकर वापस चला जाए तो इससे दिल्ली के भूजल स्तर में काफी सुधार होगा।

नरेला में बने एसटीपी की क्षमता 10 एमजीडी है, जिसको अत्याधुनिक तकनीक की मदद से बढ़ाकर 20 एमजीडी किया जाएगा। नरेला स्थित इस एसटीपी में हरियाणा से आने वाली गंदगी को साफ करने का काम शुरु कर दिया गया है और एसटीपी की क्षमता बढ़ाने का काम साथ-साथ चल रहा है। दिल्ली सरकार इस ट्रीट किए गए पानी से टिकरी खुर्द के पास मौजूद एक तालाब को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल स्तर को ठीक करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही दिल्ली सरकार यहाँ बायो- गैस प्लांट बनाएगी, ताकि यहाँ मौजूद कूड़े व मलबों से बायो चारकोल बनाया जा सके।

डीजेबी लगभग 1 से 1.5 एकड़ के तालाबों को 'जल निकायों' और बड़े तालाबों को 'झीलों' के रूप में वर्गीकृत करता है। पानी के स्रोत को सुनिश्चित करने के लिए झीलों को मौजूदा उपचार संयंत्रों से जोड़ा जा रहा है। दिल्ली सरकार अपनी 'झीलों के शहर' परियोजना के तहत टिकरी खुर्द में नरेला एसटीपी से निकलने वाले री-साइकल किए गए पानी का उपयोग करके झील की कायाकल्प करेगी। यह 'झीलों का शहर' परियोजना 2018 में शहर की रोज़ाना होने वाली पानी की मांग को पूरा करने के लिए भूजल को रिचार्ज करके और री-साइकल किए गए पानी को पुनर्चक्रित करके पानी की आपूर्ति के लिए शुरू की गई थी।

नीट-पीजी काउंसलिंग के मुद्दे पर आंदोलन एक सप्ताह के लिए स्थगित: एफओआरडीए

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। नीट-पीजी 2021 की काउंसलिंग में विलंब को लेकर 27 नवंबर से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रहे रेजीडेंट डॉक्टरों के संगठन फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (एफओआरडीए) ने बृहस्पतिवार को कहा कि आंदोलन को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है।

एफओआरडीए की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि इस मुद्दे के संबंध में पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम और बुधवार को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और अन्य के निधन के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया।

बयान में कहा गया कि एफओआरडीए ने बृहस्पतिवार को राज्य के आरडीए (रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन) के साथ डिजिटल माध्यम से बैठक कर प्रदर्शन को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया।

बयान में कहा गया, हम देश के उन सभी रेजिडेंट डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जो आगे आकर आंदोलन में शामिल हुए।

हम तत्काल प्रभाव से सभी सेवाएं बहाल कर रहे हैं। बयान में कहा गया, अगर 16 दिसंबर 2021 तक मुद्दा नहीं सुलझाया गया तो हमें स्वास्थ्य संस्थानों में कोविड प्रभावित इलाकों को छोड़कर सभी सेवाओं को पूरी तरह से बंद करने का आह्वान करने पर मजबूर होना पडेगा।

एफओआरडीए अध्यक्ष डॉ मनीष ने दावा किया कि सभी आरडीए इस निर्णय से सहमत हैं लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा संचालित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ आकाश यादव ने कहा, एमएएमसी आरडीए ने अभी तक इस पर निर्णय नहीं लिया है।

एमएएमसी रेजिडेंट डॉक्टरों ने बृहस्पतिवार सुबह से सभी नियमित और आपातकालीन सेवाओं का बहिष्कार किया है जिसके कारण उससे संबद्ध तीन अस्पतालों में मरीजों की देखभाल प्रभावित हुई है।

एमएएमसी से लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल, जी बी पंत अस्पताल और गुरु नानक नेत्र केंद्र संबद्ध हैं। इस बीच सफदरजंग अस्पताल आरडीए के महासचिव डॉ अनुज अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को कहा, विरोध प्रदर्शन को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने के एफओआरडीए के निर्णय का हम समर्थन करते हैं और उम्मीद करते हैं कि सुलह की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार हस्तक्षेप करेगी।

अन्य अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन का रुख अभी पता नहीं चल पाया है।

दिल्ली की अदालत ने कुतुब मीनार परिसर के अंदर देवताओं की पूजा शुरू करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज की

विधि संवाददाता

नई दिल्ली। अयोध्या भूमि विवाद मामले में फैसले का जिक्र करते हुए दिल्ली की एक अदालत ने कुतुब मीनार परिसर में हिंदू और जैन देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा करने और पूजा के अधिकार के लिए एक दीवानी वाद खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि वर्तमान और भविष्य में शांति भंग करने के लिए पिछली गलतियों को आधार नहीं बनाया जा सकता है।

जैन देवता तीर्थंकर भगवान ठुषभ देव और हिंदू देवता भगवान विष्णु की ओर से दायर मुकदमे में दावा किया गया कि मोहम्मद गौरी की सेना में जनरल रहे कुतुबदीन ऐबक ने 27 मंदिरों को आंशिक रूप से ध्वस्त कर उनकी सामग्री का पुन: उपयोग करके परिसर के अंदर कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद का निर्माण कराया था।

यह वाद खारिज करते हुए दीवानी न्यायाधीश नेहा शर्मा ने कहा, भारत का सांस्कृतिक रूप से समृद्ध इतिहास रहा है। इस पर कई राजवंशों का शासन रहा है। सुनवाई के दौरान वादी के वकील ने जोर देकर इसे राष्ट्रीय शर्म बताया। हालांकि, किसी ने भी इस बात से इनकार नहीं किया कि अतीत में गलतियां की गई थीं, लेकिन इस तरह की गलतियां हमारे वर्तमान और भविष्य की शांति को भंग करने का आधार नहीं हो सकती हैं।

न्यायाधीश ने कहा, हमारे देश का एक समृद्ध इतिहास रहा है और इसने चुनौतीपूर्ण समय देखा है। फिर भी, इतिहास को समग्र रूप से स्वीकार करना होगा। क्या हमारे इतिहास से अच्छे हिस्से को बरकरार रखा जा सकता है और बुरे हिस्से को मिटाया जा सकता है?

किसान आंदोलन स्थगित होने के संबंध में सिंघू के स्थानीय लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। किसान संघों की पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से चल रहा आंदोलन स्थगित करने की घोषणा पर सिंघू बॉर्डर के आसपास के स्थानीय लोगों और व्यापारियों की मिलीजुली प्रतिक्रिया है। एक ओर जहां छोटे व्यापारियों, किराना दुकानदारों को अपने ग्राहक कम होने का डर है तो वहीं अन्य लोग उम्मीद कर रहे हैं कि अब यातायात की दिक्कत नहीं होगी।

हजारों की संख्या में किसान, खासतौर से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के. . केन्द्र के तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग को लेकर 26 नवंबर, 2020 से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे थे। हरियाणा के सोनीपत में रहने वाले विजय हुडा (28) ने बताया कि उनकी मां को सडक़ें बंद होने के कारण बहुत परेशानी हुई थी, क्योंकि उन्हें और ज्यादा दूर तक यात्रा करनी पडती थी। उन्होंने कहा, मेरी मां हैदरपुर (दिल्ली) में काम करती है और रोजाना अपने काम के लिए 50 किलोमीटर की यात्रा करती है। सुबह उनके लिए जाना आसान होता है क्योंकि वह ट्रेन से जाती है। लेकिन दोपहर दो बजे कार्यालय से निकलने के बाद सोनीपत से वापसी के लिए कोई ट्रेन सेवा नहीं है। इसके कारण, उन्हें तीन घंटों में चार वाहन बदलने पडते थे और 50 किलोमीटर वापस आना पडता था। सार्वजनिक परिवहन का किराया भी दोगुना हो गया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने बृहस्पतिवार को अपनी घोषणा में कहा कि किसान 11 दिसंबर को घर लौट जाएंगे।

किसान नेताओं ने कहा कि सरकार ने उनकी मांगें पूरी की हैं या नहीं यह देखने के लिए उनकी बैठक 15 जनवरी को होगी। सिंघू बॉर्डर पर प्रदर्शनस्थल पर चाय बेचने वाले रविन्द्र कुमार ने बताया कि किसानों के यहां एकत्र होने के बाद से उनका धंधा बढ़ गया था। उन्होंने बताया, यह राजमार्ग है और यहां ज्यादा लोग नहीं रुकते हैं। पहले मेरा काम सीमित था। मै सर्विस लेन में छोटी सी चाय की दुकान चलाता हूं। किसानों के यहां आने के बाद मेरा काम बढ़ गया है। उन्होंने कहा, लोग यहां आते हैं, चाय और अन्य चीजें खरीदते हैं। कभी-कभी हमें प्रदर्शनकारियों की ओर से खाना-पीना भी मिल जाता है। सिंघू गांव के निवासी और स्नातक की पढ़ाई कर रहे संदीप राठी का कहना है कि स्थानीय लोगों को प्रदर्शन कर रहे किसानों से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वह चाहते है कि यातायात सामान्य हो जाए। राठी ने कहा, हमें किसानों से कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन सडक़ें बंद होना परेशानी का कारण है। ग्रामीण वैकल्पिक सडकों का उपयोग कर रहे है, जिस कारण सर्विस रोड पर यातायात का भार बढ़ गया है।

प्रदर्शनस्थल घर की तरह थे, जीवन भर याद रहेंगे : किसानों ने कहा

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली के तीन सीमा स्थलों पर तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल से अधिक समय तक आंदोलन करने वाले कई किसानों ने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा कि प्रदर्शनस्थल घर की तरह थे और उन्हें ये दिन जीवनभर याद रहेंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने घोषणा की है कि हजारों प्रदर्शनकारी 11 दिसंबर से विरोध स्थलों को खाली करना शुरू कर देंगे। इस घोषणा के बाद पटियाला के रहने वाले लगभग 65 वर्षीय अमरीक सिंह ने कहा कि उन्होंने सिंघू बॉर्डर पर अपने तम्बू में घर जैसा महसूस किया और इसे छोडऩे की बात सोचकर लग रहा कि कुछ छूट रहा है। उन्होंने कहा, मुझे यह सब पीछे छोडऩे और संघर्ष की उन सभी यादों, खुशी के पल और दोस्तों को छोडऩे का मन नहीं करता है। पिछले साल 26 नवंबर से किसानों ने दिल्ली के सीमावर्ती स्थल -सिंघू, गाजीपुर और टीकरी में राजमार्गों की घेराबंदी कर दी थी और अपने रहने का इंतजाम कर लिया था। लुधियाना के एक किसान सौदागर सिंह ने सालभर के विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपने संघर्षों को याद करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शनस्थल पर उन्हें कई नए दोस्त मिले। उन्होंने कहा, हमने सोचा था कि सरकार हमारी नहीं सुनेगी और हमें यहीं रहना होगा। लेकिन आखिरकार हम जीत गए और कृषि कानून निरस्त हो गए। अब घर जाने का समय है और हमें अब अजीब लग रहा है।

जैन धर्मशाला को निगम ने फिर किया सील

नई दिल्ली, (वीअ)। शाहदरा उत्तरी निगम के भवन विभाग ने वीरवार को बाबरपुर इलाके में राठी मिल स्थित जैन धर्मशाला को फिर सील कर दिया है जिसकी सील पिछले दिनों तोड़ दी गई थी । महत्वपूर्ण बात यह रही कि आज निगम को पुलिस फोर्स ना मिलने के बावजूद निगम उपायुक्त संजीव मिश्रा ने अपनी शक्ति दिखाते हुए अपने स्टाफ से उसे सील करा अपने सख्त रवैये को दर्शाया है। उपायुक्त संजीव मिश्रा ने कहा कि हम लोगों को चेतावनी देना चाहते हैं ।जो सील तोड़ने को हल्के में लेते हैं इस तरह लोगों और इस तरह की संपत्ति को बक्शा नहीं जाएगा ।क्योंकि जब निगम किसी संपत्ति को सील करता है, तो उससे पहले संपत्ति मालिक को अपनी बात रखने का पुरा मौका दिया जाता है। इसके बाद जब संपत्ति सील हो जाती है उस पर छेड़छाड़ अपराध है श्री मिश्रा ने कहा कि धर्मशाला को पूरी तरह नियमों के तहत 28 अक्टूबर को सील किया गया था, लेकिन बाद में पता चला कि इस संपत्ति की सील तोड़ी गई सील टूटने की जिम्मेवारी धर्मशाला मालिक ने हमें नहीं दी थी ।इसलिए उसके खिलाफ हमने पुलिस को एफआईआर करने के लिए लिखा है। वह हम चेतावनी दे रहे हैं यदि फिर से कोई छेड़छाड़ हुई तो कोई भी बख्शा नहीं जाएगा।

कांग्रेस की रैली के लिए सेवादल भी तैयार : सुनील कुमार

कांग्रेस सेवादल पदाधिकारियों की बैठक लेते सुनील कुमार।

नई दिल्ली (वीर अर्जुन) : अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल जी देसाई के आदेश अनुसार दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष सुनील कुमार ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारियों की मीटिंग ली और उसमें आव्हान किया कि जयपुर में होने वाली महंगाई के खिलाफ महारैली के अंदर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारी अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और रैली की सफलता में हिस्सेदारी निभाए दिल्ली से सेवा दल के सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ता जयपुर रैली में भाग लेंगे मीटिंग में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष सुनील कुमार और दिल्ली प्रदेश के महासचिव मदन मोहन भटनागर प्रदीप सेन प्रदेश पदाधिकारी भूषण गोयल राजस्थान महेश शर्मा चौधरी विजेंद्र सिंह राजेश अग्निहोत्री अरुण चौधरी श्री गौरव धीर श्री मुमताज अहमद सिर्फ श्रीमती विद्या शर्मा सावित्री देवी श्रीमती सुनीता शर्मा एवं आदि ने भाग लिया।

वहीं अध्यक्ष सुनील कुमार और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के महासचिव मदन मोहन भटनागर ने जयपुर में हो रही महंगाई के खिलाफ महारैली में सेवादल के साथियों को जाने के विषय में करावल नगर जिले की मीटिंग बुलाई और लोगों से अपील की कि रैली के अंदर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे और झूठी केंद्र सरकार की पोल खोलने का काम करें।

केजरीवाल ने सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को बृहस्पतिवार को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। सोनिया गांधी बृहस्पतिवार को 75 वर्ष की हो गईं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, सोनिया गांधी जी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं उनकी दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य नेताओं ने भी गांधी को उनके जन्मदिन की बधाई दी।

आराध्य संस्था ने लाभार्थियों में वितरण किए प्रमाण पत्र

नई दिल्ली, (वीअ)। टाटा पावर-डी डी एल के सौजन्य से आराध्य संस्था में चलाए जा रहे प्रोजेक्ट के अन्तर्गत महिला शिक्षा केन्द्र की महिलाओं और व्यावसायिक प्रशिक्षण के विद्यार्थियों में प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। टाटा पावर के सोशल इनोवेशन ग्रुप के पदाधिकारियों में पूनम भाटिया (मेनेजर) और अंजलि लाल (मेनेजर) उपस्थित रही।

आखों की निशुल्क जांच का कैम्प

नई दिल्ली, (वीर अर्जुन) मंडावली की निगम पार्षद शशि चाँदनां ने भारत विकास परिषद इंद्रप्रस्थ शाखा के सहयोग से निगम पार्षद कार्यालय आयोजित किया। कैम्प प्रात: 9:00 बजे प्रारम्भ हो गया।यहाँ पर हर वर्ग के लोगो ने, महिलाओं और वरिष्ठ लोगो ने अपने आँखों की मशीनों द्वारा जांच कराई। इस मे काले मोतिया और सफेद मोतिया भी कुछ लोगो मे जांच के दौरान पाया गया। लगभग 10 लोगो को डॉक्टरों द्वारा ऑपरेशन की भी सलाह दी गई। चश्मो की वितरण भी किया गया। नर सेवा नारायण सेवा ही ही मेरा प्रमुख उद्देश्य है ऐसा इस अवसर पर निगमपार्षद शशि चाँदनां ने कहा। इस सेवा कार्य मे आरडब्ल्यूए के लोगो ने पूरा पूरा सहयोग किया। मंडावली निवासियों ने निगम पार्षद का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।

निगम स्कूलों के लिए अलग-अलग वेबसाइट बनाई

नई दिल्ली, (वीर अर्जुन) : पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने मैनेजमेंट इंफोर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) लैब के तहत सभी निगम स्कूलों की अलग-अलग वेबसाइट तैयार की गई है। निगम स्कल की वेबसाइट पर ऑनलाइन टीचिंग, छात्रों व कर्मचारियों का ब्यौरा और स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित सभी जानकारियां मौजूद हैं। कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन माध्यम से इन स्कूलों की वेबसाइट पर विजिट कर सकता है और संबंधित जानकारी हासिल कर सकता है। स्कूल से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी वेबसाइट पर अपडेट की जा रही है। एमआईएस लैब के तहत, पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा भी प्रदान की जा रही है। इसके लिए स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों को आईडी उपलब्ध कराई गई है। साथ ही ऑनलाइन क्लास की रिकार्डिंग भी हो रही है ताकि बच्चें उन कक्षाओं को भविष्य में भी दोबारा देख सकें। साथ ही, ऑनलाइन कक्षाओं के लिए अतिरिक्त फीचर्स भी जोड़े गए हैं। ऑनलाइन कक्षाओं की अवधि की निगरानी व जुड़ने वाले छात्रों का आंकड़ा भी जमा किया जा रहा है। एमआईएस टीम द्वारा ऑनलाइन शिक्षण के लिए लिंक तैयार करना, आंकड़े जमा करना और अन्य रिपोर्ट जरूरी फॉर्मेट में तैयार की जा रही है। इसके अलावा डायरेक्ट बेनेटफिट ट्रांसफर (डीबीटी), ऑनलाइन टीचिंग रिपोर्ट, किताबों की मांग, मूल्यांकन रिपोर्ट आदि भी तैयार की जा रही है। साथ ही एमआईएस लैब निगम शिक्षकों को डिजिटलीकरण के लिए भी दक्ष करने का कार्य कर रहा है।

कांग्रेस के बनाए स्कूलों की लिस्ट जारी कर रहे हैं सिसोदिया : परमानन्द शर्मा

परमानन्द शर्मा

नई दिल्ली, (वीर अर्जुन)। रोहताश नगर विधानसभा के तहत राम नगर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष परमानन्द शर्मा ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने शिक्षा को निचले पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है। जहां एक ओर कांग्रेस शासन की तुलना में सरकारी स्कूलों में छात्रों की भारी कमी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर नवीं और दसवीं कक्षा के गरीब छात्रों को आगे बढ़ने का अधिकार केजरीवाल सरकार छीनकर उन्हें स्कूलों बाहर का रास्ता दिखाकर उनका भविष्य अंधकार में डाल दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में दिल्ली के शिक्षा मॉडल की बात करने वाले अरविन्द केजरीवाल क्या यह बता सकते है कि उन्होंने 7 साल वर्षों के कार्यकाल दिल्ली में कितने नए स्कूल बनवाऐं हैं। परमानन्द शर्मा ने शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा 250 स्कूलों की लिस्ट जारी करने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों के जिस इन्फ्रास्ट्रक्चर को वर्ल्ड क्लास बनाने और शिक्षा मॉडल की बात कह रहे है, क्या वो यह नही जानते कि ये स्कूल कांग्रेस की सरकार ने बनवाऐ थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्वालिटी की बात करने वाले सिसोदिया आखिर सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की क्षमता को पूरी क्यों नही करते। क्योंकि दिल्ली सरकार के स्कूलों में 69 प्रतिशत 732 प्रीसिपल, 26 प्रतिशत वाईस प्रीसिपल और 41.62 प्रतिशत 30427 अध्यापकों, और 4.79 प्रतिशत 4332 नान टीचिंग स्टॉफ के पद खाली है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व घोषणा पत्र में आम आदमी पार्टी ने अनुबंधित शिक्षकों को स्थाई करने का वायदा किया था परंतु 7 वर्षों में उन्हें स्थाई करने की बजाय कोविड महामारी लॉकडाउन के दौरान उन्हें घर पर बैठा दिया। परमानन्द शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार की गलत शिक्षा नीति के चलते 2013-2014 के बाद सरकारी स्कूलों में 1.25 लाख छात्रों में कमी आई है जबकि इसी दौरान प्राईवेट स्कूलों में 3.3 लाख छात्रा की बढ़ौत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि कांग्रेस के कार्यकाल में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या 16.10 लाख थी, जबकि 2019-20 में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या 15.19 लाख रह गई है, कम होने छात्रों में अधिकतम गरीब, मजदूर और निम्न वर्ग के छात्र थे।

फिटनेस सर्टिफिकेट के नाम पर हो रही है अधिक वसूली, एलजी को लिखा खत

संजीव शर्मा, किसान

नई दिल्ली, (वीर अर्जुन) । सुपर वेलफेयर काउंसिल आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष संजीव शर्मा किसान ने एनुअल मेंटेनेंस चार्ज (फिटनेस सर्टिफिकेट) और स्पीड लिमिट डिवाइस सर्टिफिकेट के नाम पर दिल्ली सरकार के निर्देश का उल्लंघन करने वालों और पैसों की नाजायज वसूली करने वाले निजी विक्रेताओं के खिलाफ उपराज्यपाल को शिकायत पत्र लिखा है । उपराज्यपाल को लिखे शिकायत पत्र में संजीव शर्मा ने कहा की दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ट्रांसपोर्ट आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष राजिंदर सिंह रोमी ने बताया की दिल्ली सरकार के द्वारा यह सख्त निर्देश दिए गए है की वाहनों के एनुअल मेंटेनेंस चार्ज (फिटनेस सर्टिफिकेट) के लिए 300 रुपए चार्ज किए जाएंगे जो 2 साल तक के लिए मान्य होता है और स्पीड लिमिट डिवाइस सर्टिफिकेट के लिए कोई भी विक्रेता 500 रुपए से ज्यादा चार्ज नहीं करेगा लेकिन दिल्ली सरकार के द्वारा निर्देश देने के बावजूद निजी विक्रेता वाहन चालकों से फिटनेस सर्टिफिकेट और स्पीड लिमिट डिवाइस सर्टिफिकेट देने के लिए 2500 रुपए तक वसूल रहे है जो की न सिर्फ नाजायज है बल्कि दंडनीय अपराध भी है।

बिपिन रावत के निधन से राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति : अनिल आर्य

नई दिल्ली, (वीअ)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में संस्कृति और स्वास्थ्य विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया । यह कॅरोना काल में 325 वा वेबिनार था।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सी डी एस विपिन रावत के निधन से राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति हुई है । उन्होंने सेना में नयी ऊर्जा व उत्साह का संचार किया व सेना का नवीनीकरण किया । उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। समस्त राष्ट्र आज दु:खी व असहाय महसूस कर रहा है । हजारों साल तक नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती है, बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा डॉ. सुषमा आर्या ने कहा कि व्यक्ति के खानपान रहन सहन से उसकी संस्कृति झलकती है । आयुर्वेद के अनुसार सात प्रकार के रोग माने गए हैं- मौसम परिवर्तन के कारण लू लगना, जुकाम, नजला, खांसी आदि दैववबलज- जैसे बाढ़ अकाल, प्राकृतिक आपदा आदि। स्वभाव बलज- जैसे भूख प्यास, अपचन ,क्रोध इत्यादि संघात बलज- चोट लगने पर, कीट पतंगे के काटने पर बीमार होना आदि इन सब का इलाज आयुर्वेद में निश्चित रूप से

संभव है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में नाभि मस्तिष्क से भी अधिक महत्वपूर्ण है नाभि शरीर का प्रथम दिमाग है नाभि में तेल डालकर। बीमारियों का उपचार संभव है सोने से पहले यदि एरेंड का तेल नाभि में दिया जाए तो मोटापा, जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है । पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नाभि पर सरसों का तेल लगाने से फायदा होता है नारियल का तेल लगाने से और जैतून का तेल लगाने से प्रजनन क्षमता बढ़ती है। गाय का घी नाभि में लगाने से आंखों का सूखापन ठीक होता है। नीम का तेल लगाने से त्वचा संबंधी रोग ठीक होते हैं। बदलते मौसम में अर्जुन की छाल का पाउडर का दूध में उबालकर सेवन करना उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है आंवला कैंडी खट्टी मीठी दोनों ही घर में बनाई जा सकती हैं और वह इम्यून सिस्टम को ठीक करती हैं सर्दियों में बालों के झड़ने को रोकने के लिए घर में ही सुंदर तेल बनाया जा सकता है 100 ग्राम सरसों का तेल ,50 ग्राम नारियल का तेल दोनों को मिला दिया जाता हैऔर मेथी के बीज का पाउडर आधा चम्मच और कड़ी के पत्ते दो चम्मच पाउडर उस तेल में मिलाकर कांच की बोतल में भरकर 5 दिन तक बाहर रखने से औषध तेल तैयार हो जाएगा जिसमें धूप और शाम दोनों मिलते रहेंगे,चेहरे की खुश्की को हटाने के लिए मलाई और शक्कर इत्यादि का प्रयोग किया जा सकता है ।

आर्य नेत्री अंजू बजाज व डॉ. रचना चावला ने शाकाहार अपनाने पर जोर दिया । मांसाहार हमारी संस्कृति का अंग नहीं है । गायक रविंदर गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग,रजनी चुघ,कमला हंस,प्रेम हंस,प्रतिभा कटारिया, के एल मल्होत्रा, कुसुम भंडारी, राजेश मेहंदीरत्ता, आदि ने गीत सुनाये ।

दिल्ली की रोहिणी अदालत में विस्फोट, एक व्यक्ति घायल

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली में रोहिणी जिला अदालत में अदालत कक्ष 102 के भीतर बृहस्पतिवार सुबह विस्फोट होने से एक व्यक्ति घायल हो गया। दमकल अधिकारियों ने यह जानकारी दी।दिल्ली पुलिस के जन संपर्क अधिकारी के अनुसार, ऐसी आशंका है कि एक लैपटॉप बैग में विस्फोट हुआ। यह विस्फोट पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे हुआ। उन्होंने कहा, घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गयी है। फॉरेंसिक और एनएसजी के दल निरीक्षण और जांच कर रहे हैं। अदालत में कार्यवाही निलंबित कर दी गयी है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि उन्हें पूर्वाह्न 10 बजकर 40 मिनट पर विस्फोट की जानकारी मिली जिसके बाद घटनास्थल पर सात अग्निशमन गाड़ियां भेजी गईं।

विस्फोट स्थल पर फैला मलबा। (छाया : एएनआई)

यह घटना तब हुई जब कुछ महीने पहले 24 सितंबर को रोहिणी अदालत में वकील की वेशभूषा में आए दो लोगों ने गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस की जवाबी कार्वाई में दोनों हमलावर भी मारे गए थे जो गैंगस्टर गोगी के दुश्मन टिल्लू गिरोह के सदस्य थे।

जामिया में हुई हिंसा के मामले में शरजील इमाम को जमानत मिली

नई दिल्ली, (विसं)। दिल्ली की एक अदालत ने दिसंबर 2019 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में हुई कथित हिंसा से संबंधित मामले में बृहस्पतिवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्र शरजील इमाम को जमानत दे दी।

मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार ने उसे 25 हजार रुपये के मुचलके और इतनी ही जमानत राशि पर जमानत प्रदान की। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, अपराध की प्रकृति और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुएं जमानतु आवेदन को मंजूर किया जाता है कि उसे जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया था।

दिसंबर 2019 में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम यानी सीएए के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय में हिंसा की घटना हुई थी। हालांकि इमाम को फिलहाल जेल में ही रहना होगा क्योंकि वह दिल्ली में हुई हिंसा से जुडे तीन अन्य मामलों में आरोपी है। अक्टूबर में, अदालत ने 2019 में सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से भडक़ाऊ भाषण देने और हिंसा भडक़ाने के मामले में इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सांप्रदायिक सौहार्द और सद्भाव की कीमत पर स्वतंत्र भाषण के अधिकार का उपयोग नहीं किया जा सकता।

कैंसर की सही समय पर पहचान होने से इलाज संभव है : डॉ.अरोड़ा

गाजियाबाद, (वीअ)। भारत में सिर और गले का कैंसर खासकर ओरल एवं ओरोफेरिंजिल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और मामलों की संख्या में यह अन्य देशों से बहुत आगे निकल चुका है। विश्व में सिर और गले के कैंसर के कुल जितने मामले हैं उनसे भी ज्यादा भारत में हैं। उसमें भी बीमारू राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है जहां पान मसाले और तंबाकू के चलन के कारण सर्वाधिक 2.5 लाख कैंसर के मामले हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 59 वर्षीय मदनलाल के गले में दर्दनाक अल्सर था, जिस कारण उन्हें दो महीने से कुछ भी निगलने में दिक्कत हो रही थी। मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर वैशाली गाजियाबाद में डायग्नोसिस करने पर उनकी जीभ के निचले हिस्से में कैंसर का पता चला, तो यहां के डॉक्टरों ने बायोप्सी एमआरआई और पेट सीटी स्कैन जैसी सभी तरह की जांच से रोग के स्टेज का पता लगाया।

इस मरीज को ऑपरेशन के छठे दिन से खिलाया जाने लगा और बोलने तथा निगलने की क्षमता सुरक्षित रखते हुए एक सप्ताह के अंदर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मैक्स हॉस्पिटल वैशाली में हेड एंड नेक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के निदेशक डॉ.सौरभ कुमार अरोड़ा ने कहा श्रोबोट सहायता सर्जरी होने के कारण यह पद्धति

मरीज के साथ डॉ. अरोड़ा।

लक्षित हिस्से पर सर्वाधिक परिशुद्धता के साथ काम करती है और इसकी न्यूनतम शल्यक्रिया ओपन सर्जरी की संभावना से बचाती है। इस तरह के कैंसर के इलाज की शुरुआती पद्धतियों में कीमोथेरापी और रेडिएशन थेरापी करनी पड़ती थी, लेकिन शुरुआती चरण में यदि कैंसर पकड़ में नहीं आती तो मरीज के लिए ओपन सर्जरी ही अंतिम विकल्प रह जाता था। दुर्भाग्यवश टीओआरएस के ईजाद से पहले तक परंपरागत सर्जिकल पद्धति से जबड़ा बिगड़ जाता था, जिस कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी चेहरा विकृत हो जाता था।

दिल्ली में डम्पर के कार पर पलटने से दंपति की मौत, बेटी घायल

नई दिल्ली, (वीअ)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के आरके पुरम इलाके में बजरी ले जा रहे एक डम्पर के कार पर पलट जाने से कार सवार दंपति की मौत हो गई और उनकी नाबालिग बेटी घायल हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।यह दुर्घटना रिंग रोड पर रात करीब 12 बजे हुई। इस बारे में जानकारी मिलने के बाद पुलिस दुर्घटनास्थल पर पहुंची और तीन लोगों को कार में फंसा पाया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) गौरव शर्मा ने बताया कि अग्निशमन विभाग की एक टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया लेकिन भारी डम्पर को हटाया नहीं जा सका। इसके बाद एक क्रेन की मदद से घायलों को निकाला गया। मनीष शर्मा और उनकी पत्नी शिप्रा को एम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं उनकी छह साल की बेटी सुरक्षित है। डम्पर चालक घटनास्थल से फरार हो गया था। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आरोपी को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

तिहाड़ में अंकित गुर्जर की मौत : जेल में रंगदारी के पहलू की जांच जारी : सीबीआई

नई दिल्ली, (वीअ)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बृहस्पतिवार को बताया कि वह इस साल की शुरुआत में तिहाड ज़ेल में कैदी अंकित गुर्जर की मौत से भी आगे बढ़कर जांच कर रही है और इसमें अधिकारियों द्वारा जबरन वसूली के पहलू भी शामिल हैं।

सीबीआई ने न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता की एकल पीठ को सूचित किया कि मामले की जांच एक महत्वपूर्ण चरण में है और एक महीने के भीतर इसके पूरी हो जाने की संभावना है। न्यायमूर्ति गुप्ता ने ही मामले की जांच दिल्ली पुलिस से सीबीआई को हस्तांतरित की थी।

न्यायाधीश ने सीबीआई को एक सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया और जांच अधिकारी से कहा कि किसी भी गवाह को मिलने वाली धमकी के मामले में उपाय करें। गुज्जर (29) इस साल चार अगस्त को तिहाड ज़ेल में अपनी कोठरी में मृत पाया गया था। अदालत मृतक के परिवार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोप लगाया गया है कि उसकी मौत जेल अधिकारियों द्वारा पैसे की मांग को पूरा नहीं करने के कारण प्रताडति़ करने से हुई है। सीबीआई के वकील ने कहा कि 60 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं और एक सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अदालत की अनुमति मांगी गई है।

नोएडा में असल अभ्यर्थी की जगह अन्य से परीक्षा दिलवाने वाले गिरोह के चार सदस्य बंदी

नोएडा (उत्तर प्रदेश), (वीअ)। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर पुलिस ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की परीक्षा में असली अभ्यर्थी की जगह, दूसरे अभ्यर्थी को बैठाकर परीक्षा दिलवाने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा ने बताया कि थाना सेक्टर 58 पुलिस ने एक सूचना के आधार पर सेक्टर 62 के पास से राघवेंद्र, विकास कुमार, संजय कुमार तथा अनीश चाहर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनका एक साथी रिंकू यादव फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

गौतम बुद्ध नगर में प्रस्तावित फिल्म सिटी को लेकर 20 कंपनियों ने जताई रुचि

नोएडा (वीअ) उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 21 में प्रस्तावित फिल्म सिटी बनाने को लेकर 20 बड़ी कंपनियों ने रूचि जतायी है। आधिकारिक बयान के अनुसार बुधवार को यमुना विकास प्राधिकरण में फिल्म सिटी के लिए बोली पूर्व बैठक हुई। इसमें फिल्म निर्माता एकता कपूर की कंपनी बालाजी टेलिफिल्म और निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की कंपनी समेत कई अन्य कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे।

यमुना विकास प्राधिकरण ने कंपनियों से 10 दिसंबर तक अपनी शिकायतों व सवालों को देने के लिए कहा है। इन शिकायतों व सवालों का जवाब शासन स्तर पर बनी समिति देगी। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुण वीर सिंह ने कहा कि यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 21 में फिल्म सिटी प्रस्तावित है। इसके लिए।,000 एकड़ जमीन आरक्षित की गई है। उन्होंने बताया कि 220 एकड़ जमीन व्यवसायिक उपयोग की होगी। फिल्म सिटी के लिए 23 नवंबर को वैश्विक निविदा निकाली गई थी। अधिकारी ने बताया कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर विकसित होने वाली फिल्म सिटी के लिए आयोजित बैठक में देश-विदेश की 20 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कंपनियों के सवालों के जवाब प्राधिकरण अधिकारियों ने दिए।

MUTHOOT FINCORP LTD. | सोने की नीलामी सूचना

Regd. Office: Muthoot Centre, TC No 14/2074 - 7, Punnen Road, Trivandrum, Kerala - 695 039, CIN : U65929KL1997PLC011518, Ph: +91 471 4911400, 2331427

सभी सम्बद्ध व्यक्तियों की सूचना के लिए एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि 28.02.2021 & MSGL, SPL-16, One plus, Guide Prepaid, Super value, ADGL and all other 6 months tenure Gold loans up to 31.05.2021 and MSGB & EMI due up to 30.11.2021 तक की अवधि के लिए कम्पनी की नीचे कथित शाखाओं में गिरवी रखे सोने के गहनें जिन्हें छुड़ाने का समय बीत चुका है तथा जिन्हें बार–बार सूचना दिए जाने पर भी अब तक छुड़ाया नहीं गया है उनकी नीलामी 20.12.2021 & 21.12.2021 को 10.00 बजे से शुरु कर दी जाएगी।

Auction Date: 20.12.2021 - BADARPUR-BANKEY MARKET: F23701, F24158, F25092, F25262, F25386, F25411, F25434, F25551, F25662, F25805, F25844, F25850, F26004, F26108, F26113, F26140, F26159, F26164, F26175, F26192, F26208, F26217, F26237, F26309, F26314, F26391, F26435, F26442, F26447, F26450, F26492, F26547, F26594, F26788, F26833, F26897, F26918, F26919, F26991, F26997, F26998, F27003, F27050, F27102, F27113, F27129, F27199, F27207, F27253, F27282, F27298, F27323, F27325, F27334, F27372, F27453, F27487, F27488, F27493, F27499, F27502, F27507, F27558, F27584, F27586, F27621, F27637, F27674, F27687, F27700, F27707, F27710, F27722, F27731, F27745, F27757, F27758, F27763, F27768, F27775, F27785, F27787, F27802, F27823, F27836, F27858, F27860, F27862, F27886, F27889, F27909, F27939, F27944, F27971, F27984, F27986, F27991, F28012, F28015, F28017, F28025, F28028, F28034, F28051, F28054, F28075, F28086, F28088, F28099, F28125, F28132, F28136, F28141, F28149, F28150, F28152, F28158, F28179, F28187, F28188, F28190, F28222, F28244, F28253, F28257, F28260, F28270, F28273, F28281, F28282, F28283, F28284, F28289, F28291, F28292, F28296, F28301, F28335, F28337, F28338, F28342, F28352, F28353, F28370, F28375, F28388, F28394, F28402, F28403, F28405, F28432, F28433, F28442, F28447, F28457, F28477, F28478, F28482, F28483, F28487, F28492, F28494, F28502, F28507, F28508, F28521, F28532, F28534, F28554, F28563, F28571, F28574, F28585, F28590, F28591, F28600, F28607, F28616, F28619, F28623, F28625, F28628, F28639, F28641, F28661, F28666, F28671, F28672, F28673, F28679, F28681, F28682, F28690, F28695, F28709, F28710, F28720, F28721, F28725, F28727, F28735, F28748, F28751, F28755, F28758, F28768, F28769, F28780, F28788, F28801, F28818, F28827, F28835, F28845, F28846, F28847, F28848, F28854, F28860, F28861, F28875, F28893, F28904, F28912, F28914, F28933, F28945, F28949, F28950, F28951, F28952, F28963, F28965, F28983, F28984, F28987, F28993, F28997, F29001, F29003, F29009, F29012, F29020, F29032, F29033, F29043, F29050, F29062, F29066, F29083, F29103, F29107, F29108, F29110, F29118, F29123, F29124, F29129, F29130, F29131, F29137, F29151, F29153, F29162, F29167, F29172, F29175, F29179, F29181, F29188, F29190, F29191, F29196, F29201, F29204, F29213, F29219, F29222, F29224, F29225, F29236, F29257, F29258, F29259, F29266, F29278, F29285, F29292, F29294, F29304, F29306, F29313, F29326, F29333, F29335, F29340, F29349, F29356, F29364, F29365, F29374, F29376, F29381, F29382, F29387, F29392, F29394, F29396, F29405, F29409, F29411, F29423, F29424, F29436, F29437, F29438, F29443, F29451, F29454, F29455, F29456, F29457, F29464, F29466, F29468, F29482, F29496, F29499, F29500, F29502, F29503, F29507, F29511, F29515, F29521, F29524, F29528, F29529, F29537, F29538, F29544, F29545, F29546, F29549, F29550, F29557, F29562, F29564, GL/ADGL/BDBM/2, GL/ADGL/BDBM/4, GL/ADGL/BDBM/5. **BADARPUR-NEW DELHI:** F33874, F46112, F46846, F46947, F46985, F47044, F47143, F47324, F47672, F47707, F47793, F47863, F47925, F47932, F47953, F47997, F48025, F48094, F48110, F48203, F48262, F48323, F48456, F48502, F48516, F48539, F48540, F48541, F48562, F48607, F48615, F48655, F48660, F48767, F48830, F48851, F48862, F48900, F48950, F49089, F49094, F49114, F49153, F49216, F49238, F49241, F49249, F49273, F49296, F49300, F49319, F49330, F49346, F49367, F49368, F49416, F49536, F49593, F49646, F49700, F49808, F49824, F49834, F49858, F49914, F49919, F49941, F49961, F49981, F49984, F49995, F50008, F50028, [illegible]

[illegible] F27531, F27538, F27543, F27548, F27554, F27555, F27561, F27571, F27576, F27577, F27579, F27581, F27582, F27590, F27591, F27597, F27600, GL/NPLE/569. **NEW DELHI-BHOGAL ROAD:** F13599, F13616, F13626, F13917, F13924, F13926, F13972, F14002, F14003, F14024, F14061, F14087, F14097, F14157, F14179, F14210, F14233, F14238, F14286, F14293, F14309, F14316, F14337, F14347, F14350, F14366, F14467, F14474, F14503, F14607, F14624, F14653, F14654, F14687, F14697, F14718, F14760, F14768, F14800, F14802, F14807, F14828, F14882, F14957, F14960, F14967, F14994, F14996, F15011, F15027, F15029, F15037, F15041, F15043, F15059, F15066, F15070, F15089, F15090, F15091, F15093, F15094, F15099, F15101, F15114, F15135, F15148, F15159, F15172, F15190, F15192, F15210, F15214, F15221, F15223, F15229, F15253, F15256, F15258, F15259, F15266, F15268, F15275, F15277, F15279, F15281, F15301, F15306, F15315, F15320, F15336, F15337, F15338, F15341, F15342, F15344, F15348, F15363, F15364, F15369, F15373, F15391, F15411, F15412, F15413, F15429, F15430, F15431, F15450, F15469, F15481, F15486, F15504, F15524, F15525, F15542, F15547, F15559, F15562, F15582, F15583, F15585, F15597, F15599, F15600, F15606, F15614, F15635, F15649, F15650, F15651, F15657, F15659, F15660, F15666, F15667, F15681, F15689, F15699, F15701, F15709, F15715, F15716, F15717, F15729, F15741, F15742, F15754, F15765, F15775, F15776, F15778, F15780, F15812, F15824, F15825, F15832, F15839, F15840, F15842, F15848, F15866, F15895, F15904, F15921, F15928, F15932, F15935, F15943, F15944, F15957, F15969, F15972, F5086, GL/ADGL/DLBR/1. **SANT NAGAR-NEW DELHI:** F12270, F12618, F12674, F12823, F12894, F12970, F13049, F13095, F13150, F13164, F13243, F13272, F13295, F13307, F13309, F13356, F13358, F13394, F13414, F13415, F13442, F13464, F13498, F13507, F13531, F13574, F13591, F13642, F13700, F13726, F13758, F13808, F13812, F13848, F13862, F13871, F13891, F13903, F13906, F13914, F13919, F13926, F13927, F13931, F13936, F13969, F14016, F14024, F14041, F14063, F14083, F14117, F14139, F14179, F14187, F14195, F14210, F14211, F14218, F14230, F14231, F14232, F14258, F14271, F14283, F14291, F14292, F14305, F14313, F14332, F14336, F14344, F14359, F14366, F14367, F14369, F14371, F14376, F14384, F14394, F14395, F14407, F14425, F14451, F14457, F14472, F14473, F14474, F14477, F14484, F14485, F14486, F14487, F14488, F14493, F14500, F14511, F14512, F14550, F14582, F14620, F14639, F14643, F14645, F14652, F14656, F14661, F14666, F14668, F14675, F14682, F14683, F14684, F14688, F14690, F14692, F14702, F14703, F14710, F14712, F14715, F14734, F14736, F14745, F14749, F14751, F14771, F14779, F14781, F14788, F14790, F14794, F14796, F14810, F14811, F14817, F14819, F14826, F14831, F14832, F14833, F14836, F14837, F14853, F14860, F14862, F14874, F14877, F14880, F14898, F14899, F14901, F14911, F14913, F14914, F14923, F14934, F14954, F14955, F14981, F14995, F15002, F15010, F15011, F15023, F15038, F15044, F15048, F15071, F15086, F15100, F15108, F15110, F15111, F15118, F15120, F15121, F15129, F15130, F15137, F15143, F15144, F15149, F15151, F15157, F15163, F15165, F15173, F15177, F15193, F15204, F15208, F15212, F15213, F15215, F15216, F15228, F15233, F15243, F15250, F15251, F15252, F15263, F15267, F15268, F15269, F15276, F15280, F15288, F15290, F15292, F15298, F15315, F15318, F15324, F15326, F15336, F15339, F15340, F15344, F15345, F15348, F15351, F15357, F15363. **TUGLAKABAD EXTENSION:** F20295, F23464, F23825, F24369, F24660, F24669, F24738, F24747, F24791, F24832, F24904, F24972, F25010, F25029, F25066, F25076, F25103, F25119, F25132, F25156, F25189, F25196, F25203, F25217, F25218, F25236, F25260, F25264, F25300, F25315, F25329, F25353, F25387, F25395, F25414, F25436, F25471, F25472, F25476, F25513, F25516, F25528, F25534, F25539, F25544, F25548, F25571, F25573, F25637, F25651, F25656, F25669, F25672, F25682, F25692, F25699, F25701, F25709, F25725, F25749, F25757, F25768, F25775, F25798, F25825, F25829, F25832, F25855, F25860, F25867, F25881, F25898, F25915, F25923, F25937, F25940, F25950, F25953, F25971, F25980, F25991, F26003, F26026, F26029, F26034, F26038, F26043, F26044, F26049, F26054, F26061, F26066, F26074, F26079, F26084, F26087, F26093, F26098, F26100, F26106, F26109, F26133, F26136, F26139, F26161, F26170, F26174, F26179, F26185, F26186, F26188, F26189, F26190, F26194, F26197, F26210, F26215, F26223, F26238, F26242, F26255, F26260, F26262, F26265, F26271, F26273, F26274, F26278, F26279, F26280, F26290, F26294, F26297, F26307, F26313, F26315, F26316, F26317, F26323, F26332, F26333, F26335, F26336, F26337, F26341, F26349, F26350, F26361, F26365, F26367, F26377, F26393, F26413, F26417, F26419, F26421, F26422, F26423, F26434, F26440, F26444, F26445, F26451, F26452, F26458, F26464, F26472, F26477, F26494, F26504, F26530, F26532, F26541, F26560, F26563, F26583, F26585, F26590, F26605, F26618, F26620, F26622, F26625, F26628, F26677, F26678, F26679, F26680, F26685, F26689, F26690, F26691, F26708, F26720, F26725, F26727, F26730, F26746, F26747, F26758, F26771, F26772, F26791, F26799, F26800, F26801, F26802, F26835, F26839, F26850, F26852, F26891, F26895, F26897, F26914, F26918, F26919, F26924, F26934, F26955, F26960, F26967, F26969, F26971, F26982, F26991, F26994, F27003, F27009, F27021, F27039, F27046, F27074, F27079, F27097, F27109, F27125, F27131, F27135, F27139, F27145, F27157, F27159, F27161, F27162, F27164, F27165, F27171, F27172, F27185, F27191, F27193, F27194, F27196, F27197, F27205, F27213, F27214, F27233, F27239, F27240, F27246, F27263, F27266, F27267, F27274, F27283, F27286, F27291, F27294, F27300, F27304, F27308.

नीलामी अपनी –अपनी शाखाओं पर आयोजित की जाएगी। कृपया ध्यान दें कि यदि नीलामी किसी कारणवश उसी दिन पूरी न हो पाईतो नीलामी 27.12.2021 & 28.12.2021 को सुबह 10.00 बजे Muthoot FinCorp Ltd., Ground Floor, B-40, Desh Bandhu Road, Kalkaji Near Shiv Dhaba, New Delhi, Delhi South, Delhi - 110019. पर आयोजित की जाएगी। निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि वे फ़ोटो पहचान - पत्र, PAN कार्ड प्रस्तुत करें। सफ़ल निविदाकर्ताओं को पैसा RTGS द्वारा ट्रांसफ़र करना होगा ।

मुत्तूट फ़िनकॉर्प लिमिटेड

वीर अर्जुन

अर्जुनस्य प्रतिज्ञे द्वे, न दैन्यं, न पलायनम्।

नई दिल्ली, शुक्रवार 10 दिसम्बर, 2021

उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल गरमाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोरखपुर दौरे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव व रालोद मुखिया जयंत चौधरी की मेरठ में रैली से मंगलवार को यूपी का सियासी माहौल गरमा गया है। प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अपनी तिजोरी भरने और आतंकियों पर मेहरबानी दिखाने वाले प्रदेश के लिए खतरे की घंटी हैं। पीएम मोदी ने गहरा तंज कसते हुए कहा कि लाल टोपी वाले यूपी के लिए रेड अलर्ट हैं। इन्हें सिर्फ लाल बत्ती के लिए सत्ता चाहिए। पीएम मोदी ने कहा–आज पूरा यूपी जानता है कि लाल टोपी वालों को सिर्फ लाल बत्ती से मतलब रहा है। इन्हें माफियाओं को छूट देने के लिए, जमीन कब्जाने के लिए और आतंकियों को जेल से छुड़ाने के लिए सरकार चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि सब जानते थे कि गोरखपुर खाद कारखाने और एम्स की कितनी जरूरत थी। यहां इन संस्थानों की कितनी मांग हो रही थी। गोरखपुर में एम्स, खाद कारखाना और आईसीएमआर का क्षेत्रीय मेडिकल रिसर्च सेंटर देश को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों ने किसानों के साथ छल किया है। गन्ना किसान नहीं भूल सकते कि कैसे उनको भुगतान के लिए रुला दिया गया था। किस्तों में पैसा मिलता था और महीनों का अंतर होता था। खाद के लिए लाठी-गोली खानी पड़ती थी। जब डबल इंजन की सरकार होती है तो दोगुनी तेजी से काम होता है, आपदाएं भी अवरोध नहीं पैदा कर पातीं। वहीं यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के लिए गठबंधन के औपचारिक ऐलान के बाद पहली परिवर्तन संदेश रैली में सपा मुखिया अखिलेश यादव और आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि लाल टोपी ही भाजपा को यूपी की सत्ता से बाहर करेगी। किसानों को हक मिले और एमएसपी के लिए ठोस फैसला हो। भाजपा किसानों के हक में फैसला नहीं करना चाहती। गठबंधन किसानों को उनका हक दिलाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के मंत्री और समर्थकों ने तो किसानों को गाड़ी से कुचल दिया। हवाई जहाज बेच दिए, एयरपोर्ट बेच दिए, रेलवे स्टेशन बेच दिए। उन्होंने सवाल किया कि हवाई चप्पल वाले को हवाई जहाज में बैठाने का क्या हुआ, आज तो मोटरसाइकिल चलाना भी भारी हो गया है। आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने आरोप लगाया कि किसानों पर वार हुआ, लेकिन भाजपा में रहकर राजनीति करने वाले छोटे से बड़े कार्यकर्ता ने एक शब्द भी किसानों के हित में नहीं कहा। अब चुनाव नजदीक आते ही भाजपा को किसानों की याद आई है। जब-जब भी कोई चुनौती आई है, मेरठ के बेटे-बेटियों ने आगे आकर मुकाबला किया है जहां रैली है। इसी गांव के वीर मामचंद शर्मा जी भारत और पाकिस्तान के युद्ध में शहीद हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का एक सूत्री कार्यक्रम नफरत की बात करना है। हमारी सरकार बनेगी, हम पहला काम मेरठ में शहीद किसानों की स्मृति में एक स्मारक बनाएंगे। साथ ही चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसम्बर को अलीगढ़ के इजलास में फिर एकत्रित होने का न्यौता दे रहे हैं। अभी बेशक चुनावों में थोड़ी देरी है पर समीकरण बनने आरंभ हो गए हैं और साथ ही तीखे हमले। इन रैलियों से चुनावी माहौल गरमा जरूर गया है।

देश में 13 अखाड़े, करोड़ों की सम्पत्ति

अखाड़े का मतलब साधुओं का ऐसा दल, जो अस्त्र और शस्त्र विद्या में पारंगत होता है। यह परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है। मान्यता है कि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए आदिगुरु शंकराचार्य ने ही पहला अखाड़ा बनाकर साधुओं को शस्त्र कला की शिक्षा दी थी। वर्तमान में मान्यता प्राप्त 13 अखाड़े हैं। यह अलग-अलग पंथ को अपनाते हैं। शैवमत, वैष्णवमत और मदासीन पंथ। ज्यादातर अखाड़ों का बेस यूपी, उत्तराखंड और गुजरात हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार 2019 में किन्नर अखाड़े को भी आधिकारिक मान्यता मिल गई थी। ऐसे में देश में प्रमुख रूप से 14 अखाड़े कहे जा सकते हैं। कई वर्ष पुराने होने के कारण ज्यादातर अखाड़ों के पास काफी जमीन है। कई ऐसे अखाड़े हैं, जो मंदिरों का संचालन भी करते हैं। मंदिरों में आने वाला चंदा करोड़ों में पहुंच जाता है। इसके अलावा अखाड़ों को लाखों की संख्या में लोग मानते हैं। इस कारण अखाड़ों का अपना राजनीतिक रसूख भी होता है। धर्मगुरु के पास नेताओं का आना-जाना लगा रहता है। प्रवचन और भजन करने वाले संत हों या कोई और उनके लाखों-करोड़ों अनुयायी होने के कारण पार्टियां सबसे बेहतर संबंध बनाकर रखती हैं। कुंभ या अर्द्धकुंभ जैसे विशाल धार्मिक आयोजनों के मौके पर सभी अखाड़े भाग लेते हैं। ऐसे आयोजनों में साधु-संतों के टकराव की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए अखाड़ा परिषद की स्थापना हुई। अखाड़ा परिषद की सभा में सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना जाता है। महंत नरेंद्र गिरि दो बार अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे।

—अनिल नरेन्द्र

इस सम्पादकीय और पूर्व के अन्य संपादकीय देखने के लिए अपने इंटरनेट/ब्राउजर की एड्रेस बार में टाइप करें http://anilnarendrablog.blogspot.com

जनरल रावत से कांपते थे चीन-पाक

आरके सिन्हा

जनरल रावत के स्थान पर बनने वाले देश के नए सीडीएस के ऊपर जिम्मेदारी होगी कि वे अपने पूर्ववर्ती यानि जनरल रावत की तरह सेना को मजबूत करने के कार्यों को जारी रखें। यही उस महान योद्धा के प्रति देश की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वे देवभूमि उत्तराखंड के गौरव और देश के योद्धा थे। कृतज्ञ भारत उन्हें सदैव याद रखेगा।

एक बेहद दुखद हेलीकॉप्टर हादसे में देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत के निधन से सारे देश का शोक में डूबना लाजिमी है। जनरल रावत के अलावा 12 अन्य लोगों की मौत हो गई है। देश को आगामी 16 दिसंबर को पाकिस्तान से 1971 की जंग में विजय के पचास साल के अवसर पर जश्न मनाना था और शहीदों को याद करना था। जाहिर है, उन सब कार्यक्रमों पर भी जनरल रावत के न रहने से गहरा असर पड़ेगा। जनरल रावत को देश का पहला सीडीएस बनाया गया था। वे इससे पहले भारतीय सेना के प्रमुख भी रहे थे। उन्हें थल सेना और जल सेना के कामकाज की भी गहन समझ थी। वे तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बैठाने का काम शानदार तरीके से कर रहे थे।

जनरल रावत चीन के मामलों के गहन विशेषज्ञ थे और चीन और पाकिस्तान के साथ सरहद पर चल रही तनातनी पर सरकार को लगातार सलाह देते थे। उनका मानना था कि देश किसी भी परिस्थिति में दबेगा नहीं। वह शत्रुओं की ईंट का जवाब पत्थर से देगा। चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद पर जनरल रावत ने कहा था कि लद्दाख में चीनी सेना के अतिक्रमण से निपटने के लिए सैन्य विकल्प भी है। लेकिन यह तभी अपनाया जाएगा जब सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर वार्ता विफल रहेगी। रावत के बयान से आम हिन्दुस्तानी आश्वस्त हुआ था कि भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने जो कहा उसमें कुछ भी गलत नहीं था। वह एक सधा हुआ संतुलित बयान था।

पर जनरल रावत देश को कभी अंधेरे में नहीं रखते थे। उन्होंने चीन को भारत के लिए सुरक्षा के लिहाज से सबसे बड़ा खतरा बताया था। कुछ समय पहले ही जनरल रावत ने कहा था कि भारत के लिए चीन सुरक्षा के लिहाज से बड़ा खतरा बन गया है और हजारों की संख्या में सैनिक और हथियार, जो देश ने हिमालयी सीमा को सुरक्षित करने के लिए पिछले साल भेजे थे, लंबे समय तक बेस पर वापस नहीं लौट सकेंगे। जनरल रावत ने चीन को लेकर कुछ ऐसा कहा कि चीन को बहुत बुरा लगा।

तिलमिलाए चीन रावत के बयान पर कहा कि भारतीय अधिकारी बिना किसी कारण के तथाकथित 'चीनी सैन्य खतरे' पर अटकलें लगाते हैं, जो दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन का गंभीर उल्लंघन है कि चीन और भारत एक दूसरे के लिए खतरा नहीं हैं।

चीन भले ही कुछ भी कहता रहे अपने पक्ष में, पर यह बात साफ है कि भारत के सामने असली चुनौती चीन की ही है। जब से जनरल रावत ने सीडीएस का कामकाज संभाला था, वे तब से सेना के तीनों अंगों को तैयार कर रहे थे कि अगर भारत को चीन-पाकिस्तान का एक साथ जंग के मैदान में सामना करना पड़े तो भी भारत पीछे न रहे। उनकी इस सोच के चलते भारतीय फौज भी अपने को लगातार तैयार कर रही थी। ये सब सैन्य तैयारियां चीन-पाकिस्तान देख रहे थे। उन्हें जनरल रावत के एग्रेसिव सोच का पता चल चुका था। दरअसल चीन को लेकर जो राय जनरल रावत व्यक्त कर रहे थे वही पूर्व रक्षामंत्री स्वर्गीय जॉर्ज फर्नांडीस कई साल पहल कर चुके थे। उन्होंने चीन को भारत का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। पोखरण-2 परमाणु परीक्षण के बाद तत्कालीन एनडीए सरकार के रक्षामंत्री जार्ज फर्नांडीस ने दावा किया था कि भारत का चीन दुश्मन नंबर वन है। राजनीति विशेषज्ञों का मानना था कि जॉर्ज साहब ने यह बयान रक्षामंत्री रहने के दौरान मिली जानकारियों के आधार पर दिया होगा। जॉर्ज के अलावा पूर्व रक्षामंत्री मुलायम सिंह यादव भी मानते थे कि भारत का पाकिस्तान से बड़ा दुश्मन चीन है। साल 2017 में डोकलाम विवाद के बाद लोकसभा में मुलायम सिंह यादव ने कहा था कि भारत के लिए सबसे बड़ा मुद्दा पाकिस्तान नहीं बल्कि चीन है। केंद्र सरकार को आगाह करते हुए उन्होंने कहा था कि भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन है और सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

बहरहाल रक्षा मामलों के कुछ जानकार मानते भी हैं कि अगर अब कभी भारत का चीन के साथ युद्ध हुआ, तो पाकिस्तान भी मैदान में खुलकर आएगा चीन के हक में। इसी के साथ अगर पाकिस्तान का भारत के साथ युद्ध हुआ तो चीन भी पाकिस्तान के हक में लड़ेगा। रक्षा मामलों के जानकार और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह तो सार्वजनिक रूप से यह कहते रहे हैं कि अगर भारत-चीन युद्ध छिड़ता है तो पाकिस्तान शांत नहीं बैठेगा। वह भी चीन के हक में लड़ेगा।

बेशक चीन और पाकिस्तान के तेवर देखते हुए भारतीय सुरक्षा बलों को जमीनी और समुद्री सीमाओं पर पूरे साल सतर्क रहना पड़ रहा है। भारतीय सेनाएं इस जिम्मेदारी को जनरल रावत की सरपरस्ती में बाखूबी निभा रही थीं। जनरल रावत के आकस्मिक निधन के बाद भी भारत की चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर तनाव खत्म नहीं होने वाला। यह तो मानकर ही चलिए। मतलब भारत अपने दो शत्रु देशों का सरहद पर एक साथ प्रतिदिन ही सामना करता रहेगा।

जब तक उन्हें एक बार अच्छी तरह से ठंडा न कर दे। ये साबित कर चुके हैं कि ये बाज नहीं आएंगे। इनसे मैत्रीपूर्ण संबंधों की अपेक्षा नहीं की जा सकती। तो भारत को अपने इन पड़ोसी मुल्कों की नापाक हरकतों का मुकाबला करने के लिए हर वक्त चौकस रहना ही होगा। जनरल रावत के स्थान पर बनने वाले देश के नए सीडीएस के ऊपर जिम्मेदारी होगी कि वे अपने पूर्ववर्ती यानि जनरल रावत की तरह सेना को मजबूत करने के कार्यों को जारी रखें। यही उस महान योद्धा के प्रति देश की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वे देवभूमि उत्तराखंड के गौरव और देश के योद्धा थे। कृतज्ञ भारत उन्हें सदैव याद रखेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तम्भकार और पूर्व सांसद हैं)

नोबेल पुरस्कार : विश्व का सर्वोच्च सम्मान

नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

समूची दुनिया आज युद्ध की विभीषिका झेलने को अभिशप्त है लेकिन इस बारे में नोबेल पुरस्कार चयन समिति के सचिव जेर लुंडस्टेड का कहना उचित ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार कोई ऐसा जादू नहीं है, जो रातोंरात 'शांति युग' के दर्शन करा दे बल्कि यह तो उन लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए है, जो शांति के लिए सतत प्रयत्नशील हैं।

नोबेल पुरस्कार व्यक्ति की प्रतिभा के आधार पर दिया जाने वाला विश्व का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो हर वर्ष स्टॉकहोम (स्वीडन) में 10 दिसम्बर को रसायन विज्ञान, भौतिकी, चिकित्सा, अर्थशास्त्र, साहित्य, विश्व शांति इत्यादि अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को भव्य समारोह में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार पाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कई करोड़ रुपए की भारी-भरकम धनराशि मिलती है। नोबेल पुरस्कार पाने वालों को वर्ष 2020 से पहले 90 लाख स्वीडिश क्रोनर की राशि दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर 2020 में एक करोड़ क्रोनर कर दिया गया था। इसके अलावा विजेताओं को 23 कैरेट सोने का करीब 6 सेंटीमीटर व्यास का 200 ग्राम वजनी पदक एवं प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाता है। यही कारण है कि दुनिया में शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो बड़े से बड़ा पुरस्कार पाने के बाद भी नोबेल पुरस्कार पाने की अपेक्षा न करता हो। कारण यही है कि जहां यह पुरस्कार पुरस्कृत व्यक्ति को समूची दुनिया की नजरों में महान बना देता है, वहीं यह पुरस्कार मिलते ही शोहरत के साथ-साथ दौलत भी कदम चूमती है।

नोबेल पुरस्कार की स्थापना डायनामाइट के आविष्कारक स्वीडन के सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. एल्फ्रेड नोबेल द्वारा 27 नवम्बर 1895 को की गई वसीयत के आधार पर की गई थी, जिसमें उन्होंने रसायन, भौतिकी, चिकित्सा, साहित्य और विश्व शांति के लिए कार्य करने के लिए अपनी समूची सम्पत्ति से मिलने वाले ब्याज का उपयोग करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने का अनुरोध किया था और इस कार्य के लिए धन के इस्तेमाल हेतु एक ट्रस्ट की स्थापना का प्रावधान किया था। इन पांचों क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों के नाम का चयन करने के लिए उन्होंने अपनी वसीयत में कुछ संस्थाओं का उल्लेख भी किया था। दरअसल एल्फ्रेड नोबेल ने 1866 में डायनामाइट के आविष्कार से खूब दौलत कमाई और 1895 में एक वसीयत लिखी कि उनके धन को पुरस्कार देने में निवेश किया जाए। जिस समय उन्होंने यह वसीयत लिखी, तब उनके पास 3.15 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (आज के 2.2 अरब क्रोनर के बराबर) की सम्पत्ति थी। 10 दिसम्बर 1896 को डॉ. एल्फ्रेड नोबेल दुनिया से विदा हो गए और उपरोक्त पांचों क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए अथाह धनराशि छोड़ गए। डॉ. नोबेल की पुण्यतिथि के अवसर पर ही 10 दिसम्बर 1901 को नोबेल पुरस्कारों की पहली बार घोषणा की गई थी। रसायन शास्त्र, भौतिकी, चिकित्सा, साहित्य और विश्व शांति के लिए दिए गए पुरस्कार में उस समय करीब साढ़े पांच लाख रुपए की धनराशि दी गई थी। 1969 से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में भी एक नोबेल पुरस्कार दिया जाने लगा।

नोबेल पुरस्कार के तहत मिलने वाली राशि को वर्ष 2011 में एक करोड़ क्रोनर से घटाकर 80 लाख क्रोनर कर दिया गया था और तब इसके वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए फाउंडेशन शुरू किया गया। अगले ही वर्ष से फाउंडेशन की वित्तीय स्थिति बेहतर होने लगी। वित्तीय स्थिति बेहतर होने के ही कारण इस वर्ष नोबेल फाउंडेशन द्वारा नोबेल पुरस्कारों की राशि बढ़ाने की घोषणा की गई। अब नोबेल पुरस्कार के तहत विजेताओं को एक करोड़ स्वीडिश क्रोनर (करीब 11 लाख डॉलर) की राशि प्रदान की जाती है। नोबेल फाउंडेशन के एक बयान के अनुसार फाउंडेशन की वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए हाल के वर्षों में जो कार्य किया गया, उसी वजह से पुरस्कार की राशि बढ़ाना संभव हो सका। फाउंडेशन की निवेश पूंजी में प्रतिवर्ष नौ फीसदी की वृद्धि हुई है और नोबेल फाउंडेशन की जो निवेश पूंजी पहले तीन अरब क्रोनर से भी कम थी, वह 2012 से बढ़कर 4.6 अरब क्रोनर हो गई।

1901 के बाद से ही अर्थात विगत 120 वर्षों से लगातार नोबेल पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं और आज चूंकि इस पुरस्कार में करोड़ों रुपए की धनराशि मिलती है, इसलिए इसकी महत्ता दुनियाभर में दिए जाने वाले अन्य सभी पुरस्कारों में सर्वाधिक है लेकिन कई बार कुछ ऐसे विवादित लोगों को नोबेल पुरस्कार दिए जाने, जो किसी न किसी वजह से काफी विवादित और आलोचना के शिकार रहे और कुछ ऐसे व्यक्तियों को नोबेल पुरस्कार से वंचित रखे जाने से, जिनकी शख्सियत का समूची दुनिया ने लोहा माना है, नोबेल पुरस्कारों के चयन की प्रक्रिया पर सवाल भी खड़े होते रहे हैं।

नोबेल पुरस्कार की पांच सदस्यीय चयन समिति ने जब 1989 में तिब्बत के धर्मगुरु दलाई लामा का इस पुरस्कार के लिए चयन किया था, तब समिति के सदस्यों ने कहा था कि दलाई लामा को दिया गया पुरस्कार एक तरह से महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि ही है लेकिन दूसरी ओर आश्चर्य की बात यह रही कि पूरी दुनिया को शांति और अहिंसा का उपदेश देने वाले अहिंसा के पुजारी उसी महात्मा गांधी के ही नाम को नोबेल पुरस्कार चयन समिति ने इस पुरस्कार के योग्य नहीं समझा।

उत्तर कोरिया के ली डक थो और अमेरिका के विदेश मंत्री हेनरी किसींजर का 1973 में नोबेल पुरस्कार के लिए चयन किया गया था लेकिन समिति के उस फैसले की तीव्र आलोचना होने पर ली डक थो ने तो पुरस्कार लेने से इन्कार कर दिया था किन्तु हेनरी ने पुरस्कार लिया था। तब विश्वभर में इस बात को लेकर रोष व्यक्त किया गया था कि वियतनाम युद्ध करने वाले किसी देश के मंत्री को शांति के इस अहम पुरस्कार से कैसे सम्मानित किया जा सकता है? कुछ ऐसे व्यक्ति भी रहे हैं, जो नोबेल पुरस्कार पाने के बाद अपने कारनामों को लेकर काफी विवादित और आलोचना के शिकार रहे।

बहरहाल भले ही कभी-कभार नोबेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया को लेकर विवादों का जन्म होता रहा है, फिर भी इतना अवश्य है कि दुनियाभर के कई शासकों तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों द्वारा नोबेल पुरस्कार पाने की आस में ही सही, बेहतरीन कार्य किए जाते रहे हैं। वैसे भी दुनियाभर से नोबेल पुरस्कार के लिए भेजे जाने वाले अनेक नामांकनों में से चंद नामों का चयन करने की प्रक्रिया इतनी आसान भी नहीं हो सकती।

यह सही है कि नोबेल पुरस्कार समूची मानवता को सामाजिक न्याय, लोकतंत्र एवं दूर होती जा रही शांति के नजदीक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा करते रहे हैं। हालांकि कुछ लोग यह भी कहते रहे हैं कि पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हर वर्ष शांति के लिए भी नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बावजूद समूची दुनिया आज युद्ध की विभीषिका झेलने को अभिशप्त है लेकिन इस बारे में नोबेल पुरस्कार चयन समिति के सचिव जेर लुंडस्टेड का कहना उचित ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार कोई ऐसा जादू नहीं है, जो रातोंरात 'शांति युग' के दर्शन करा दे बल्कि यह तो उन लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए है, जो शांति के लिए सतत प्रयत्नशील हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

प्रेरणा

ईसा मसीह शिक्षा को लेकर कोई भेदभाव नहीं करते थे

ईसा मसीह और ईसाई धर्म लगभग पर्यायवाची हैं। मगर ईश्वर के पुत्र के नाम पर, क्या हम उस असाधारण मानवता का मूलतत्व खो बैठे हैं, जिसके प्रतीक ईसा मसीह थे। क्रिसमस के मौके पर सद्गुरु हमें याद दिला रहे हैं कि ईसा मसीह की भावना को अपने दिल में लाने का क्या मतलब है। जब हम ईसा मसीह की बात करते हैं, तो हम उस व्यक्ति की बात नहीं करते, जो 2000 साल पहले इस दुनिया में था बल्कि एक खास संभावना की बात करते हैं, जो हर इंसान में मौजूद होती है। जब हम ईसा मसीह की बात करते हैं, तो हम उस व्यक्ति की बात नहीं करते, जो 2000 साल पहले इस दुनिया में था बल्कि एक खास संभावना की बात करते हैं, जो हर इंसान में मौजूद होती है। यह जरूरी है कि हर व्यक्ति इस गुण को अपने अंदर फलने-फूलने दे क्योंकि आज कल लोग धर्म के नाम पर एक-दूसरे की जान लेने पर तुले हैं। ईश्वर को पाने की चाह में, हम अपनी मानवता को खो रहे हैं। ईसा मसीह की शिक्षा का सबसे अहम पहलू अपने-पराए का भेदभाव किए बिना, बगैर किसी पूर्वाग्रह या पक्षपात के जीवन बिताना है। तभी हम ईश्वर के साम्राज्य को जान सकते हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा कि ईश्वर का साम्राज्य कहीं ऊपर नहीं है, वह आपके अंदर ही है। केवल अपने शुरुआती मार्केटिंग चरण में ईसा मसीह ने आपको ईश्वर के साम्राज्य तक ले जाने की बात की। जब काफी लोग उनके आसपास जुट गए, तो वह पलटे और कहा कि ईश्वर का साम्राज्य आपके अंदर ही है। उनकी शिक्षा का सार यही है। बदकिस्मती से 99 फीसदी लोग अपने अंदर मौजूद शानदार चीज को देख नहीं पा रहे हैं। अगर वह कहीं दूर होता, तो हो सकता है कि आप वहां तक का सफर नहीं करना चाहते। मगर जब वह यहीं है, और तब भी आप उससे चूक रहे हैं, तो क्या यह दुखद नहीं है? अगर ईश्वर का साम्राज्य आपके अंदर है, तो आपको उसे अपने अंदर ही ढूंढना चाहिए। यह इतनी ही सरल चीज है। आपके भीतर उस आयाम, जो सृष्टि का स्रोत है, तक पहुंचने के वैज्ञानिक तरीके भी हैं, आपका शरीर अपने अंदर से ही बना है। ईसा मसीह को अपने जीवन में विज्ञान पर विचार करने का पर्याप्त समय नहीं मिला, इसलिए उन्होंने निष्ठा की बात की, जो एक तेज तरीका है। जब उन्होंने कहा कि केवल बच्चे ही ईश्वर के साम्राज्य में प्रवेश कर पाएंगे तो वह छोटे बच्चों की बात नहीं कर रहे थे, वह ऐसे लोगों की बात कर रहे थे, जो बच्चों की तरह सरल और निश्छल हों, जो किसी भी चीज के बारे में पहले से धारणा बनाकर नहीं रखते और पक्षपात से मुक्त होते हैं। ईसा मसीह की शिक्षा का सबसे अहम पहलू अपने-पराए का भेदभाव किए बिना, बगैर किसी पूर्वाग्रह या पक्षपात के जीवन बिताना है। तभी हम ईश्वर के साम्राज्य को जान सकते हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा कि ईश्वर का साम्राज्य कहीं ऊपर नहीं है, वह आपके अंदर ही है। आप जो भी निष्कर्ष निकालें, उसमें आप गलत हो सकते हैं क्योंकि जीवन आपके किसी निष्कर्ष में सही नहीं बैठता। जो इंसान बहुत सारे निष्कर्ष रखता है, उसके लिए न तो जीवन, न ही जीवन का स्रोत किसी रूप में मददगार होगा। अगर आप उस भार को नीचे रख देते हैं, तो सब कुछ बहुत सरल हो जाता है। **(संकलित)**

चिट्ठी आई है

गलत काम

प्राय: लोग गलत काम के लिए रिश्वत देते हैं और काम हो जाता है। शोर भी नहीं मचता और कुछ लोग ज्यादा ही जागरूक होते हैं वह ऐसे भ्रष्ट व्यक्ति को पकड़वा कर नैतिकतावादी बन जाते हैं और समाज को संदेश देते हैं। उन्होंने एक अच्छा काम किया। यह भी गलत है रिश्वत लेना-देना दोनों गलत हैं। इसलिए दोनों को बराबर की सजा मिलनी चाहिए। ऐसे ही कुछ लोग गलत काम के लिए नेताओं का सहारा लेते हैं उनका काम भी नेता के जरिये हो जाता है। इसलिए गलत काम के लिए रिश्वत या सिफारिश करने वाले दोनों ही बराबर के दोषी हैं। उन्हें छोड़ा क्यों जाए।

—दिलीप गुप्ता, बरेली, उत्तर प्रदेश।

इंडिया में क्यों नहीं

दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया सरकार ने मस्जिदों से अजान पर लाउडस्पीकरों की निर्धारित आवाज का आदेश दिया है लोगों की मांग पर यह बड़ा ही सराहनीय कदम है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को भी मस्जिदों से अजान पर निर्धारित आवाज पर लाउडस्पीकर चलाने का निर्देश और समय छह के बाद परन्तु सुबह चार बजे से भारी कानफोड़ू आवाज से बीमार, विद्यार्थियों, श्रमिकों को मुश्किल होती है। दिल्ली हाई कोर्ट, कलकत्ता हाई कोर्ट, बंबई हाई कोर्ट भी निर्देश दे चुके हैं। भारत में सभी को धार्मिक आजादी का अधिकार है, धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। कानून से बड़ा कोई नहीं, धर्म, मजहब, पंथ व्यक्तिगत आस्था का मामला है। इंडोनेशिया में हो सकता है तो इंडिया में क्यों नहीं?

—बीएल सचदेवा, 263, आईएनए मार्किट, नई दिल्ली।

रोहिणी कोर्ट में बम धमाका

दिल्ली रोहिणी कोर्ट में सुनवाई के दौरान टिफिन बम ब्लास्ट से कोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुलती दिख रही है। पुलिस कर्मियों के विश्वास का उपद्रवियों ने फायदा उठाया है। टिफिन बम की तीव्रता कम थी। जिस कारण जनहानि नही हुई है। कोर्ट में किसी अपराधी को लेकर इस तरह से कोर्ट के न्यायाधीश और वकीलों को भयभीत करने के पूर्वनिर्धारित चाल है। किसी खूंखार अपराधी को छुड़ाने के लिए या किसी अपराधी को बरी करने के लिए कोर्ट और वकीलों को डराया जा रहा है। कोर्ट में न्यायाधीश, वकील और तारीख पर आए तमाम लोग बाल-बाल बच गए। दिन में अतिमहत्वपूर्ण विभाग में बम ब्लास्ट होना गंभीर बाबत है। जहां अपराधियो का भाग्य लिखा जाता है। न्याय मंदिर में बम धमाका सुरक्षकर्मियो की नाकामी की निशानी है। हम भरोसा करें तो किस पर करे। रोहिणी कोर्ट की चूक का मामला सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड़ में है। धमाका तेज था और थोड़ी देर तक सुनाई देना बंद हो गया। यब बड़ी और गंभीर चूक पुलिस प्रशासन पर सवालिया निशान लगाती है। हमारी जांबाज पुलिस उपद्रवियों के हमले को हल्के में लेती है। जिससे गंभीर परिणाम निर्दोष जनता को भोगना पड़ता है। क्या हम भूल गए हैं उस भूतकाल के सीरियल बम ब्लास्ट को जिससे हर दूसरे या पांचवे दिन देश मे किसी न किसी शहर में बम धमाका होता था। उसमें निर्दोष लोग मारे जाते थे। पुलिस को किसी भी घटना को हल्के में नही लेना चाहिए। क्योंकि देश मे भी देशद्रोही की भरमार है। इसके पूर्व इसी कोर्ट में कोर्ट की कार्यवाही के दौरान गोलीबार हुआ था। सुरक्षाकर्मियो ने गोलीबार करने वाले को मार गिराया।हमें सुरक्षा व्यवस्था पर कठोर रहना होगा। संवेदनशील मसले पर तहरीर दी जाती है या खूंखार अपराधी की सुनवाई के दौरान पुलिस को गफलत में नही रहना चाहिए।

—कांतिलाल मांडोत, सूरत, गुजरात।

मानवाधिकार हर व्यक्ति का प्राकृतिक अधिकार

मानव अधिकारों को पहचान देने और उसके हक की लड़ाई को ताकत देने के लिए हर साल 10 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। मानवाधिकार दिवस मनाने का एक ही मकसद है की इस दुनिया में रहने वाले हर एक इंसान को उसके अधिकारों वंचित नहीं किया जाए। किसी भी व्यक्ति की जिंदगी, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार है। मानवाधिकार। भारतीय संविधान इस अधिकार की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोड़ने वाले को अदालत सजा देती है। मानव अधिकारों से हमारा अभिप्राय: मौलिक अधिकार एवं स्वतंत्रता से है जिसके सभी हकदार है। अधिकारों एवं स्वतंत्रताओं के उदाहरण के रूप में जिनकी गणना की जाती है, उनमें नागरिक और राजनैतिक अधिकार सम्मिलित हैं जैसे कि जीवन और आजाद रहने का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के सामने समानता एवं आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के साथ ही साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार, भोजन का अधिकार काम करने का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार। सवा अरब से भी ज्यादा संख्या वाली एक विविधतापूर्ण आबादी के लिए मानवाधिकार सुनिश्चित करने की चुनौती होती है, जिनके विभिन्न गुटों और समुदायों के बीच अपने ही हित कई बार एक-दूसरे से टकराते हुए प्रतीत होते हैं। मानवाधिकारों के मामले में हमारी स्थिति उस विद्यार्थी जैसी है, जिसकी उपलब्धियां कम नहीं हैं, लेकिन अभी उसे लंबी यात्रा तय करनी है। हमारे देश में आए दिन मानवाधिकारों के हनन की बात उठाई जाती है विशेषकर सियासी हलकों में। चाहे कश्मीर का मुद्दा हो या नागरिक अधिकारों के आंदोलन का। वर्तमान में किसान बिलों को लेकर किसान दिल्ली में आंदोलनरत है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है किसानों के शांतिपूर्ण अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। दूसरी तरफ भारत सरकार किसी भी मानवाधिकारों के हनन से नकारती है। स्वतंत्रता और समानता से जीवनयापन करने के अधिकारों की रक्षा करना मानव के मूलभूत अधिकारों में निहित है। लोकतंत्र हमें मानव के सभी अधिकारों की रक्षा का वचन देता है मगर स्वतंत्रता की आड़ में आतंकवादी और विध्वंसक गतिविधिया बर्दाश्त नहीं की जाती। यह निर्णय तो देशवासियों को करना है की हमारे अधिकार क्या है और उनकी रक्षा कैसे की जाए। बहरहाल स्वतंत्रता के साथ शिक्षा और रोटी, कपड़ा और मकान का बुनियादी अधिकार सभी के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है जिस पर चिंतन और मंथन की जरूरत है। मानव अधिकार वे अधिकार है जो किसी भी व्यक्ति के लिए सामान्य रूप से जीवन बिताने एवं उसके अस्तित्व के लिए आवश्यक है। मानवाधिकार का उद्देश्य है विश्व में किसी भी व्यक्ति, समाज या वर्ग को परेशान न किया जाए। सभी को जीवन जीने की आजादी एवं समान अधिकार मिले। मानवाधिकारों को सबसे ज्यादा चुनौती गरीबी से मिल रही है। विश्वभर में हर आठ में से एक व्यक्ति भूख के साथ जी रहा है। दुनियां में 24 हजार व्यक्ति रोजाना भुखमरी के शिकार होकर अकाल मौत मर जाते है। ऐसे दौर में हम मानवाधिकारों की बात करते नहीं थकते यह सम्पूर्ण विश्व के लिए शर्मनाक है। मानवाधिकारों की बात करने वालों लिए यह किसी चुनौती से कम नहीं है। मानवाधिकार हर प्राणी के लिए मायने रखता है वह चाहे अमीर हो या गरीब। भूख और गरीबी से लोगों के जीने का अधिकार खतरे में पड़ जाता है तो अन्य मानवाधिकारों, जैसे समानता, विचार अभिव्यक्ति, धार्मिक स्वतंत्रता आदि के बारे में बातें करना बेमानी है।

—बाल मुकुन्द ओझा, मालवीय नगर, जयपुर।

हज सब्सिडी एक राजनीतिक छल था : नकवी

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि देश में वर्षों तक लागू रही हज सब्सिडी एक राजनीतिक छल था, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार में इस सब्सिडी को खत्म करने के बावजूद हजयात्रियों को कम हवाई किराया अदा करना पड़ रहा है।

उन्होंने लोकसभा में बसपा सांसद कुंवर दानिश अली और कांग्रेस सदस्य अब्दुल खालिक के पूरक प्रश्नों के लिखित उत्तर में यह टिप्पणी की। नकवी ने कहा, हज सब्सिडी एक राजनीति छल था जो बहुत लंबे समय से चली आ रही थी। सब्सिडी रहने के समय जब कोई व्यक्ति श्रीनगर से हज यात्रा पर जाता था तो उसे 1.97 लाख रुपये देना पड़ता था, लेकिन सब्सिडी खत्म करने के बाद हज यात्री को अब 86 हजार रुपये देना पड़ता है। इसी तरह दूसरे शहरों से जाने में भी भी किराये और दूसरे खर्चों में कमी आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नेकनीयत का नतीजा है। उन्होंने सदन को बताया कि हज सब्सिडी खत्म करने से किराया बढ़ा नहीं, बल्कि घटा है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय मंत्री ने कहा, कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले दो साल से हज यात्रा नहीं हुई है। इस बार भी सऊदी अरब सरकार के प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देश के मुताबिक कोई कदम उठाया जाएगा।

मंत्री ने हज यात्रियों के प्रस्थान स्थलों (इम्बार्केशन प्वाइंट्स) की संख्या बढ़ाने के सवाल पर कहा कि सऊदी अरब के साथ द्विपक्षीय समझौते के मुताबिक ही आगे कोई कदम उठाया जाएगा। भारतीय हज समिति के पुनर्गठन के सवाल पर उन्होंने कहा कि इससे जुड़ा विषय उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए वह फिलहाल इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

पिछले 3-4 वर्षों में भारत ने विमान विनिर्माण के क्षेत्र में काफी उन्नति की : सिंधिया

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में बताया कि पिछले 3-4 वर्षों में भारत ने विमान विनिर्माण के क्षेत्र में काफी उन्नति की है और इस दिशा में काम कर रहा है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान सौगत राय के पूरक प्रश्न के उत्तर में सिंधिया ने बताया कि बोइंग और टाटा ने इस दिशा में संयुक्त उद्यम स्थापित किया है। इसके अलावा एयरबस और टाटा ने भी संयुक्त उद्यम स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार से हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भी इस दिशा में पांच चरणों में कदम बढ़ाया है। प्रश्न के लिखित उत्तर में नागर विमानन मंत्री सिंधिया ने कहा कि हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने यात्री प्रचालन के लिये 36 यात्रियों के बैठने की क्षमता वाले 80 से अधिक एचएस-748 विमानों का विनिर्माण किया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा क्षेत्रीय विमान सम्पर्क के लिये इसने हाल ही में 19 सीटों की क्षमता वाले विमान का निर्माण करना शुरू किया है। सिंधिया ने बताया कि वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने सारस प्रायोगिक प्रारूप को विकसित किया है जो विविध उपयोग वाला 14 सीटों का नागरिक विमान है।

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया लोकसभा में बोलते हुए। (छाया : एएनआई)

भारत में कोरोना के 9,419 नए मामले आए सामने

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 9,419 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या 3,46,66,241 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 94,742 हो गई है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 159 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 4,74,111 हो गई। पिछले लगातार 13 दिन से संक्रमण के दैनिक मामले 10,000 से कम आ रहे हैं और पिछले 165 दिन से 50,000 से कम हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 94,742 हो गई, जो कि कुल मामलों का 0.27 फीसदी है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर स्वस्थ होने की दर 98.36 फीसदी है और यह मार्च, 2020 के बाद से सबसे ज्यादा है। पिछले 24 घंटे में उपचार करा रहे मरीजों की संख्या में।,009 की वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 0.73 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 66 दिन से दो प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 0.74 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 25 दिन से एक प्रतिशत से कम है। देश में अभी तक कुल 3,40,97,388 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.37 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 130.39 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

भाजपा सदस्य ने राज्यसभा में उठाया श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मामला

नई दिल्ली, (वीअ)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सदस्य ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद का मुद्दा उठाया और केंद्र सरकार के पूजा स्थल कानून, 1991 को अतार्किक और असंवैधानिक बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की। शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए भाजपा के हरनाथ सिंह यादव ने कहा कि यह कानून भगवान राम और भगवान कृष्ण में भेदभाव पैदा करता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पूजा स्थल कानून, 1991 में मनमाने और असंवैधानिक प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा, इसमें प्रावधान किया गया है कि पूजा स्थलों की जो स्थिति 15 अगस्त 1947 को थी, उसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इस कानून में अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि को अलग रखा गया है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती मुमताज पत्नी खान साहब, निवासी-आरजेड-56, चांद कालोनी, सैदुलाजाब, नई दिल्ली ने अपने पुत्र गुलफाम और पुत्रवधु शबाना को इनके गलत आचरण, दुर्व्यवहार करने तथा नियंत्रण से बाहर होने के कारण अपनी सभी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और आज के बाद मेरी मुवक्किला व इनके परिवार के सदस्यों का अपने पुत्र और पुत्रवधु से किसी भी अच्छे बुरे कार्यों या लेन-देन के लिए जिम्मेदारी नहीं होगी।

अब्दुल सत्तार, एडवोकेट, दिल्ली हाई कोर्ट, चेम्बर नं. 419, लायर्स ब्लाक, साकेत कोर्ट्स काम्पलेक्स, नई दिल्ली-110017

उत्तर प्रदेश पावर ट्रान्समिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड

निविदा सूचना

अनुभवी कार्यदायी संस्थाओं/फर्मों से निविदा के माध्यम से निम्न कार्यों के निष्पादन हेतु मोहरबन्द निविदाएं अलग-अलग लिफाफों में दो भागों में आमंत्रित की जाती है निविदा शुल्क (रु 590) एवं (ईएमडी रु. 2000.00) को आरटीजीएस/एनईएफटी माध्यम से सीधे अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, गाजियाबाद के चालू खाता संख्या 01180002100060675 Punjab National Bank GT Road Ghaziabad, IFSC Code PUNB0018000 खाते में जमा कराया जाए एवं जमा कराया जाने का साक्ष्य यथायोज्म यूटीआर संख्या, खाते का नाम, निर्गत करता बैंक, अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित एवं निविदादाता द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित पे-इन स्लिप की स्कैन्ड कॉपी, ईएमडी के लिए बैंक गारंटी की स्कैण्ड कॉपी, जारीकर्ता बैंक के कन्फरमेशन, मेल की प्रति निविदा प्रपत्रों के प्रथम भाग में तथा दूसरे भाग में तकनीकी विशिष्टियां एवं प्राईस शेड्यूल एवं अन्य शर्तें रखी जाएंगी।

निविदाएं, निविदा खुलने के दिनांक 26.12.2021 में 11.00 बजे तक प्राप्त की जाएंगी तथा निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष उसी दिन 14.00 बजे खोली जाएंगी। यदि निविदा खुलने के दिन अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर निर्धारित समय पर खोली जाएगी।

निविदा सूचना संख्या - टी-21/2020-21 विद्यु पारेषण खण्ड-प्रथम, गाजियाबाद के अन्तर्गत विद्युत पारेषण उपखण्ड-प्रथम, लोनी के उपकेन्द्र, लाइनों के अनुरक्षण कार्य हेतु 01.01.2022 से अग्रेतर 31.08.2022 तक के लिए एक नग डीजल चलित वाहन चालक सहित उपलब्ध कराने के संबंध में।

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से रु. 590/- जमा कराया जाने का उचित साक्ष्य उपलब्ध कराकर किसी भी कार्य दिवस में क्रय किए जा सकते हैं। निविदा बिक्री निविदा खुलने के दिनांक 26.12.2021 में 11.00 बजे बन्द कर दी जाएगी। धरोहर राशि रु. 2000.00 अन्य नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न हैं। अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कारण बताए एक अथवा सभी निविदाओं को आंशिक अथवा पूर्ण रूप से निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

हस्ताक्षर, (अम्बा प्रसाद वशिष्ठ), अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, 132 केवी उपकेन्द्र, लालकुआं, गाजियाबाद, राष्ट्रहित में बिजली बचाएं, पत्रांक : 1453/9.12.2021

Public Notice

Public at large is informed that my Clilent Sh. Ravi Kokcha S/o Late Sh. Har Narain Kokcha R/o A-2/73, Paschim Vihar, New Delhi has severed all relations with his son Sh. Vansh Kokcha R/o A-2/73, Paschim Vihar, New Delhi due to his stubbornness, alien attitude and intolerable behavior where he is woriking against the name and fame of the family. My client Sh. Ravi Kokcha has disowned and discredited him & has no concern with him. Vansh Kokcha is beyond control of my client. My client is not responsible for any act or omission of Vansh Kokcha. **Ashok Anand, Advocate, Lawyers Ch.No. K-99, Tis Hazari Courts, Delhi-110054**

IN THE COURT OF Ms. SheetalChaudharyPradhan, Administrative Civil Judge-cum-Additional Rent Controller cum-Commercial Civil Judge, South-East, Room No. 203, Saket Court Complex, New Delhi.
Suit No. SS-164/2021
MIRDUL AICH & Ors.
Versus
Employees Provident Fund Org. & Ors.

1.Mridul Aich & Ors. S/o Late Kunja Bihari Aich, R/o House No.310, Gali No.29B, Molarband Extn., Badarpur, New Delhi-44. 2. Rekha De, R/o 73, Janpath Road, Birati North Dumdum(M), Birati North-24, Parganas, Kolkata-700051. 3. Malay Aich, R/o B-204, Shree NandResdency, Karodiya Road, Gorwa, Vadodara. 4. Ruma Dad, R/o 32/1, subodh Banerjee, Lane-Barisha, Kolkata-700008, West Bengal
…….. Petitioner
VERSUS
1.Employee Provident Fund Organisation, A-2-C, TulsiMarg, Sector-24, Noida, Uttar Pradesh-201301. 2. M/s Precision Electronics, 10/D, Sector-3, Noida, Uttar Pradesh-201301. 3. State (Govt. Of NCT Of Delhi), SDM, Badarpur, SaritaVihar, OldGargi college Building behind Lady Shri Ram Collage, Lajpat Nagar-4, New Delhi-110024.
….. Respondents.

Whereas,on application under Section 372 of the Indian Succession Act, 1925 has been made by **Mridul Aich & Ors. successor of Late Jharna Aich for grant of succession Certificate in respect of debt/Securities of deceased**

And whereas the said applicant shall come for hearing on **13.12.2021 at 10.00 A.M.**

Therefore, the public at large is hereby given notice if any person has objection to the grant of succession certificate in favour of the said applicant, he may appear and file objection in writing, in person or through duly appointed pleader, on the said date and time.

Given under my hand and seal on **03rd day of November, 2021.**

ACJ-cum-CCJ-cum-ARC-Seal (S.E.) Saket Court Complex, New Delhi.

Public Notice

I, On Behalf Of My Client's Kamlesh W/O Ramveer, Ramveer S/O Devilal R/O H.No 138, B-Block, Gali No.80, Madhu Vihar, New Delhi. Announce General Public That Myclient Has Lost Control Over Their daughter Ms. Deepika W/O Balkishan S/O Sh. Hansraj R/O Q-63 Gali No.5, Bhagat Enclave, Bindapur, Had Disowned Her/Him From Their Movable And Immovable Property. Any Person Dealing With Them, Will Be Directly Concern With Them From Their Own Risk And Consequences And My Client's Are Not Liable Any Way. **Mahipal Singh, Advocate, Ch.No.319, Dwarka Court Complex, New Delhi-110075**

Public Notice

Notice is hereby given to public that my client Smt. Savitri Kaushal W/o Late Madan Lal Kaushal, R/o 178/A, Street No.3, Arjun Nagar, Safdarjung Enclave, New Delhi, has disowned her son namely Puneet Kaushal and his wife Kikky Sandhu from her all moveable and immoveable properties, due to their misbehavior and misconduct with my client and my client has severed all her relation with them, henceforth any person dealing with them would do so at his/her own risk and consequences and my client shall not be liable for any of their acts/deeds in future.**Raj Kumari, (Advocate), Ch.No.259, Saket Court Complex, New Delhi-110017**

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)
IN THE COURT OF Sh. AnuragChhabra, Civil Judge-03, (Central), Room No.15, Tis Hazari Courts, Delhi.
Suit No.SCJ/734/2020
LAXMAN SHARMA
……(Plaintiff)
Against
ALANKIT Ltd. Etc.
……(Defendant)

To,
1.Ravinder N. Rastogi & Sons (HUF), Through its Karta 929, Pattal Wali Gali, Maliwara, Delhi-110006.
2. Ms. Meenu Rastogi, 929, Pattal Wali Gali, Maliwara, Delhi-110006.
3. V.K. Aggarwal and Sons (HUF), through its Karta Devta Prints, 4284, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi-110006.
4. Ms. Madhu Aggarwal, Devta Prints, 4284, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi-110006.

THE DEFENDANT ABOVE NAMED

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **24.03.2022** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, this **30.11.2021.**

Civil Judge-03 (Central), Seal Tis Hazari, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल प्रदीप नारायण मंडल पुत्र स्व. जुगेश्वर मंडल व उनकी पत्नी श्रीमती बीना देवी, पता आरसीसी-120, गली नं. 4, जय विहार, फेस-1, नजफगढ़, नई दिल्ली 43 ने अपने पुत्र अंकित कुमार व पुत्रवधु निशा का उसके नियंत्रण में न होने व अभद्र व्यवहार एवं दुर्व्यवहार एवं दुराचार करने के कारण अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने समस्त संबंध विच्छेद कर दिया है भविष्य में इनके किए गए कार्यों के लिए मेरे मुवक्किलगण जिम्मेदार नहीं होंगे। **संदीप रंजन, एडवोकेट, सीट नं. 73, सेन्ट्रल हाल, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-54**

वीर अर्जुन
वर्गीकृत विज्ञापन
Change of Name

I. Pooja Rawal W/o Shri Manoj Kumar R/o 8-21. Second Floor, Jhilmil Colony. Delhi-110095, do hereby declare That earlier I was known as Pooja Dhawan That I got married to Shri Manoj Kumar and thereafter I have adopted the surname of my in-laws i.e Rawal and hence, Pooja Dhawan would henceforth be known as Pooja Rawal. **C-25726**

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDENCE OF DEFENDANT
(Order 5, Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF Ms. Deeksha Rao, Civil Judge-04 (Central), Room No. 137-A, Tis Hazari Courts, Delhi.
Suit No. CS/SCJ/594/2020
Naresh Kumar Gupta & Anr …….(Plaintiff)
Against
Dinesh Kumar & Ors.
….(Defendant)

To,
1.Adesh Kumar S/o Subhash Chandra Tyagi, R/o H. No. D-70, Gali No.4, Jail Road, Mandoli, Delhi-110094.
2. Shyam Sunder S/o Sri Pal Tyagi, R/o Tyagi Form House Indraprastha Colony, Amrit Vihar, Delhi-110084.
3. Avnish S/o Sh. Trilok Chand, R/o 1/87, Durga Pur Extension, Delhi-110093.
4. Rajender S/o Harikesh, R/o Village, Burari, Delhi-110084.

THE DEFENDANT ABOVE NAMED

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 02.02.2022 the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, this 27.11.2021.

Civil Judge-04, (Central), Seal Delhi.

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)
IN THE COURT OF Sh. Dhirendra Rana,Senior Civil Judge/Rent Controller, (North), Room No.-214, Rohini Courts, Delhi.
Suit No. CS-58/2021
TATA POWER DELHI DISTRIBUTION Ltd.
……Plaintiff)
Against
ASHIS KUMAR
……(Defendant)

To,
Defendant:- 1. Ashis Kumar, S/o Vinod Kumar, R/o H. No.277, First Floor, Panna Dulaan, Village and Post Office Bawana, New Delhi-110039

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 20.01.2022 the day for fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, this **18th day of November, 2021.**

Senior Civil Judge/Rent Controller (North) Rohini Seal Courts, Delhi

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)
IN THE COURT OF Sh. Gurdeep Singh, District Judge, (CommercialCourt), West-02, Room No.110,First Floor, Tis Hazari Court, Delhi.
CS (Comm.) No. 242/2020
CENTRAL BANK OF INDIA
……. (Plaintiff)
V/s
GURPREET KAUR
……. (Defendant)

To
1.Ms. Gurpreet Kaur, R/o H. No.152, 3rd Floor, West Guru Angad Nagar,Gali No.11, Laxmi Nagar, Gandhi Nagar, Delhi-110092. Also At: C/o M/s Jai Maa Ambey, (Prop. GurpreetKaur), Bansal Business Center,C-15/219, Guru Nanak Pura, Laxmi Nagar, Delhi-110092.

Whereas you, in view of the reports already received, cannot be served in ordinary way. It is hereby notified that if you shall not defend the case on the **15th day of December, 2021** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, on this **25th day of November, 2021.**

District Judge, Commercial Court) West-02 Tis Hazari Seal Courts, Delhi.

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(ORDER 5, RULE 20 OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE)
IN THE COURT OF Sh. Ajay Nagar, Additional Rent Controller (2), (Central), Room No.36, Ground Floor, Tis Hazari Court, Delhi.
E-375/17/13 (79482/2016)
Ram Phal Yadav
……. (Petitioner)
V/s
Barkat Ram
……. (Respondent)

To
Shri Kishan Gopal S/o Late Shri Sohan Lal, R/o 3/41, Subhash Nagar, Delhi.
THE DEFENDANT ABOVE NAMED

Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **14thday of December, 2021 at 10:00 AM** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court, on this **08thday of December, 2021.**

District Judge Commercial Court) West-02 Tis Hazari Seal Courts, Delhi.

In The Court Of Ms. Colette Rashmi Kujur, Adj-10, Central,Room No. 345, Tis Hazari Courts, Delhi
Proclamation Requiring Attendance Of Defendant
(U/O 5 Rule 20 Cpc)
Cs Dj/1196/2017
Icici Bank Ltd.
.....Plaintiff
Vs
Vikas Kumar Thakur
...Defendant

To
1. Vikas Kumar Thakur, S/O Sh.Shyam Thakur R/O H.No.C-4, East Gokul Pur, Amar Colony, Delhi-1100942.Vill & Po Mahesha Munda, Ps-Kahal Gaon, Dist-Bhagalpur, Bihar-813231.
3. Alembic Pharma Ltd.4/18, Asaf Ali Road, Shasi Building, Near Broadway Hotal, Delhi-110002.

Whereas you are intentionally evading service of summon, it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **21.12.2021** AT 10 AM, the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

Given under my hand and the seal of the Court On. **02.12.2021.**

ADJ-10, CENTRAL Seal TIS HAZARI COURTS, DELHI

Proclamation Requring Attendance Of Defendent (Order 5, Rule 20 Of The Code Of Civil Procedure)
In The Court Of Sh. Deepak Jagotra Principal District & Sessions Judge East Karkardooma Court.
Suit.No.197/2021
Title:- Lakhmi Chand
...Plaintiff
Vs
Smt.Neha Massy
...Defendant

To
Smt. Neha Massy W/O Shri Varun Jagwani R/O U-148, Upadhyay Block, Shakarpur, Delhi-110092

Whereas You Are Intentionally Evading Service Of Summons It Is Hereby Notified That If You Shall Not Defend The Case On The **11/01/2022 At 10.00 A.M** Fixed For The Final Disposal, It Will Be Heard And Determined Ex-Party.

Given Under My Hand The Seal Of The Court This **03/12/2021**.

Principal District & Sessions Judge (East) Seal Karkardooma Courts, Delhi

ऋण वसूली न्यायाधिकरण–।, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001

ओ. ए नं. 521/2018
कॉर्पोरेशन बैंक — आवेदक
विरूद्ध
दीपक रंजन मोहराना एवं अन्य — प्रतिवादी

सेवा में
1. श्री दीपक रंजन मोहराना, निवासी क्वार्टर नं. 117/13, सेक्टर–1, पुष्प विहार, नई दिल्ली–110017
2. श्रीमती लोपामुद्रा मोहराना, निवासी क्वार्टर नं. 117/13, सेक्टर–1, पुष्प विहार, नई दिल्ली–110017
प्रतिवादी नं 1 और 2 और मैसर्स एक्वेरियन कंसल्टिंग, 6/102, कौशल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली–110016
3. मैसर्स आम्रपाली स्मार्ट सिटी डेवलपर्स प्रा. लि., पंजीकृत कार्यालयः 307, तृतीय तल, निपुन टावर्स, सामुदायिक केंद्र, कड़कड़डूमा, नई दिल्ली–110092, और: सी–56/40, सेक्टर 62, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201309

जबकि उपरोक्त आवेदक ने आपके विरूद्ध रुपये **13,36,577/-** (रु. तेरह लाख छत्तीस हजार पाँच सौ सतहत्तर मात्र) की वसूली हेतु एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषजनक रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको दिनांक **24-12-2021 को पूर्वा. 10.30 बजे** माननीय रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है। (अधिक जानकारी के लिए कृपया डीआरटी की वेबसाइट **www.etribunal.gov.in** देखें) फोन : **011-23748473**

ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, वाद की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

चल रही महामारी की स्थिति के कारण, सभी मामलों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से और उस उद्देश्य के लिए लिया जाएगाः–

(i) सभी अधिवक्ता/पात्रगण "सिस्को वेबेक्स" एप्लीकेशन/सॉफ्टवेयर डाउनलोड करेंगे;

(ii) "रजिस्ट्रार/रिकवरी ऑफिसर–।/और रिकवरी ऑफिसर–।। द्वारा प्राप्त की जाने वाली सुनवाई के मामलों की अगली तारीख के लिए "मीटिंग आईडी" और "पासवर्ड" DRT की आधिकारिक तिथि से एक दिन पहले उपलब्ध होगी। पब्लिक नोटिस हेड के तहत पोर्टल अर्थात **"d02rt.gov.in"**

(iii) किसी भी जानकारी हेतु, एडवोकेट्स/लिटिगेंट्स संबंधित अधिकारी से फोन 011–23748473 पर संपर्क कर सकते हैं।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत **18 अक्टूबर, 2021** को दिया गया।

न्यायाधिकरण के आदेशानुसार, कृते रजिस्ट्रार

प्रतिवादी उत्तरदाता आगे की पूछताछ के लिए उल्लेखित फोन नंबर के तहत संपर्क कर सकते है।

अमित के. दार, एलडी. रजिस्ट्रार, डीआरटी–।, नई दिल्ली, फोनः 011-23748473, ईमेलः drt1delhi-dfs@nic.in

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियन्ता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई-प्रक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://egroccpstate.gov.in
निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित रायपुर जिले के विकासखण्ड धरसींवा/तिल्दा की कुम्हारी जलाशय की क्षमता वृद्धि (जलावर्धन) योजना हेतु रायपुर एनर्जेन लिमिटेड (आई.ई.एल) से कुम्हारी जलाशय तक पाइप लाइन बिछाने के कार्य की ऑनलाइन निविदा, सिस्टम निविदा क्रमांक 85831/निविदा सूचना क्रमांक-04/वलेलि/2021-22, रायपुर दिनांक 25.10.2021 को प्रथम आमंत्रण में भाग के लिए निविदाकारों की संख्या निरंक होने के कारण निविदा निरस्त की जाती है।

विज्ञापन क्रमांक 64475 दिनांक 14.10.2021 — **कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन सम्भाग, रायपुर (छ.ग.)**

जी-65730/8 — **कृते मुख्य अभियन्ता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग)**

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

पत्र सं. 196–एस/71/2020–21/निविदा सूचना/टीएस दिनांक : 04.01.2022

ई–निविदा सूचना संख्या 196–एस/71/2021–22/निविदा सूचना/टीएसओ-III/FeMo

निम्नलिखित रेल पथ सामान को बनाने एवं संभरण हेतु प्रमुख मुख्य अभियंता, उत्तर रेलवे, प्रधान कार्यालय, बड़ोदा हाउस, नई दिल्ली द्वारा E-procurement System निविदाओं आमंत्रित की जाती है।

Tender No. 211-2687-2021-22-NR	Due on 04.01.2022
Description of Item	उत्तर रेलवे थर्मिट पोर्टियन प्लांट लखनऊ के मानक विनिर्देश TPP/FeMo/ के 2020 अनुसार फेरो मोलिब्डेनम का विनिर्माण और आपूर्ति।
Tender Value	Rs.57,35,331/-
Tender Document Cost	Rs. Nil
Earnest Money	Rs. 1,14,710/-
Completion Period	6 Months
Time of Submission of Tender	Up 04.01.2022 at 14.30 1ST
Date & Time of Opening of Tender	On 04.01.2022 at 14.30 1ST
Validity of Offer	180 days

टिप्पणी : उपरोक्त सभी इ प्रापण निविदाओं के पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित www.ireps.gov.in and www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है। **2891/21**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कर्नाटक बैंक लि. — आपका पारिवारिक बैंक। पूरे भारत में — **सूचना**

अंचल कार्यालय : दिल्ली CIN: L85110KA1924PLC001128

प्लॉट नंबर 8–बी, द्वितीय तल, राजेन्द्र पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली–110060, फोन : 011–25717244 फैक्स : 011–25716096, ई–मेल : del.ro@ktkbank.com, वेबसाइट : www.karnatakabank.com

निम्नलिखित व्यक्तियों ने स्वर्ण आभूषणों के बंधक पर ऋण प्राप्त किया था, जो हमारी मांग सूचना के बावजूद चुकाया नहीं गया है। अतएव, कृपया सूचित हों कि यदि मूल ऋणराशि/ब्याज और अन्य प्रभार 23.12.2021 को अथवा पूर्व चुकता नहीं किए गए, तो बंधक आभूषणों को दिनांक 24.12.2021 को अप. 03.00 बजे बैंक के निम्नलिखित शाखा परिसर में बैंक के नियमों तथा विनियमों के तहत सार्वजनिक रूप से नीलाम किए जाएंगे।

बैंक के पास, आगे कोई सूचना दिए बिना तथा बिना कोई कारण बताए नीलामी निरस्त करने/किसी अन्य सुविधाजनक तिथि हेतु स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।

स्वर्ण आभूषण खाते का विवरण

कर्जदार का नाम	स्वर्ण ऋण खाता सं.	देयता : 07.12.2021	शाखा
श्रीमती ममता सिंह	5607000100005001	रू. 20,03,843/– + प्रभार और 01.12.2021 से ब्याज	नई दिल्लीः ईस्ट ऑफ कैलाश, पताः डी–59, सपना रोड सपना सिनेमा के सामने, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली, दिल्ली –110065
श्री हरपाल सिंह	5607002000032501	रू. 17,26,879/– + प्रभार और 01.12.2021 से ब्याज	

स्थानः नई दिल्ली, तिथिः 08.12.2021 — हस्ता./–, मुख्य प्रबंधक

वैधानिक सूचना: पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

ईडी, सीबीआई के निदेशकों के कार्यकाल को बढ़ाने वाले बिलों को लोस से मंजूरी

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। लोकसभा ने केंद्रीय सतर्कता आयोग संशोधन विधेयक और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन संशोधन विधेयक को बृहस्पतिवार को मंजूरी प्रदान कर दी जिसमें सार्वजनिक हित में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशकों के कार्यकाल को एक बार में एक वर्ष बढ़ाने और पांच वर्ष की अवधि तक उसे विस्तार दिये जाने का प्रावधान है। अभी तक इनके कार्यकाल की सीमा दो वर्ष थी।

निचले सदन में विधेयकों पर हुई चर्चा का जवाब देते कार्मिक, लोक शिकायत, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक को लाने का मकसद यह है कि इससे जुड़े मुद्दों का वृहद अंतरराष्ट्रीय प्रभाव है क्योंकि विदेशी धनशोधन के मामले जुड़े होते हैं।उन्होंने कहा कि वित्तीय कार्वाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भी यह सुझाव दिया है कि देशों को अपनी क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए और एजेंसियों में उच्च मानदंडों को स्थापित करना चाहिए। सिंह ने कहा, अगर हमें उच्च वैश्विक मानदंडों को पूरा करना है तब हमारी दृष्टि आगे की ओर बढ़ने वाली होनी चाहिए। बाधा डालने वाला रुख विपरीत प्रभाव डालने वाला होगा। जितेन्द्र सिंह ने विपक्ष के कुछ सदस्यों की टिप्पणियों के

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह।

हवाले से कहा कि इस विधेयक को बिना पढ़े ही निष्कर्ष निकाला जा रहा है और भ्रमित करने वाला बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी तक कानून में कार्यकाल के संबंध में केवल न्यूनतम सीमा तय थी और कार्यकाल को लेकर कोई अधिकतम सीमा तय नहीं की गई थी, हमने इसकी सीमा पांच वर्ष तय कर दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की ऐसी एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों के कार्यकाल की सीमा दो वर्ष नहीं है। सिंह ने कहा कि सीबीआई, ईडी के निदेशकों का चयन शीर्ष स्तर की समिति करती है, ऐसे में अगर ऐसी समिति की बुद्धिमता पर भरोसा नहीं होगा, तब कौन फैसला करेगा। मंत्री के जवाब के बाद लोकसभा ने इन विधेयकों से संबंधित अध्यादेशों को निरानुमोदित करने वाले सांविधिक संकल्पों को नामंजूर कर और कुछ विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए ध्वनिमत से केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) विधेयक, 2021 और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (संशोधन) विधेयक, 2021 को मंजूरी दे दी।

लोस व रास ने जनरल बिपिन रावत के निधन पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, (भाषा)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु पर सदन की ओर से शोक जताया और सदस्यों ने कुछ पल का मौन रखकर जनरल रावत समेत दिवंगत सैन्य कर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि प्रकट की।सदन में आज कार्यवाही शुरू होते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हेलीकॉप्टर हादसे के संबंध में बयान दिया और बताया कि एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के दल ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। इसके बाद बिरला ने कहा, मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से भारत के प्रथम सीडीएस, उनकी पत्नी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दुखद मृत्यु पर शोक प्रकट करता हूं। राज्यसभा ने सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और अन्य 11 सैन्यकर्मियों की मौत पर बृहस्पतिवार को शोक जताया और कहा कि राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। सुबह जैसे ही सदन की कार्यवाही आरंभ हुई, उपसभापति हरिवंश ने इस दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण हादसे का उल्लेख किया और जनरल रावत के योगदानों की सराहना की।

मोदी सरकार के अहंकार की हार और प्रजातंत्र की जीत हुई: कांग्रेस

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने किसान संगठनों की ओर से आंदोलन स्थगित करने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि एक साल तक चले आंदोलन में नरेंद्र मोदी सरकार के अहंकार की हार हुई और प्रजातंत्र की जीत हुई।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि यह संघर्ष की शुरुआत भर है और आगे न्यूनतम समर्थन मूल्य, आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे, किसानों की आय दोगुनी करने के सरकार के वादे और गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग को लेकर लड़ाई जारी रखनी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, अपना देश महान है,यहां सत्याग्रही किसान हैउ सत्य की इस जीत में हम शहीद अन्नदाताओं को भी याद करते हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, दिल्ली की सीमाओं पर 378 दिनों के सतत संघर्ष के बाद देश के अन्नदाताओं को मिली विजय के लिए करोड़ों किसानों व खेतिहर मजदूरों को हार्दिक बधाई। किसान आंदोलन ने महात्मा गांधी जी के सिद्धांत को अक्षरश: सही सिद्ध किया है कि जनतंत्र की असली शक्ति जनता में निहित है।समकालीन विश्व इतिहास में ऐसा अनुशासित, मर्यादित और मुद्दों पर आधारित आंदोलन देखने में नहीं आया। किसान संगठनों का नेतृत्व भी बधाई और साधुवाद का पात्र है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, आज हम कह सकते हैं कि प्रजातंत्र के नए युग की शुरुआत हुई है और मोदी सरकार की हार में ही जनहित की जीत है। उनके मुताबिक,अभी संघर्ष की शुरुआत हुई है।

लोकसभा: शून्यकाल में बड़ी संख्या में महिला सदस्यों ने लोक महत्व के मुद्दे उठाए

नई दिल्ली, (विप्र)। लोकसभा में बृहस्पतिवार को शून्यकाल के दौरान बड़ी संख्या में अनेक दलों की महिला सदस्यों ने अपने क्षेत्रों से संबंधित लोक महत्व के विषय उठाए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा आज महिला सदस्यों के बोलने का अवसर है।

शून्यकाल के दौरान जब एक सदस्य ने अधिक संख्या में महिला सदस्यों को बोलने का अवसर दिये जाने की ओर इशारा किया तो अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 33 प्रतिशत आरक्षण का सवाल है। इसलिए आज महिला सदस्यों के बोलने का अवसर है। सदन में आज शून्यकाल के दौरान भाजपा की द्रीन ओझा, रीता बहुगुणा जोशी, रीति पाठक, रक्षा खड़से, हिना गावित, रंजना बेन भट्ट, गीताबेन राठवा, शारदा बेन पटेल, जसकौर मीणा, संध्या राय, रमा देवी, रंजीता कोली और लॉकेट चटर्जी, कांग्रेस की ज्योत्सना महंत, राम्या हरिदास और एस. ज्योतिमणि ने अपने विषय रखे। इस दौरान बीजद की चंद्राणी मुरमू और शर्मिष्ठा सेठी, लोक जनशक्ति पार्टी की वीना देवी, तृणमूल कांग्रेस की प्रतिमा मंडल, द्रमुक की कनिमोझी, निर्दलीय नवनीत रवि राणा तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुप्रिया सुले आदि महिला सांसदों ने भी लोक महत्व के विषय उठाए।

शून्यकाल में ही ओडिशा से बीजू जनता दल (बीजद) की सदस्य प्रमिला बिसोयी ने जब अपनी बात रखी तो अध्यक्ष बिरला ने कहा कि यह भारत का लोकतंत्र है जहां प्रमिला जी जैसी सदस्य हैं। ओडिशा के आस्का से पहली बार चुनी गईं लोकसभा सदस्य बिसोयी ने महामारी के दौरान महिलाओं को हुए रोजगार के नुकसान संबंधी विषय को उठाया।

निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानें 31 जनवरी तक निलंबित

नई दिल्ली, (विप्र)। डीजीसीए ने कहा कि भारत अपनी निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को अगले साल 31 जनवरी तक निलंबित रखेगा।डीजीसीए ने कोरोना वायरस स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच एक दिसंबर को निर्णय किया था कि वह सेवाओं को 15 दिसंबर से बहाल नहीं करेगा। उससे एक सप्ताह पहले ही उसने घोषणा की थी कि वह निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करेगा। डीजीसीए ने परिपत्र जारी कर कहा, सक्षम प्राधिकारी ने भारत से आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री सेवाओं के निलंबन को 31 जनवरी, 2022 को रात 11 बजकर 59 मिनट तक बढ़ाने का फैसला किया है।

हमारी संसद का हाल कैसा है?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

किसी भी देश की संसद उसके लोकतंत्र का हृदय होती है। हमारी संसद की हृदय गति का क्या हाल है? यदि लोकसभा और राज्यसभा में सदस्यों की उपस्थिति को देखें तो हमारे लोकतंत्र का हृदय आधे से भी कम पर काम कर रहा है। अभी-अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सांसदों को काफी खरी-खरी सुनाई थी। उन्होंने सदन में उनकी गैर-हाजिरी पर अपनी नाराजी दो-टूक शब्दों में जाहिर की थी। उन्होंने यह बिल्कुल सही कहा कि यदि आप सदन में हाजिर रहने से कतराएंगे तो यह भी हो सकता है कि आपका इसमें आना ही बंद हो जाए। इस सख्त बयान के बावजूद कल लोकसभा में भाजपा के कितने सदस्य उपस्थित थे? ग्यारह बजे सदन का सत्र शुरु होता है। उस समय भाजपा के सिर्फ 58 सदस्य और नौ मंत्री उपस्थित थे जबकि भाजपा के कुल सदस्यों की संख्या 301 है और मंत्रियों की संख्या 78 है। 543 सदस्यों के इस सदन में दोपहर तक भाजपा के 83 और विपक्ष के 81 सदस्य थे। यह तो हाल है, उस सदन का, जो संप्रभु कहा जाता है याने उसे सर्वशक्तिमान माना जाता है। उसकी शक्ति इतनी ज्यादा है कि वह किसी भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या सर्वोच्च न्यायाधीश को चुटकी बजाते ही हटा सकता है। कोई भी कानून उसकी सहमति के बिना बन नहीं सकता लेकिन कानून बनानेवाले जनता के प्रतिनिधि ही उसकी कीमत नहीं करते तो फिर जो भी सरकार हो, उसे वे मनमानी करने के लिए छुट्टा छोड़ देते हैं। अर्थात सरकार और संसद की लगाम नौकरशाहों के हाथों में चली जाती है, क्योंकि मंत्री लोग तो सांसदों से भी ज्यादा वोट और नोट के धंधे में फंसे रहते हैं। इसी वजह से कई उल्टे-सीधे कानून बन जाते हैं, जिन्हें या तो वापस लेना पड़ता है या उनमें संशोधन करने पड़ते हैं। ब्रिटेन में लोकसभा को निम्न सदन और राज्यसभा को उच्च सदन कहा जाता है लेकिन हमारी राज्यसभा में आजकल जैसी नौटंकी चल रही है, वह 'निम्न' शब्द को भी मात कर रही है। जिन 12 विपक्षी सदस्यों को राज्यसभा से निलंबित किया गया है, उन्होंने पिछले सत्र में कागज फाड़े थे, फाइलें छीनी थीं, माइक तोड़ दिए थे, मेजों पर चढ़कर हल्ला मचाया था और मार्शलों के साथ मार-पीट भी कर डाली थी। अब भी प्रमुख विपक्षी दल राज्यसभा का बहिष्कार कर रहे हैं। उन्हें अध्यक्ष वेंकय्या नायडू ने काफी ठीक सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि निलंबन का फैसला उन्होंने नहीं किया है बल्कि राज्यसभा ने प्रस्ताव पारित करके किया है। इसीलिए बेहतर होगा कि सदन के नेता और विपक्ष के सांसद आपस में बात करके सारे मामले को हल करें। इस समय राज्यसभा में जो भी विधेयक पारित हो रहे हैं, वे बिना विपक्ष के ही पारित हो रहे हैं। जो सदस्य निलंबित किए गए हैं, वे तो अपनी करनी भुगत ही रहे हैं लेकिन जो निलंबित नहीं किए गए हैं, उन्होंने स्वयं को निलंबित कर रखा है। क्या ही अच्छा हो कि हमारी संसद के दोनों सदन अपने काम ठीक से करें ताकि भारतीय लोकतंत्र स्वस्थ और सबल बना रहे।

क्या गुजरात कांग्रेस में रायका का टोटा भाजपा को मजबूत करेगा

कमलेश त्रिपाठी

नई दिल्ली। अगर चुनाव होने में कुछ ही समय बचे हों और कांग्रेस का कोई पुराना पदासीन चेहरा दलबदल कर भाजपा का दामन थाम ले, तो पहली नजर में उसकी निष्ठा को लेकर भले ही सवाल उठने लगें, लेकिन यदि ऐसा करने से जो दल केंद्र की सत्ता में हो तो उसे फायदे ही फायदे के रूप में देखना स्वाभाविक क्यों नहीं होगा? सागर रायका कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सदस्य तो रहे ही, साथ ही वे गुजरात कांग्रेस समिति के सचिव भी रह चुके हैं। लेकिन अब उनका कांग्रेस से कोई वास्ता नहीं है। रायका जिस दिन भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे थे, उसी दिन उत्तर गुजरात से ही जुड़े जगदीश ठाकोर राज्य कांग्रेस के नए अध्यक्ष का ओहदा संभालने में जुटे थे। रायका अहमदाबाद जाकर भाजपा के राज्य मुख्यालय में पार्टी सदस्यता ग्रहण करने की बजाय राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आते और भाजपा महासचिव तरुण चुघ की मौजूदगी में पार्टी का दामन थामते हैं। उस समय गुजरात भाजपा के महासचिव विनोद चावड़ा भी मौजूद थे। ये वही रायका हैं जिन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने से पहले अपना राजनीतिक जीवन कांग्रेस की छात्र इकाई से शुरू किया था। रायका ने पार्टी सदस्यता ग्रहण की। साथ ही, केसरिया गमछा भी ओढ़ा।

जो कांग्रेस चौबीसों घंटे समूचे भाजपा नेताओं और पार्टी के कार्यक्रमों में खामियां ढूंढती दिखती है, रायका ने उसी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की तारीफ करते हुए उसे गरीबों का समर्थक बताया और यह भी कहा कि मोदी सरकार की मौजूदा नीतियों और कार्यक्रमों से करोड़ों गरीबों को लगातार लाभ मिलता दिख भी रहा है।

गुजरात कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष रायका यह कहते सुने गए कि इस समय कांग्रेस में नेतृत्व का संकट व्याप्त है। आसन्न विधानसभा से पहले उनका भाजपा में आना और यह कहना कि आज की कांग्रेस में बड़े-बड़े फैसले लेने से पहले सलाह नहीं ली जाती, इस बात की ओर इशारा करता है कि राज्य कांग्रेस का नेतृत्व भी पंजाब और राजस्थान में जारी कांग्रेस की प्रशासनिक शैलियों से अलग कतई नहीं है। बल्कि खुद रायका भाजपा की चौखट के भीतर कदम रखने के साथ ही यह कह कर कांग्रेस के लिए ऊहापोह की स्थिति पैदा कर दी कि कांग्रेस अपना जनोन्मुखी स्वभाव खो चुकी है। यह पार्टी कैडर और नेताओं के आचरण में भी दिखता है।

रायका ने यह स्वीकार किया कि कांग्रेस में किसी की भी उम्मीदें नहीं बची हैं। वे यह भी कहते सुने गए कि मैंने नरेंद्र भाई को आमजनों के लिए साइकिल चलाते हुए देखा है। वे कहते हैं, इसीलिए भाजपा में आने का मुझ पर कोई बाहरी दबाव नहीं रहा। रायका बताते हैं कि देश और इसकी एकता के लिए मेरा भाजपा को समर्थन है। गुजरात में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। मुमकिन है कि ये दिसंबर तक होंगे, लेकिन जिस तरह से कांग्रेस के केंद्रीय और राज्य स्तर पर आये दिन कांग्रेसियों का भाजपा में आना रुक नहीं रहा है, उसे देखते हुए नहीं लगता कि कांग्रेस अपने बचे जनाधार को आगे भी ऐसे ही बचाये रख पाएगी।

हालिया विस चुनावों में रिकार्ड मात्रा में राशि जब्त की गई

नई दिल्ली, (भाषा)। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हाल में हुए विधानसभा चुनावों में प्रभावी निगरानी एवं कड़ी सतर्कता के चलते 2021 में जब्त की गई राशि में भारी वृद्धि हुई, जो 2016 में इन राज्यों में हुए चुनावों की तुलना में 4.5 गुना अधिक है। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 74वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के साथ आईआरएस अधिकारियों की भागीदारी में वृद्धि को इस बात से जोड़ कर देखा जा सकता है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस साल सितंबर में एक अलग चुनाव प्रकोष्ठ गठित किया था, ताकि चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों द्वारा दाखिल हलफनामों में दी गई झूठी जानकारी के लंबित विषयों की जांच में तेजी लाई जा सके।

सीबीआई ने प. बंगाल में हिंसा के सम्बन्ध में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर तीन और मामले दर्ज किए

नई दिल्ली (विप्र)। सीबीआई ने वर्ष 2021 की डब्ल्यू पी ए (पी) 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149 169 के संदर्भ में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय के दिनाँक 19.08.2021 के आदेश पर 03 और मामलें दर्ज किए और इन मामलों की जाँच को अपने हाथों में लिया। विभिन्न आरोपों पर पश्चिम बंगाल के अलग अलग पुलिस स्टेशनों में दो मामले पूर्व में दर्ज किए गए थे जबकि एक मामला नए सिरे से दर्ज किया गया है।

उपर्युक्त मामलों में से पहला मामला, प्राथमिक सूचना रिपोर्ट संख्या 373/2021, दिनाँक 26.06.2021 के माध्यम से बरासत पुलिस स्टेशन, जिला उत्तरी 24 परगना मे पूर्व दर्ज हुआ जिसमें आरोप है कि आरोपी ने दिनाँक 25.06.2021 को पीड़ित के घर में जबरन प्रवेश किया और उन्हे बुरी तरीके से पीटा। उन्हे बरासत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और बाद में एक अन्य हॉस्पिटल में भेजा गया। लेकिन अन्त में इस तरह की चोटो के कारण दिनाँक 06.08.2021 को पीड़ित की मृत्यु हो गई।दूसरा मामला, प्राथमिक सूचना रिपोर्ट संख्या 112/2021, दिनाँक 17.06.2021 के माध्यम से झारग्राम पुलिस स्टेशन, जिला झारग्राम में पूर्व में दर्ज हुआ। यह आरोप है कि आरोपियों ने दिनाँक 03.05.2021 को शिकायतकर्ता के ननिहाल के घर पर हमला किया और इसमें तोड़फोड़ की। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता की नानी से छेड़छाड़ की।तीसरा मामला, रैना पुलिस स्टेशन, जिला पूर्व बर्दवान में शिकायतकर्ता द्वारा दिनाँक 15.09.2021 को प्रस्तुत कि गई शिकायत के मूलपत्र को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक सूचना रिपोर्ट के तौर पर नए सिरे से मामला दर्ज किया गया।

निलंबित सांसदों ने जनरल रावत और अन्य सैन्यकर्मियों के सम्मान में अपना धरना एक दिन के लिए स्थगित किया

नई दिल्ली, (भाषा)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान उच्च सदन में अशोभनीय आचरण को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए गए राज्यसभा के 12 सदस्यों ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्यकर्मियों की मृत्य के मद्देनजर उनके सम्मान में बृहस्पतिवार को अपना धरना एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। गत 29 नवंबर को निलंबन के बाद से ये सांसद यहां संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना दे रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक निलंबन रद्द नहीं होगा, तब तक वे संसद की कार्यवाही के दौरान सुबह से शाम तक महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठेंगे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को बैठक की जिसमें यह फैसला लिया कि जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों के सम्मान में यह धरना एक दिन के लिए निलंबित किया जाएगा।

राज्यसभा में हमें जनरल रावत को श्रद्धांजलि अर्पित करने का समय नहीं दिया गया: खड़गे

नई दिल्ली, (भाषा)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उच्च सदन में सरकार और आसन ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्यकर्मियों को श्रद्धांजर्लि अर्पित करने के लिए विपक्षी नेताओं को समय नहीं दिया।

संविधान सभा की कार्यवाही, इसमें शामिल हस्तियों के बारे में जानें युवा : मोदी

नई दिल्ली, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को संविधान सभा की पहली बैठक के 75 वर्ष पूरा होने के अवसर पर इसके महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं से आग्रह किया कि वह इस सभा की कार्यवाही और इसमें शामिल होने वाले प्रख्यात हस्तियों के बारे में जानें।उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर युवाओं से कहा कि ऐसा करने से उन्हें बहुत कुछ जानने को मिलेगा। ज्ञात हो कि संविधान सभा की पहली बैठक नौ दिसंबर, 1946 को हुई थी। प्रधानमंत्री ने कहा, संविधान सभा की पहली बैठक आज ही के दिन 75 वर्ष पूर्व हुई थी। भारत के विभिन्न हिस्सों, अलग-अलग पृष्ठभूमि और विचारधाराओं के प्रतिष्ठित लोग इसमें शामिल हुए।

सभी देशों की सामूहिक प्रगति से सतत समावेशी पुनरुद्धार सुनिश्चित होगा : सीतारमण

नई दिल्ली, (भाषा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था के मजबूत, सतत और समावेशी पुनरुद्धार के लिए सभी देशों की सामूहिक प्रगति सुनिश्चित करना जरूरी है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इंडोनेशिया की अध्यक्षता में जी20 द्वारा बाली में आयोजित जी20 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए हिस्सा लेते हुए वित्त मंत्री ने वैश्विक पुनरुद्धार के लक्ष्य को प्राप्त करने में बहुपक्षवाद और सामूहिक कार्वाई की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।उन्होंने वैश्विक पुनरुद्धार की राह में मदद करने के लिए समावेश, निवेश, नवाचार और संस्थानों के महत्व को भी रेखांकित किया। वित्त मंत्री ने वैश्विक आर्थिक पुनरुद्धार में सामने आ रहे अंतर को पाटने के लिए टीकों और उपचार के लिए सस्ती और समान पहुंच सुनिश्चित करने

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि भारत ने अब तक लोगों को टीकों की 1.25 अरब से अधिक खुराकें दी हैं और 90 से अधिक देशों को 7.2 करोड़ से अधिक खुराक की आपूर्ति की है, जिसमें अनुदान के रूप में प्रदान किए गए टीके शामिल हैं। सीतारमण ने कहा कि यह समन्वित वैश्विक कार्वाई के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दिखाता है।वित्त मंत्री ने वृद्धि की राह पर तेज और स्थिर वापसी को सक्षम करने के लिए बुनियादी ढांचे के निवेश में वृद्धि के महत्व पर जोर दिया।

इस बार भी वैष्णो देवी आने वाले शायद ही कोई रिकार्ड छू पाएं

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू। वैष्णो देवी के तीर्थ स्थान पर आने वाले इस बार भी शायद ही कोई रिकार्ड बना पाएं क्योंकि कोरोना के चलते फिलहाल25हजार को शामिल होने की अनुमति है। जबकि पिछले साल भी 62 लाख श्रद्धालु वर्ष 2019 के आंकड़ों के मुकाबले कम आए थे और इस साल नवम्बर महीने के अंत तक 49.46 लाख श्रद्धालु ही आए हैं।माता वैष्णो देवी यात्रा में वैसे तो पूरे साल श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहता है,लेकिन सितंबर से 15 दिसंबर के बीच श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आ जाती है। इस बार तो कोरोना के कारण अनलाक 6 से हालांकि 25 हजार श्रद्धालुओं को दर्शनार्थ शिरकत करने की अनुमति तो मिली हुई है पर सर्दी तथा प्रदेश में प्रवेश करने पर फिर से लगाई जा रही अप्रत्यक्ष पाबंदियों के चलते यात्रा में शिरकत करने वालों का आंकड़ा 10000 से 21000 के बीच ही झूल रहा है। इस साल हालत यह है कि श्राइन बोर्ड ने आने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया है। दरअसल पिछले साल तीन महीनों के लाकडाउन के बाद पहली बार दो हजार श्रद्धालुओं को आने की अनुमति तो मिली थी तो इसमें प्रदेश के बाहर के श्रद्धालुओं का कोटा नगण्य ही था। अब भी सबसे बड़ी दिक्कत प्रदेश के प्रवेश द्वार लखनपुर में पार करने की दिक्कतें,यात्री वाहनों के पूरी तरह से न चलने के अतिरिक्त आनलाइन पंजीकरण जैसे कई कारण श्रद्धालुओं के कदमों को रोक रहे हैं।

यूपी चुनाव: विधायकों के सीट बदलने की तैयारी में भाजपा

अभय तिवारी

नई दिल्ली.। यूपी की सत्ता पर अपना कब्जा बरकरार रखने के लिए हिंदुत्व से लेकर के विकास की हांडी मैं तरह-तरह के प्रयोग कर रही भाजपा के लिए अपने ही माननीय सिरदर्द साबित हो सकते हैं। दरअसल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि जनता मोदी और योगी के कामकाज से तो संतुष्ट हैं लेकिन वह अपने स्थानीय विधायकों से काफी नाराज है। यह हालत बड़े से लेकर के छोटे नेताओं पर एक समान रूप से लागू हो रही है इसी के चलते पार्टी ने आने वाले विधानसभा चुनाव में बड़े स्तर पर अपने विधायकों के टिकट बदलने की योजना बनाई है। पार्टी कोई आशंका है कि यदि वह बड़े चेहरों का टिकट काटती है तो वह बागी होकर के पार्टी को नुकसान पहुंचा सकते हैं इसके चलते ही वह विधायकों के सीट बदलने के फार्मूले पर ही अमल करने का विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश के राज्य का से आने वाली एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक कल की पार्टी द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि क्षेत्र के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के कामकाज से संतुष्ट है। जनता मोदी-योगी के नाम पर वोट देना चाहती हैं, लेकिन स्थानीय मौजूदा विधायक की कार्यशैली से नाराज है।सर्वे के अनुसार भाजपा के मौजूदा 304 विधायकों में से 50 फीसदी से अधिक विधायकों से उनके क्षेत्र की जनता नाराज है। भाजपा को चुनाव जीतने के लिए कम से कम 30 से 40 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटकर वहां नए चेहरों को उतारना पड़ेगा। इससे मौजूदा विधायक के प्रति जनता की नाराजगी दूर हो जाएगी और क्षेत्र में बिगड़े माहौल को भी पक्ष में करने में आसानी होगी। पार्टी में उच्च स्तर पर हुए मंथन में आया है कि मौजूदा विधायकों में बड़ी संख्या में ऐसे हैं जो सपा, बसपा और कांग्रेस छोड़कर 2017 से पहले भाजपा में शामिल हुए थे। यदि 30 से 40 प्रतिशत विधायकों के टिकट काट दिए गए तो वे बगावत पर उतर जाएंगे। ऐसे में वे सपा, बसपा या कांग्रेस के टिकट पर भी भाजपा उम्मीदवार के सामने चुनाव लड़कर पार्टी का चुनावी गणित बिगाड़ सकते है। ऐसे में पार्टी ने तय किया है कि उन्हीं विधायकों का टिकट काटा जाएगा, जिन्हें चुनाव नहीं लड़ाने या उनके बगावती होने से पार्टी पर ज्यादा असर न पड़े। ऐसे विधायक जिनका टिकट काटने से उनकी जाति के वोट बैंक खिसकने का डर है, उन्हें जिले की दूसरी सीट या उनकी जाति के बाहुल्य वाले इलाके की किसी सीट से चुनाव लड़ाया जाएगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक खासतौर पर कुर्मी, मौर्य, राजभर, भूमिहार, ब्राह्मण, ठाकुर सहित कुछ अन्य जातियों के प्रभावशाली विधायकों की सीट बदला जा सकता है।

महाराष्ट्र ने गुजरात के साथ नदी जोड़ने की परियोजना से अलग होने की घोषणा की : शेखावत

लोकसभा प्रश्नोत्तर

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिबार को बताया कि महाराष्ट्र की सरकार ने गुजरात के साथ पार-तापी-नर्मदा और दमनगंगा-पिंजाल नदी जोड़ो परियोजना से अलग होने की घोषणा की है और मंत्रालय इस विषय में प्रदेश सरकार को पत्र लिखेगा। लोकसभा में भाजपा सांसद हिना गावित के पूरक प्रश्न के उत्तर में जल शक्ति मंत्री शेखावत ने यह जानकारी दी। गावित ने नर्मदा और तापी नदियों को जोड़ने की परियोजना एवं इसके संबंध में बांध के निर्माण के विषय पर सरकार से जानकारी मांगी थी। शेखावत ने कहा कि पार-तापी-नर्मदा और दमनगंगा-पिंजाल नदी जोड़ो परियोजना महाराष्ट्र और गुजरात से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि जल राज्यों का विषय होता है और ऐसी परियोजनाओं को लेकर प्रारंभिक स्तर पर राज्य सरकारों के बीच सहमति बनानी होती है। जल शक्ति मंत्री ने बताया, महाराष्ट्र सरकार ने इस परियोजना से अलग होने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि वह इस विषय पर महाराष्ट्र की सरकार को पत्र लिखेंगे। उन्होंने साथ ही प्रदेश के सांसदों से भी आग्रह किया कि वे भी ऐसी राष्ट्रीय महत्व की परियोजना के संबंध में महाराष्ट्र सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहें। शेखावत ने कहा कि मुम्बई में पानी की कमी की स्थिति है और इस परियोजना से दोनों राज्यों को जल संसाधनों का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। प्रश्नकाल में ही शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र में बाढ़ और नदियों को जोड़ने की परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दमनगंगा-पिंजाल एवं अन्य परियोजना को लेकर तापी नदी पर बांध बनाया जाना था और महाराष्ट्र ने गुजरात से इस संबंध में पानी के संबंध में कुछ विषय रखे जो 2017 से ही लंबित थे, ऐसे में परियोजना से अलग होने का फैसला किया गया। इस पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि नदियों को जोड़ने की ऐसी राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं पर राज्यों को खुले मन से आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के संबंध में भी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद जल के बंटवारे के विषय को सुलझाने में कई वर्ष लग गए थे।

यमुना नदी के जल गुणवत्ता आकलन से नदी में अमोनिया का स्तर कभी-कभी बढ़ने की बात सामने आई

जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि यमुना नदी की जल गणुवत्ता के आकलन से पता चलता है कि वजीराबाद बैराज पर इस नदी में अमोनिया का स्तर कभी-कभी बढ़ जाता है तथा अमोनिया युक्त नाइट्रोजन के स्तर में बढ़ोतरी होने एवं इससे होने वाले प्रदूषण के कारण राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में जलापूर्ति रुक-रुक कर प्रभावित हुई है। लोकसभा में मनोज तिवारी एवं रवीन्द्र कुशवाहा के प्रश्नों के लिखित उत्तर में शेखावत ने यह जानकारी दी। तिवारी एवं कुशवाहा ने पूछा था कि क्या यमुना नदी में हाल ही में अमोनिया की मात्रा अधिक होने के कारण दिल्ली के अनेक हिस्सों में जलापूर्ति प्रभावित हुई ? इस पर जल शक्ति मंत्री शेखावत ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के चंद्रावल, वजीराबाद और ओखला में स्थित जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) यमुना नदी से आंशिक कच्चे जल को लेते हैं और जब अमोनिया युक्त नाइट्रोजन।

सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना से होगा 30 लाख किसानों को लाभ : योगी

बहराइच, (वीअ)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को कहा कि बहराइच से गोरखपुर को जोड़ने वाली सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना से नौ जिलों की लगभग साढ़े 14 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जा सकेगी। पिछले 40 वर्षों से रुकी इस परियोजना को पिछले पौने पांच वर्षों में पूरा कराया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 दिसम्बर को इस परियोजना का लोकार्पण बलरामपुर में करेंगे।

मुख्यमंत्री ने सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना का निरीक्षण करने के बाद कहा कि परियोजना का प्रारूप वर्ष 1972 में ही बन गया था। तब यह कुछ जिलों तक ही सीमित थी। वर्ष 1982 में इस परियोजना का विस्तार करके नौ जिलों तक फैलाया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1978 से 2017 तक यानि 40 वर्षों तक इस योजना में केवल 52 फीसदी कार्य ही हो पाया। हमारी सरकार आने के बाद इस परियोजना को वर्ष 2017 से 2021 के बीच इस योजना का शेष 48 फीसदी कार्य पूरा कराया गया।

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

उन्होने कहा कि इस परियोजना में बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, महराजगंज और गोरखपुर समेत नौ जिलों को जोड़ा गया है। 6623 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली से मिलाने के लिए घाघरा से राप्ती, राप्ती से बाणगंगा, बाणगंगा से रोहिल नदी को जोड़ा गया है। नदी जोड़ों' अभियान के तहत पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौ जनपदों के लगभग साढ़े 14 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी। इन जिलों के लगभग 30 लाख किसान लाभान्वित होंगे।

योगी ने कहा कि सरयू बैराज से सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना शुरू हुई है। इससे पहले घाघरा को सरयू नदी से जोड़कर नहर यहां आ चुकी है। इसके बाद बहराइच से नौ जनपदों को जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि सिंचाई की बेहतर सुविधा देने के लिए प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की शुरूआत की है। जिसके बाद राज्य सरकारों को व्यापक रूप से धनराशि उपलब्ध कराई गई। हमारी सरकार ने इसका भरपूर लाभ उठाया और सरयू राष्ट्रीय नहर परियोजना पूरी हो सकी। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2014 में किसानों की आय दोगुना करने का जो संकल्प लिया था उसी को फलीभूत करने के लिए इस परियोजना को पूरा करने में मदद मिली। इसके पहले मुख्यमंत्री ने सीडीएस जनरल विपिन रावत समेत सभी सैन्य अधिकारियों के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस हादसे में हमारे यूपी के दो सैन्य अधिकारी शामिल रहे।

धामी ने जनरल रावत के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

नई दिल्ली/देहरादून, (वीअ)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत के आवास पर उनके परिवार जनों से भेंट कर शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने जनरल बिपिन और उनकी पत्नी मधुलिका के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनरल बिपिन रावत जी का निधन बहुत बड़ी अपूरणीय क्षति है। उनका निधन देश के लिए विशेषकर उत्तराखंड राज्य की बहुत बड़ी हानि है, साथ ही मेरे लिए भी। उन्होंने कहा कि सैनिक पुत्र होने के नाते हमेशा मेरा मार्ग दर्शन करते रहते थे। उनकी सादगी, सहजता हमेशा हमारे दिलों में रहेंगी। कभी लगता नहीं था कि किसी जनरल से मिल रहे हैं।

श्री धामी ने कहा कि पहली बार मुख्य सेवक बनने के बाद जब मिले तो मेरे पिताजी की रेजीमेंट (महार रेजिमेंट) सागर जाने का कार्यक्रम उन्होंने बनाया हुआ था। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। भगवना उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें।

गोसाईगंज से भाजपा विधायक की विधानसभा सदस्यता रद्द

लखनऊ (वीअ)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अयोध्या की गोसाईगंज सीट से बीजेपी विधायक इंद्र प्रताप तिवारी उर्फ खब्बू तिवारी की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी है।

गुरुवार को विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर दी।खब्बू तिवारी फर्जी मार्कशीट केस के दोषी हैं, जिसके लिए उनको बीते 18 अक्टूबर 2021 को एमपी-एमएलए कोर्ट ने पांच साल की सजा सुनाई थी। बता दें कि खब्बू 29 साल पहले साकेत महाविद्यालय में अंक पत्र व बैक पेपर में कूट रचित दस्तावेज के सहारे धोखाधड़ी व हेराफेरी की थी। खब्बू के साथ सपा नेता फूलचंद यादव और चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृपा निधान तिवारी को भी कोर्ट ने फर्जी मार्कशीट केस में दोषी मानते हुए 5-5 साल की सजा और 13-13 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था।

कोर्ट द्वारा सजा का ऐलान होते ही खब्बू तिवारी की विधानसभा सदस्यता खतरे में आ गई थी। कानून के मुताबिक दो साल से अधिक की सजा पर सजा की तारीख से ही सदस्यता समाप्त किए जाने का प्रावधान है। दरअसल, पूरा मामला 1992 से जुड़ा है। साकेत महाविद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य यदुवंश राम त्रिपाठी ने तीन लोगों के खिलाफ फर्जी मार्कशीट के आधार पर एडमिशन लेने का मुकदमा दर्ज करवाया था। आरोपी फूलचंद यादव ने बीएससी प्रथम वर्ष की परीक्षा 1986 में अनुत्तीर्ण रहने और बैक पेपर परीक्षा के उपरांत भी बीएससी द्वितीय वर्ष में प्रवेश लिया था।

सही मूल्य पर हो उर्वरक की बिक्री : नीतीश

पटना, (वार्ता)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज अधिकारियों को राज्य में सही मूल्य पर उर्वरक की बिक्री किये जाने के साथ ही इसके वितरण में किसी भी तरह की अनियमितता न हो, इस पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया। श्री कुमार ने गुरुवार को यहां एक, अणे मार्ग स्थित संकल्प में कृषि विभाग के साथ ही उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में कहा कि अभी कई फसलों की बुवाई का मौसम चल रहा है। किसानों को खाद की किल्लत न हो इसको लेकर सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। केंद्र सरकार से इसको लेकर बात की गई है। अधिकारी भी निरंतर केंद्र सरकार के संपर्क में हैं ताकि खाद की आपूर्ति में किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि सही मूल्य पर उर्वरक की बिक्री हो, इसके वितरण में भी किसी प्रकार की कोई अनियमितता न हो इस पर विशेष नजर रखें। उनकी सरकार किसानों के हित के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि फसलों का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है। किसानों की आमदनी बढ़े, उन्हें हर प्रकार से फायदा हो इसको लेकर सरकार लगातार काम कर रही है। श्री कुमार को कृषि विभाग के सचिव एन. सरवन कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उर्वरक की आवश्यकता, आवंटन, आपूर्ति एवं उपलब्धता को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने रबी 2021-22 में उर्वरकों (यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी) की आवश्यकता एवं आवंटन, रबी 2021-22 का रबी 2020-21 से उर्वरकों की तुलनात्मक स्थिति तथा रबी 2021-22 (अक्टूबर 2021 से 08 दिसंबर 2021 तक) में उर्वरकों की कुल उपलब्धता के संबंध में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री को कृषि सचिव ने बताया कि डीएपी के विकल्प के रुप में एनपीके उर्वरक का उपयोग या एसएसपी और यूरिया के मिक्सचर के रुप में उपयोग तथा उर्वरक के सही मूल्य आदि को लेकर समाचार पत्रों में विज्ञापन दिये जा रहे हैं।

आप की पंजाब इकाई के पूर्व संयोजक छोटेपुर शिअद में शामिल

चंडीगढ़, (वीअ)। आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब इकाई के पूर्व संयोजक सुच्चा सिंह छोटेपुर बृहस्पतिवार को शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गए। आगामी विधानसभा चुनाव में वह पार्टी के टिकट पर बटाला सीट से चुनाव लड़ेंगे। छोटेपुर आप की पंजाब इकाई के संयोजक थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने अगस्त 2016 में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते उन्हें पद से हटा दिया था। उन पर 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले, टिकट पाने के इच्छुक एक व्यक्ति से पैसे लेने का आरोप लगाया गया जिन्हें छोटेपुर ने गलत बताया है। छोटेपुर, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। बादल ने उन्हें ईमानदार राजनेता बाताया और कहा कि उनके पार्टी में शामिल होने से ना केवल माझा क्षेत्र में बल्कि पूरे पंजाब में अकाली दल को मजबूती मिलेगी।

आप की पंजाब इकाई के पूर्व संयोजक सुच्चा सिंह छोटेपुर शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गए। (छाया : एएनआई)

उन्होंने कहा कि छोटेपुर ने पंजाब में आप को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई, लेकिन पार्टी ने उन्हें धोखा दिया। बादल ने कहा, छोटेपुर बटाला विधानसभा सीट पर शिअद-बहुजन समाज पार्टी गठबंधन के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने छोटेपुर को शिअद का वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया।

छोटेपुर ने एक सवाल का जवाब देते हुए आप पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी नेतृत्व की कथनी और करनी में बहुत फर्क है। उन्होंने कहा कि आप उन कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर रही है, जिन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की।

जनरल रावत के निधन पर सैणा में शोक सभा

पौड़ी (उत्तराखंड), (भाषा)। तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर हादसे में मरे देश के पहले प्रधान रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक गांव सैणा में बृहस्पतिवार को जिला प्रशासन, राजनीति से जुड़े लोग और आमजन एकत्रित हुए।

सैणा के निकट बिरमोलीखाल बाजार में आयोजित शोक सभा में भाजपा विधायक ठुतु खंडूरी ने कहा कि जनरल रावत के रूप में भारत ने आज अपना एक रत्न खोया है और राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास के उनके सपने को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र की जनता यहां उनका बड़ा स्मारक बनाने का प्रस्ताव रखती है तो उस पर विचार किया जाएगा।

कांग्रेस के पूर्व विधायक शैलेंद्र रावत ने स्वयं को एक सैनिक परिवार से जुड़ा हुआ बताया और कहा कि वह दिवंगत सैन्य अधिकारी से दो तीन बार मिले हैं उनके सरल स्वभाव और विशाल व्यक्तित्व का अनुभव किया है।

जनरल रावत को देश की शान बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश का हर युवा बिपिन रावत बनना चाहता है। उन्होंने दिवंगत शीर्ष सैन्य अधिकारी के चाचा भरत सिंह रावत के घर पहुंच कर उनके परिवार को सांत्वना भी दी। पौड़ी के जिलाधिकारी डॉ विजय जोगदण्डे ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को बेंगलुरु ले जाया गया

कोयम्बटूर/भोपाल, (भाषा)। तमिलनाडु के कुन्नूर के निकट हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जीवित बचे इकलौते व्यक्ति ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को बेहतर इलाज के लिए बृहस्पतिवार को बेंगलुरू ले जाया गया। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को बेंगलुरु के कमांड अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए कोयम्बटूर से हवाई मार्ग से वहां ले जाया गया।

सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के बाद 80 फीसदी तक झुलसे ग्रुप कैप्टन का वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां उनकी हालत गम्भीर परंतु स्थिर बतायी जा रही थी।

रुस निर्मित हेलीकॉप्टर एमआई- 17वी5 दुर्घटना में रक्षा प्रमुख अध्यक्ष (सीडीएस) बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और सशस्त्र बल के 11 कर्मियों की मौत हो गयी। इस हेलीकॉप्टर में ग्रुप कैप्टन सिंह देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी जनरल रावत की वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज की यात्रा के लिए सम्पर्क अधिकारी के तौर पर मौजूद थे। वह फिलहाल इसी प्रतिष्ठित कॉलेज में इंस्ट्रक्टर के रूप में कार्यरत है।

इस बीच भोपाल निवासी ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के पिता कर्नल (सेवानिवृत्त) केपी सिंह ने फोन पर पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, उन्हें (वरुण को) बेंगलुरु शिफ्ट (स्थानांतरित) किया जा रहा है।

पांचवां महाराजा सूरजमल अंतर्राष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान समारोह 26 को जयपुर में

वीर अर्जुन संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में पांचवां वीर शिरोमणी महाराजा सूरजमल अंतर्राष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान एवं शहीद आदरांजलि समारोह आगामी 26 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित किया जायेगा। यह समारोह जयपुर के विद्याधर नगर क्षेत्र के सेक्टर-4 जाट भवन, राजस्थान जाट संस्थान में प्रातः ग्यारह बजे से प्रारम्भ होगा। समारोह की आयोजक श्री वीर तेजा जाट छात्रावास समिति ब्यावर की संरक्षक एवं राजस्थान विधानसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह में राजस्थान एवं देश की जानी मानी प्रतिभाओं को इस संस्था द्वारा सम्मानित किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष वीरेन्द्र चौधरी एवं समारोह के मीडिया संयोजक आर के चौधरी ने बताया कि समारोह में शहीद परिजनों को सैन्य रत्न, पत्रकारों को पत्रकार रत्न, डाक्टरों को चिकित्सा रत्न, साहित्य लेखकों को साहित्यकार रत्न, महिला सरपंच, प्रधान एवं जिला प्रमुखों को पंचायत रत्न, समाज सेवकों को समाज रत्न, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रतिभा रत्न, सामाजिक संस्थाओं को संस्था रत्न, मार्बल व्यवसाइयों को मार्बल रत्न, किसानों को किसान रत्न से तथा अप्रवासियों को सम्मानित किया जायेगा।

जनरल रावत का निधन राष्ट्र के लिए अपूर्णीय क्षति : महाजन

कुमार सोनी

अमृतसर। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेश महाजन ने भारत के प्रमुख सेनाध्यक्ष विपन रावत और 11 अन्य वीर जवानों के तमिलनाडु के कन्नूर में हुए हेलिकॉप्टर हादसे में हुए निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया है । उन्होंने कहा कि उनका निधन राष्ट्र के लिए अपूर्णीय क्षति हैं सुरेश महाजन ने कहा कि भारत सरकार ने 2019 में उन्हें चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ नियुक्त किया थ िविपन रावत रक्षा के क्षेत्र में एक जांबाज़ सिपाही थे उन्होंने कहा कि पुलवामा हमले के बाद हुई सर्जिकल स्ट्राइक में रावत ने मुख्य भूमिका निभाई थी जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन ऑल आउट में आंतकवादियों का सफाया किया और उनके नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटने के पश्चात स्थिति को नियंत्रित किया गया सुरेश महाजन ने कहा कि वे देश के 27वें सेनाध्यक्ष थे। वह काफी अरसे तक सीमा पर तैनात भी रहे उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण में मुख्य भूमिका निभाई। श्री महाजन ने कहा कि आज कृतज्ञ राष्ट्र की आँखें नम है। सारा देश उनके निधन पर श्रद्धांजली अर्पित कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतन्त्रता के पश्चात जनरल मानिक शाह व जनरल सुंदर जी के पश्चात् यह तीसरे सेनाध्यक्ष रहे, जिन्हें राष्ट्र के लिए की गई सेवाओं के लिए हमेशा याद रखा जाएगा उन्हें शत-शत नमन करते हैं । इस अवसर पर प्रदेश भाजपा सचिव एडवोकेट राजेश हनी, जिला भाजपा महासचिव राजेश कंधारी, जिला मीडिया सचिव संजय कुंद्रा भी उपस्थित थे।

झारखंड में ओमिक्रोन के खतरे को हल्के में न लें, सतर्कता जरूरी : हेमन्त सोरेन

रांची, (वार्ता)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कोविड-19 के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के संभावित खतरे को मद्देनजर रखते हुए हर स्तर पर अलर्ट रहें।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ राज्य में कोरोना संक्रमण की अद्यतन स्थिति एवं नए वेरिएंट ओमिक्रोन से बचाव को लेकर राज्य सरकार द्वारा की जा रही तैयारियों के संबंध में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि कोरोना संक्रमण का नया वेरिएंट राज्य में पैर नही पसार सके इस निमित्त पूरी तैयारी रखें। राज्य में कोरोना प्रोटोकॉल का हर हाल में पालन हो यह सुनिश्चित करें।

कोविड वैक्सीनेशन कार्य में तेजी लाएं। कोरोना संक्रमण से बचने का कारगर उपाय सिर्फ और सिर्फ टीकाकरण ही है। जिन लोगों ने पहला डोज नहीं लिया है, उनका पहला डोज लगाएं तथा जिन लोगों को दूसरा डोज नहीं लगा है, वे ससमय दूसरा डोज लगा लें, यह हर हाल में सुनिश्चित करें। राज्य में 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों का शत प्रतिशत टीकाकरण कार्य सुनिश्चित हो यह राज्य सरकार का लक्ष्य है। 20 जनवरी 2022 तक शत प्रतिशत टीकाकरण कार्य के लक्ष्य को पूरा करें। अधिकारी कोविड टीकाकरण कार्य में हर हाल में तेजी लाने का प्रयास करें। जिन राज्यों में शत प्रतिशत टीकाकरण कार्य हो चुके हैं, उन राज्यों के टीकाकरण मॉडल की जानकारी प्राप्त कर एक बेहतर कार्य योजना बनाएं।

श्री सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के हरेक पंचायत मुख्यालयों में स्थायी वैक्सीनेशन सेंटर स्थापित करें। सभी सेंटरों में वैक्सीनेशन टीम की प्रतिनियुक्ति करें। आवश्यकता अनुसार वैक्सीनेशन टीम पंचायत स्थित विभिन्न गांवों में घर-घर जा कर छूटे हुए लोगों का पहला एवं दूसरा डोज लगाने का काम प्राथमिकता के तौर पर करें।

टीएमयू का कम्प्यूटिंग साइंसेज कॉलेज रचेगा स्वर्णिम इतिहास

प्रो.श्याम सुंदर भाटिया/डॉ.संदीप वर्मा

नई दिल्ली, (वीअ)। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी का फ़ैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड कम्प्यूटिंग साइंसेज़- एफओईसीएस इतिहास रचने जा रहा है, क्योंकि एफओईसीएस की यह सालाना इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस - स्मार्ट-2021 10वीं बार होगी। यह कॉन्फ्रेंस 10 और 11 दिसंबर को यूनिवर्सिटी कैंपस में ब्लेंडेड मोड में होगी। सिस्टम मॉडलिंग एंड एडवांसमेंट इन रिसर्च ट्रेंड्स-स्मार्ट 2021 में टीएमयू के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन की गरिमामयी मौजूदगी रहेगी तो कॉन्फ्रेंस के पहले दिन आईजी-एटीएस, लखनऊ डॉ. जी के गोस्वामी मुख्य

अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। मुरादाबाद के एसएसपी श्री बबलू कुमार गेस्ट ऑफ ऑनर होंगे तो विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा के कुलपति एंड टीएमयू के फाउंडर वीसी प्रो आर.के. मित्तल मुख्य वक्ता होंगे। कॉन्फ्रेंस में टीएमयू के कुलपति प्रोफेसर रघुवीर सिंह की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रहेगी। कॉन्फ्रेंस चेयर और मुख्य वक्ता वोल्गोग्राड राज्य तकनीकी विश्वविद्यालय, रूस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. डेनिला पैरिगिन, जनरल चेयर एवं मुख्य वक्ता आईआईआईटी, इलाहाबाद के आईटी विभाग के सेक्शन चेयर डॉ. सतीश कुमार सिंह भी वर्चुअली जुड़ेंगे।

उद्घाटन सत्र के दौरान कॉन्फ्रेंस जनरल चेयर एवं एफओईसीएस के निदेशक एवं प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार द्विवेदी कॉन्फ्रेंस की थीम प्रस्तुत करेंगे। टीएमयू के रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य शर्मा और टीएमयू की एसोसिएट डीन डॉ. मंजुला जैन भी व्याख्यान देंगे। फर्स्ट डे वोट ऑफ थैंक्स असिस्टेंट डायरेक्टर-प्लेसमेंट श्री विक्रम रैना देंगे जबकि सेकेंड डे प्रो. आरसी त्रिपाठी मेहमानों और प्रतिभागियों का शुक्रिया अदा करेंगे।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रोसीडिंग का विमोचन भी किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस के 16 तकनीकी सत्रों में देश-विदेश के रिसर्चर्स ऑनलाइन और ऑफलाइन 134 शोध पत्र पढ़ेंगे। कॉन्फ्रेंस के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

नदियों को जोड़ने की केन-बेतवा परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए वरदान : चौहान

भोपाल (ब्यूरो मप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नदियों को जोड़ने की केन-बेतवा परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी देने का स्वागत करते हुए कहा कि यह परियोजना प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए वरदान है और एक नया सवेरा भी है।

चौहान ने यहां एक बयान जारी कर कहा, 44,605 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के पूरा होने पर मध्य प्रदेश के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, सागर, दतिया, शिवपुरी, विदिशा और रायसेन जिले लाभान्वित होंगे। साथ ही 103 मेगावॉट जल विद्युत और 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पन्न होगी। परियोजना से बुंदेलखंड में भी खुशहाली और सम्पन्नता आएगी। उन्होंने कहा, इससे प्रदेश के सूखाग्रस्त बुंदेलखंड इलाके में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा तथा खुशहाली आएगी और जल संकट से प्रभावित इलाके की आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केन-बेतवा नदी को आपस में जोड़ने की परियोजना के लिये वित्त पोषण तथा क्रियान्वयन को मंजूरी दी है। चौहान ने कहा कि परियोजना के लिये केंद्रीय समर्थन के रूप में 39,317 करोड़ रुपये, सहायक अनुदान के रूप में 36,290 करोड़ रुपये और ठुण के रूप में 3,027 करोड़ रुपये की धनराशि को मंजूर किया गया है। यह परियोजना भारत में नदियों को आपस में जोड़ने की अन्य परियोजनाओं का भी मार्ग प्रशस्त करेगी।परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए मध्यप्रदेश शासन, उत्तरप्रेदश शासन और प्रधानमंत्री की उपस्थिति में त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने के बाद ही शुरू हो सका राम मंदिर निर्माण : सिंह

बलिया (उत्तर प्रदेश), (वीअ)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता में नहीं होते तो अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं होती। सिंह ने रसडा के मथुरा डिग्री कॉलेज के मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर देश और राज्य का अपमान करने और भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं होते तो अयोध्या में भगवान राम का मंदिर नहीं बनता। उन्होंने यह भी दावा किया कि देश में ईमानदार नेता सिर्फ भाजपा के पास ही हैं।

सिंह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेन्द्र मोदी जैसे नेता इसके उदाहरण हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, लक्ष्मीजी , बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के हाथी, समाजवादी पार्टी (सपा) की साइकिल और कांग्रेस के हाथ के पंजे पर बैठकर नहीं आती हैं।

मकान के कब्जा विवाद में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को नोटिस

प्रयागराज, (वीअ)। नगर की कालिंदीपुरम आवास योजना में एक मकान के कब्जे के विवाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सोमवार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति मनोज गुप्ता और न्यायमूर्ति ओ.पी. त्रिपाठी की पीठ ने विष्णु मूर्ति त्रिपाठी नाम के एक व्यक्ति याचिका पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया। पीठ ने मौर्य को इस याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले में अब 10 जनवरी, 2022 को आगे सुनवाई होगी।

इससे पूर्व, छह अक्टूबर, 2021 को अदालत को अवगत कराया गया था कि याचिकाकर्ता को उसके मकान नंबर जीआई 456 ईडब्लूएस, बसेरा कालिंदीपुरम आवास योजना से छह जून, 2018 को सरकारी तंत्र के हस्तक्षेप से बेदखल कर दिया गया। याचिकाकर्ता ने अपनी इस दलील के पक्ष में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को 14 मार्च, 2018 को भेजा गया पत्र रखा जिसमें यह उल्लेखित है कि प्रतिवादी ने कुछ जांच रिपोर्ट के आधार पर उस मकान का कब्जा लेने के लिए अनुरोध किया है और एसएसपी को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले सैन्यकर्मी के पंजाब के गांव में शोक

तरनतारन, (भाषा)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत एवं सैन्यकर्मियों को लेकर जा रहे एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में जान गंवाने वालों में नायक गुरसेवक सिंह भी शामिल हैं। इसके बाद यहां के डोडे सोढियां गांव में मातम है। गुरसेवक सिंह छुट्टी के बाद दो हफ्ते पहले ही ड्यूटी पर लौटे थे। बुधवार को हुए हादसे में सीडीएस और 12 अन्य की मौत हो गई थी। गांव के सरपंच गुरबाज सिंह ने कहा कि उनकी पत्नी जसप्रीत कौर कई हफ्तों से बीमार हैं और शुरुआत में उन्हें इस घटना के बारे में नहीं बताया गया था, उन्हें बृहस्पतिवार सुबह इस बारे में पता चला तो वह बेहोश हो गई। जसप्रीत कौर ने कहा कि उनके पति अपनी बेटियों सिमरतदीप कौर (नौ) और गुरलीन कौर (सात) से बहुत प्यार करते थे और ऐसा कोई दिन नहीं होता था जब वह उनसे बात नहीं करते थे।

कार से टक्कर मारकर घायल किए शख्स को अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़ियों में फेंका

जींद (हरियाणा), (वीअ)। हरियाणा के जींद जिले में एक कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार जख्मी हो गया। घटना के बाद मौके पर जमा हुए लोगों के दबाव में चालक ने घायल को अस्पताल ले जाने के लिए अपनी कार में बैठाया लेकिन रास्ते में उसे कथित रूप से झाड़ियों में फेंकर फरार हो गया

रामनगर निवासी अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने भाई सुनील के साथ बाइक से खेत में जा रहा था। जब वे सीआरएसयू के निकट रोहतक रोड बाईपास पर पहुंचे तो तेज रफ्तार से आ रही एक कार उनकी बाइक को टक्कर मार दी जिसमें उसका भाई सुनील जख्मी हो गया।

उसने बताया कि गाडी चालक ने भागने की कोशिश की तो राहगीरों ने उसे पकड लिया, जिस पर चालक उसके घायल भाई अनिल को सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाने के लिए अपनी कार में ले गया।

उसने आरोप लगाया कि कार चालक उसके भाई को अस्पताल ले जाने की बजाय गांव अशरफगढ़ के निकट झाडयिों में फेंक कर फरार हो गया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि किसी व्यक्ति ने घायल के झाडियों में पडा होने की सूचना पुलिस को दी, जिन्होंने अनिल को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से चिकित्सकों ने उसे पीजीआई रोहतक रैफर कर दिया।

ममता ने पुलिस से कहा कि बीएसएफ को अधिकार क्षेत्र सीमा का उल्लंघन करने से रोकें

कृष्णनगर (पश्चिम बंगाल), (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है और बांग्लादेश की सीमा से लगते नादिया जिले की पुलिस को निर्देश दिया कि बीएसएफ को उसके अधिकार क्षेत्र के बाहर के इलाकों में प्रवेश करने से रोकें।

उन्होंने यहां हुए एक प्रशासनिक बैठक में जिले के पुलिस अधिकारियों से कहा कि नाका जांच करें और अतिरिक्त निगरानी बरतें। बनर्जी ने कहा, मैं प्रभारी निरीक्षकों से कहूंगी कि अपनी निगरानी बढ़ाएं और नाका जांच करें। करीमपुर से बांग्लादेश के साथ लगती सीमाएं हैं। आपको उन पर भी नजर रखना होगा...।

उन्होंने कहा, आपको यह भी देखना होगा कि बीएसएफ आपकी अनुमति के बगैर गांवों में नहीं घुस पाए और कुछ नहीं कर पाए। बीएसएफ अपना काम करेगा और आप अपना काम कीजिए। याद रखिए कानून-व्यवस्था आपका विषय है।

पिछले कुछ दिनों से बनर्जी ने चार अन्य जिलों में प्रशासनिक समीक्षा बैठकों को संबोधित किया और पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया है कि बीएसएफ को उसके अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन नहीं करने दें और राज्य के कानून-व्यवस्था के मामलों में उसे संलिप्त नहीं होने दें। उत्तर दिनाजपुर जिले के रानीगंज में मंगलवार को प्रशासनिक बैठक के दौरान बनर्जी ने हाल में नगालैंड में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में 14 लोगों के मारे जाने का जिक्र किया और आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जैसे जिलों में बीएसएफ अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर के गांवों में घुस जाता है।

औषध शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (संशोधन) विधेयक संसद से पारित

वीर अर्जुन समाचार ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद ने राष्ट्रीय औषध शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (संशोधन) विधेयक 2021 बृहस्पतिवार को मंजूरी प्रदान कर दी जिसमें देश में इस तरह के छह संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देने और फार्मा क्षेत्र में अनुसंधान को बढावा देने के प्रावधान किए गए हैं।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि यह विधेयक राष्ट्रीय औषध शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान को मजबूती प्रदान करेगा, शोध को महत्व देगा और देश की आवश्यकताओं को पूरी करेगा। विधेयक पर चर्चा के बाद उच्च सदन ने इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। इससे पहले मांडविया ने आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ सरकारें जब काम करती हैं तो उसके अच्छे परिणाम भी दिखते हैं। उन्होंने कुछ सदस्यों की मांग का संज्ञान लेते हुए कहा कि संस्थान के संचालक मंडल में अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के साथ ही एक महिला का भी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। चर्चा के दौरान कई सदस्यों ने इसमें ओबीसी एवं अजा एवं अजजा वर्ग के सदस्यों को प्रतिनिधित्व देने की मांग की थी। कोविड काल में देश में आवश्यक दवाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने फार्मा उद्योग से जुडे लोगों के प्रति आभार जताया और कहा

राष्ट्रीय औषध शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (संशोधन) विधेयक पर चर्चा का राज्यसभा में जवाब देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया। (छाया : एएनआई)

कि देश के लिए गर्व बात है कि कोविड-19 रोधी टीकों को दोनों खुराक 52 प्रतिशत लोगों को दे दी गई है जबकि 85 प्रतिशत लोगों को पहली खुराक दे दी गई है। मांडविया ने कहा कि अमरीका में उपलब्ध कराई जा रही 40 प्रतिशत से अधिक जेनेरिक दवाएं भारत में ही बनती हैं और भारत में भी बडी संख्या में लोग इसका उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित कराने हरसंभव कदम उठाए जा रही है। इससे पहले, विधेयक को चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि देश में फार्मा एक विकसित क्षेत्र बन गया है। उन्होंने कहा कि इस समय करीब 10 हजार से अधिक फार्मा कंपनी भारत में हैं और कई भारतीय कंपनियां विश्व में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की तरह काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अब इस बात की आवश्यकता महसूस की जा रही है कि भारत की जरूरत के अनुसार फार्मा क्षेत्र में विकास और अनुसंधान कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा कि फार्मा क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के मकसद से राष्ट्रीय फार्मास्यूटिक्लस शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान को स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा कि पहले इस संस्थान को पंजाब के मोहाली में स्थापित किया गया था और बाद में देश में ऐसे छह और संस्थान खोले गये। उन्होंने कहा कि इस संशोधन विधेयक का मकसद फार्मा शिक्षा में समन्वय लाना है।पंजाब के मोहाली स्थित राष्ट्रीय औषध शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान पहले ही घोषित कर दिया था। मौजूदा संशोधन विधायक में अहमदाबाद, हाजीपुर, गुवाहाटी, हैदराबाद, रायबरेली और कोलकाता में ऐसे संस्थान को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देने का प्रावधान है। विधेयक में औषधि शिक्षा में अनुसंधान, एकीकृत पाठ्यक्रम लाने के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट डिग्री जैसे पाठ्यक्रमों का विस्तार करने की बात कही गई है।

दक्षिण चीन सागर पर दावा जताने वाले देश चीनी हैकर्स के निशाने पर रहे : रिपोर्ट

बैंकॉक, (एपी)। चीन के संभावित रूप से सरकार प्रायोजित हैकर्स दक्षिणपूर्व एशिया में सरकार और निजी क्षेत्र के संगठनों को व्यापक रूप से निशाना बना रहे हैं, इनमें बुनियादी ढांचे के विकास की परियोजनाओं पर बीजिंग के साथ करीबी रूप से संलिप्त संगठन भी शामिल हैं। अमेरिका स्थित एक निजी साइबर सुरक्षा कंपनी ने बुधवार को जारी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। मैसाच्युसेट्स स्थित रिकॉर्डेड फ्यूचर के चेतावनी अनुसंधान मंडल इन्सिक्ट ग्रुप के अनुसार, हैकर्स के खास निशाने पर थाईलैंड का प्रधानमंत्री कार्यालय और सेना, इंडोनेशिया और फिलीपीन की नौसेनाएं, वियतनाम की नेशनल असेंबली और उसकी कम्युनिस्ट पार्टी का केंद्रीय कार्यालय तथा मलेशिया का रक्षा मंत्रालय है। समूह ने बताया कि दक्षिणपूर्व एशिया में हाई प्रोफाइल सैन्य और सरकारी संगठन को हैकर्स ने फनीड्रीम और चिनोक्सी जैसे सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर निशाना बनाया। ये सॉफ्टवेयर सार्वजनिक रूप से उपलबध नहीं हैं लेकिन ऐसा माना जाता है कि चीन के सरकार प्रायोजित कई समूह इसका इस्तेमाल करते हैं।

संक्षिप्त

भारतीय नौका ने बचाई चार श्रीलंकाई मछुआरों की जान

कोलंबो, (भाषा)। मछली पकड़ने वाले एक भारतीय जहाज ने चार श्रीलंकाई मछुआरों की जान बचाई, उनकी नौका गहरे पानी में फंस गई थी। भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारतीय मिशन ने दोनों देशों के बीच सद्भावना एवं दोस्ती को रेखांकित करते हुए बताया कि श्रीलंका की मछली पकड़ने वाली नौका लूलू-01, पंजीकरण संख्या आईएमयूएल-ए-0039-टीएलई दो दिसंबर 2021 को गहरे पानी में फंस गई थी।

डेनमार्क में गोपनीय खुफिया जानकारी का खुलासा करने वाले चार गिरफ्तार

कोपेनहेगन, (एपी)। डेनमार्क की सुरक्षा सेवा ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसने खुफिया एजेंसियों से जुड़े चार लोगों को बेहद गोपनीय जानकारी का खुलासा करने के संदेह में गिरफ्तार किया। एक संक्षिप्त बयान में डेनिश सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विस (पीईटी) ने बताया कि ये चार लोग दो खुफिया सेवाओं के मौजूदा और पूर्व कर्मचारी हैं। डेनमार्क की एक और खुफिया एजेंसी डेनिश डिफेंस इंटेलिजेंस सर्विस है जिसका संक्षिप्त नाम एफई है।

ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

वेलिंगटन (ऑस्ट्रेलिया), (एपी)। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री बरनबी जॉयस ने बृहस्पतिवार को बताया कि वह अमेरिका में वाशिंगटन की यात्रा के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए। जॉयस का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर पोस्ट कर बताया कि उन्हें संक्रमण के हल्के लक्षण महसूस हो रहे थे इसलिए उन्होंने जांच कराने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल में मौजूद शेष सदस्यों में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

पाक में ओमीक्रोन स्वरूप का पहला संदिग्ध मामला आया

कराची, (भाषा)। पाकिस्तान में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण का पहला संदिग्ध मामला सामने आया है। कराची की महिला के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित होने की आशंका जतायी गई है। सिंध प्रांत की स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अजरा फजल पुचुहो ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुष्टि के लिए जीनोम जांच करायी जा रही है। उन्होंने मीडिया से कहा, कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज के नमूने की जीनोमिक जांच पूरी नहीं हुई है लेकिन संक्रमण के लक्षणों को देखकर लगता है कि यह ओमीक्रोन है।

चीन को ग्वादर में सैन्य अड्डा देने की कोई पेशकश नहीं की गई : पाकिस्तानी एनएसए

कराची, (भाषा)। पाकिस्तान ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ग्वादर बंदरगाह में चीन को कोई सैन्य अड्डा देने की पेशकश नहीं की है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने यह बात कही।

उन्होंने दोहराया कि कोई भी देश चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा ।सीपीईसी। परियोजना में 60 अरब डॉलर का निवेश कर सकता है और हमारे दरवाजे किसी के लिये बंद नहीं हैं। अरब सागर से सटे ग्वादर बंदरगाह को सीपीईसी का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। यूसुफ ने बीबीसी के हार्डटॉक कार्यक्रम के लिये स्टीफन सैकर को दिये साक्षात्कार में कहा, पाकिस्तान में चीन के आर्थिक आधार हैं, जहां दुनिया का कोई भी देश निवेश कर सकता है ... वही संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और मध्य पूर्व को भी यह पेशकश की जाती है। हमारे दरवाजे सभी देशों के लिए खुले हैं। गौरतलब है कि ग्वादर में पिछले महीने अनावश्यक चौकियों, पानी और बिजली की भारी कमी तथा अवैध रूप से मछली पकडने के खिलाफ बडे पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ये विरोध प्रदर्शन ग्वादर में चीन की मौजूदगी पर बढते असंतोष के तहत हुए। चीन का बंदरगाह 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे ।सीपीईसी। का एक अभिन्न अंग है। सीपीईसी चीन की कई अरब डॉलर की बेल्ट एंड रोड पहल की प्रमुख परियोजना है। भारत सीपीईसी को लेकर चीन के समक्ष विरोध दर्ज करा चुका है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर ।पीएओके। से होकर गुजरता है। इस परियोजना के तहत पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोडा जाएगा। यूसुफ ने चीन को इस्लामाबाद का करीबी दोस्त बताया। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान ने चीन के साथ घनिष्ट संबंध विकसित करने के लिये दुनिया भर के और विशेष रूप से शिनजियांग के मुसलमानों के लिये आवाज उठाने के प्रयासों को दांव पर लगा दिया है तो यूसुफ ने कहा कि पाकिस्तान शिनजियांग में मुसलमानों के खिलाफ कथित अत्याचारों की पश्चिमी धारणा से सहमत नहीं है। उन्होंने कहा, चीन के साथ हमारे भरोसेमंद संबंध हैं और यहां से हमारे राजदूत और अन्य प्रतिनिधिमंडल भी शिनजियांग प्रांत गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिमी देशों को चीन से कोई समस्या है, तो उन्हें इस बारे में बीजिंग से बात करनी चाहिए।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन की पत्नी ने बेटी को जन्म दिया

लंदन, (भाषा)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की पत्नी कैरी ने बेटी को जन्म दिया है। दंपति की यह दूसरी संतान है। दंपति के एक प्रवक्ता ने बताया कि कैरी ने बृहस्पतिवार तडके लंदन के एक अस्पताल में बेटी को जन्म दिया। प्रवक्ता ने कहा, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। दंपति राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ।एनएचएस। की मातृत्व टीम को उनकी देखभाल के लिए शुक्रिया कहना चाहते हैं। प्रधानमंत्री जॉनसन ।57। की यह सातवीं संतान है। इससे पहले कैरी ने पिछले साल अप्रैल में एक बेटे को जन्म दिया था। उसका नाम विलफ्रेड है। कैरी ने घर में नए बच्चे के आगमन के बारे में जुलाई में इंस्टाग्राम पर बताया था। एक पोस्ट में कैरी ने कहा था कि इस साल उन्हें एक बार गर्भपात भी हुआ। कैरी ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, इस क्रिसमस पर शिशु के आगमन की उम्मीद है। वर्ष की शुरुआत में गर्भपात से मेरा दिल टूट गया। एक बार फिर से गोद भरने से मैं बहुत खुश हूं। घबरा भी रही हूं। प्रधानमंत्री जॉनसन ने इस साल मई में कैरी से शादी की थी। जॉनसन की यह तीसरी शादी है। इससे पहले भारतीय मूल की मरिना व्हीलर से जॉनसन का तलाक हो गया था। व्हीलर से जॉनसन को चार बच्चे हैं। कंसलटेंट हेनल मैकिनटायर से भी जॉनसन को एक बच्चा है। जॉनसन को अपनी पहली पत्नी एलीग्रा मोस्टिल ओवेन से कोई बच्चा नहीं है।

म्यांमार की सेना ने जवाबी हमले में 11 ग्रामीणों को जलाकर मार डाला : खबर

बैंकॉक, (एपी) म्यांमार के उत्तर-पश्चिम हिस्से में सरकारी सैनिकों ने सेना के एक काफिले पर हमले के प्रतिशोध में एक गांव पर छापेमारी की, कुछ लोगों को पकडा, उनके हाथ बांध दिए और फिर उन्हें जिंदा जला दिया। यह जानकारी प्रत्यक्षदर्शियों और कुछ अन्य खबरों में दी गई है।

सगाइंग क्षेत्र के डोने ताव गांव में जले हुए शवों की तस्वीरें और वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। ऐसा कहा जा रहा है कि ग्रामीणों की हत्या कर उन्हें आग के हवाले करने के तुरंत बाद ही उन तस्वीरों को लिया गया था। हालांकि, अभी तक इन तस्वीरों और वीडियो की कोई पुष्टि नहीं हुई है। मंगलवार को हमले के बाद सोशल मीडिया पर आए वीडियो में 11 ग्रामीणों के जले हुए शव दिख रहे हैं। माना जा रहा है कि इनमें कुछ किशोर भी थे।

समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ।एपी। को एक व्यक्ति ने बताया कि वह घटनास्थल पर गया था और वहां वैसा ही नजारा था, जैसा कि स्वतंत्र म्यांमार मीडिया द्वारा बताया गया है। सरकार ने इस बात से इंकार किया है कि इलाके में उसके सैनिक थे।

डोने ताव इलाके में हत्या की घटना की म्यांमार की भूमिगत नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट ने निंदा की है। यह संगठन सैन्य सरकार के स्थान पर खुद को देश की वैकल्पिक सरकार बताता है। संगठन के प्रवक्ता सासा ने कहा कि सैन्य काफिले पर सडक किनारे बम से हमला हुआ था और सैनिकों ने डोने ताव में पहले गोलीबारी कर, फिर गांव पर हमला कर और फिर जो भी सामने आया उसे पकडकर बदला लिया। उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों की उम्र 14 वर्ष से 40 वर्ष के बीच थी।

यदि इस घटना की पुष्टि हो जाती है, तो यह फरवरी में आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को बेदखल कर सेना के सत्ता की बागडोर अपने हाथ में लेने के बाद से देश में हो रही हिंसक कार्वाई का एक और उदाहरण होगा। तख्तापलट के बाद शुरुआत में सडकों पर अहिंसक प्रदर्शन किए जा रहे थे, लेकिन पुलिस तथा सैनिकों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर भीषण बल का इस्तेमाल करने और सैन्य शासन के विरोधियों के आत्मरक्षा के लिए हथियार उठाने से हिंसा भडक गई। चश्मदीद ने एपी को बताया कि करीब 50 सैनिक मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे गांव पहुंचे और हर उस शख्स को उन्होंने पकड लिया, जो वहां से भागने में असफल रहा।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता, दो अन्य को तियानमेन जुलूस के आयोजन का दोषी ठहराया गया

हांगकांग, (एपी)। हांगकांग के प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता जिमी लाई और दो अन्य को बीजिंग के कड़े राजनीतिक नियंत्रण के बीच शहर में असंतोष फैलाने और पिछले साल के प्रतिबंधित तियानमेन कैंडल लाइट जुलूस में उनकी कथित भूमिका के लिए बृहस्पतिवार को दोषी ठहराया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन वर्तमान में निष्क्रिय पड़े संगठन हांगकांग एलायंस इन सपोर्ट ऑफ पैट्रियटिक डेमोक्रेटिक मूवमेंट्स ऑफ चाइना के उपाध्यक्ष चाउ हांग-तुंग ने किया था। उन्हें और कार्यकर्ता एवं पूर्व रिपोर्टर ग्वेनेथ हो को लाइ के साथ 2020 में कैंडल लाइट जुलूस में शामिल होने या दूसरों को उकसाने के लिए दोषी ठहराया गया। वे उन 24 कार्यकर्ताओं में शामिल हैं, जिन पर पिछले साल चार जून को पुलिस की चेतावनी के बावजूद कानून तोड़कर विक्टोरिया पार्क में अनधिकृत रूप से जमा होने तथा कार्यक्रम के आयोजन में उनकी भूमिका के लिए आरोप लगाये गये थे। कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों ने पार्क में जमा होकर मोमबत्तियां जलाईं और पार्क में गाने गाए। हांगकांग एलायंस, 1989 में बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर पर लोकतंत्र के लिए प्रचार कर रहे प्रदर्शनकारियों पर खूनी कार्वाई की याद में हर साल चार जून को शहर के विक्टोरिया पार्क में कैंडल लाइट जुलूस का आयोजन करता था। पिछले साल अधिकारियों ने कोविड महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों, नियमों और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों का हवाला देते हुए तीन दशकों में पहली बार विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया था।

अमेरिका ने कंबोडिया पर हथियार प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया

बैंकॉक, (एपी)। अमेरिका ने कंबोडिया की सरकार और सशस्त्र बलों में चीनी सेना के बढ़ते प्रभाव, भ्रष्टाचार और मानवाधिकारों के हनन के गहरे होने का हवाला देते हुए दक्षिण पूर्वी एशियाई देश पर हथियार प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। रक्षा संबंधी वस्तुओं और सेवाओं पर विदेश एवं वाणिज्य मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए अतिरिक्त प्रतिबंध बृहस्पतिवार को प्रकाशित और प्रभावी होंगे। फेडरल रजिस्टर में एक नोटिस में कहा गया है कि कंबोडिया में घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों के विपरीत हैं। नोटिस में कहा गया है कि प्रतिबंध का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कंबोडिया की सेना और सैन्य खुफिया सेवाओं को रक्षा-संबंधी सामग्रियों की आपूर्ति अमेरिका सरकार की अग्रिम समीक्षा के बिना उपलब्ध नहीं हों।

भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के मजबूत समर्थक थे जनरल रावत : अमेरिका

वाशिंगटन, (भाषा)। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत एक असाधारण नेता, एक महत्वपूर्ण भागीदार और भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के मजबूत समर्थक थे तथा उन्होंने दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी को मजबूत करने में मदद की थी।

गौरतलब है कि बुधवार को तमिलनाडु में कुन्नूर के समीप भारतीय वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और 11 अन्य लोगों की मौत हो गयी। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों को मजबूत करने में जनरल रावत की भूमिका की सराहना की। ब्लिंकन ने कहा, भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल रावत, उनकी पत्नी और सहकर्मियों की दुर्घटना में हुई मौत पर मैं गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। हम

हेलीकाप्टर हादसे में मारे गए सीडीएस बिपिन रावत। (फाइल फोटो)

जनरल रावत को एक असाधारण नेता के तौर पर याद रखेंगे जिन्होंने देश की सेवा की और अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में योगदान दिया। रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने कहा, जनरल रावत ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी पर एक अमिट छाप छोड़ी है और वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं के एकीकृत युद्धक क्षमता वाले संगठन के रूप में उभरने में केंद्रीय भूमिका में थे। ऑस्टिन ने कहा कि उन्हें इस साल की शुरुआत में जनरल रावत से मिलने का मौका मिला था और वह उन्हें महत्वपूर्ण भागीदार तथा अमेरिका का मित्र मानते हैं।

जनरल की मृत्यु पर नेपाल ने जताया दुख

काठमांडू, (भाषा)। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु पर दुख जताया और भारत सरकार व शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। देउबा ने ट्वीट कर कहा, जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी तथा कई अन्य रक्षा अधिकारियों की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु से काफी दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवार और भारतीय शस्त्र सेनाओं के प्रति मेरी संवदेना है। भारतीय वायुसेना के एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर के बुधवार को तमिलनाडु के कुन्नूर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्यकर्मियों की मृत्यु हो गई।

जनरल रावत एक अनुभवी नेतृत्वकर्ता और इजराइल के सच्चे मित्र थे : बेनेट

यरुशलम, (भाषा)। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत को अनुभवी नेतृत्वकर्ता और उनके देश का सच्चा मित्र बताया। तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें जनरल रावत, उनकी पत्नी और सशस्त्र बलों के 11 अन्य कर्मियों की मृत्यु हो गई थी। इजराइल के शीर्ष नेतृत्व ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जनरल रावत के अकस्मात निधन पर भारत सरकार और लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री बेनेट ने ट्वीट किया, भारत में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। उन्होंने कहा, जनरल बिपिन रावत महान नेतृत्वकर्ता और इजराइल के सच्चे मित्र थे। इस कठिन घड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों को इस दुख को सहन करने की ताकत मिले। पूर्व में इजराइल के रक्षा बलों के चीफ ऑफ स्टॉफ के रूप में कार्य कर चुके रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने भी संवेदना व्यक्त की।

ईरान के परमाणु ठिकानों को लेकर चर्चा करेंगे अमेरिका -इजरायल

वाशिंगटन, (वार्ता/ स्पूतनिक)। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने की तैयारी के लिए सैन्य अभ्यास करने की संभावित योजनाओं पर गुरुवार को चर्चा करेंगे। रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।अमेरिकी रक्षा विभाग ने इस मामले में पूछे गये प्रश्न का अभी जवाब नहीं दिया है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने इससे पहले बुधवार को कहा था कि श्री ऑस्टिन और इजरायली रक्षा मंत्री ईरान की उकसाने वाली परमाणु नीतियों पर चर्चा करेंगे। श्री किर्बी ने इस चर्चा के बारे में इससे अधिक जानकारी नहीं दी है।

हिंद महासागर में चीनी नौकाओं को अवैध रूप से टूना मछलियां पकड़ते देखा गया

मियामी (अमेरिका), (एपी)। चीनी पोतों को हिंद महासागर में अपनी अनियमित गतिविधियां बढ़ाते हुए टूना मछलियों को अवैध रूप से पकड़ने के लिए बड़े जालों का इस्तेमाल करते पाया गया है। नॉर्वे के एक निगरानी समूह की नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट में समुद्रों में मरीन प्रजातियों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अभाव को रेखांकित किया गया है। ट्रगि मैट ट्रैकिंग (टीएमटी) द्वारा बुधवार को प्रकाशित रिपोर्ट में पाया गया कि हिंद महासागर में मछलियां पकड़ने वाले पोतों की संख्या 2016 के बाद से छह गुना बढ़ गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ओमान और यमन के तट के निकट देखे गए पोतों में अधिकतर पर चीनी झंडा लगा हुआ है।

मछलियां पकड़ने वाली चीन की पोतों का विदेशी बेड़ा दुनिया में सबसे बड़ा है और चीन दुनिया भर में अवैध, बिना सूचना दिए और अनियमित तरीके से मछलियां पकड़ने के आरोपों से घिरा हुआ है। टीएमटी ने मछलियां पकड़ने के सभी पोतों को बड़े जालों के साथ पाया, जिनका इस्तेमाल मछलियां पकड़ने के अन्य माध्यमों से अधिक हानिकारक माना जाता है, क्योंकि इससे वे प्रजातियां भी जाल में फंस जाती है, जिन्हें पकड़ने का लक्ष्य नहीं होता है।

ड्रोन के जरिए पोतों के जालों में फंसी अन्य मछलियों के बीच टूना मछलियों को भी देखा गया। इस मौसम में इलाके में पाए गए 341 पोतों में से किसी ने भी अंततराष्ट्रीय जल में मछलियां पकड़ने की गतिविधि को नियमित करने वाले हिंद टूना आयोग या आईओटीसी से टूना पकड़ने की अनुमति नहीं ली थी। टीएमटी ने कहा कि क्षेत्र में सक्रिय पांच पोतों को बाद में 30 मीट्रकि टन स्किपजैक और येलोफिन टूना के साथ पाकिस्तान स्थित एक बंदरगाह पर बुलाया गया। आईओटीसी वर्षों से इन टूना मछलियों को बड़ी संख्या में पकड़े जाने की गतिविधियों के बाद उनकी संख्या फिर से बढ़ाने की कोशिश कर रही है। टीएमटी ने जिन चीनी पोतों का जिक्र किया है, उनमें से कुछ का दुनिया के अन्य हिस्सों में भी अवैध गतिविधियां करने का इतिहास रहा है और उन्हें ओमान एवं यमन की सीमाओं के करीब जाते देखा गया, जहां उन्हें मछली पकड़ने की अनुमति नहीं थी।

हसीना ने किया रोकेया पदक का वितरण

ढाका, (वार्ता)। बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पांच प्रतिष्ठित महिलाओं को बेगम रोकेया पदक-2021 वितरित किया। ढाका के उस्मानी मेमोरियल ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वह अपने आधिकारिक निवास गणभवन से वर्चुअल तरीके से कार्यक्रम संग जुड़ीं और पुरस्कारों का वितरण किया। समारोह में प्रधानमंत्री की ओर से बंगलादेश अवामी लीग की नेता और महिलाओं एवं बच्चों के मामलों के राज्य मंत्री फजीलतुन नेस्सा इंदिरा ने पदक का वितरण किया। महिला एवं बाल मामलों के मंत्रालय ने 'बेगम रोकैया दिवस' के अवसर पर समारोह का आयोजन किया था। प्रोफेसर हसीना जकारिया (बेला), अर्चना विश्वास, शमसुन्नहर रहमान परन (मरणोपरांत), महिला शिक्षा साहित्य और संस्कृति के माध्यम से महिलाओं के लिए क्रांति लाने वालीं प्रोफेसर डॉ जीनत हुडा और ग्रामीण विकास के लिए डॉ सरिया सुल्ताना शामिल हैं।

पाकिस्तान किसी राजनीतिक गुट का हिस्सा नहीं बनना चाहता : इमरान खान

इस्लामाबाद, (भाषा)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शीत युद्ध की उभरती मानसिकता की बृहस्पतिवार को आलोचना की और कहा कि उनका देश किसी राजनीतिक गुट का हिस्सा नहीं बनना चाहता है, बल्कि अमेरिका एवं चीन के बीच अंतराल को पाटने में एक भूमिका निभाना चाहता है।

शांतिपूर्ण एवं समृद्ध दक्षिण एशिया विषय पर इस्लामाबाद कॉनक्लेव 2021 को संबोधित करते हुए खान ने चीन और अमेरिका के बीच एक नये शीत युद्ध के खतरे तथा क्षेत्र में शांति की अपनी परिकल्पना के बारे में विचार रखे। उन्होंने कहा, स्थिति एक ।नयो शीत युद्ध की ओर ले जा रही है और गुटों का निर्माण हो रहा है। पाकिस्तान को इन

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान

गुटों के निर्माण को रोकने की अपनी सर्वश्रेष्ठ कोशिश करनी चाहिए क्योंकि हमें किसी गुट का हिस्सा नहीं होना चाहिए। खान ने कहा कि विश्व और पाकिस्तान को अतीत में महाशक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता से नुकसान उठाना पडा है तथा वह किसी नये टकराव के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान चिर प्रतिद्वंद्वी सउदी अरब और ईरान के बीच तनाव घटाने की कोशिश करेगा तथा दोनों देशों ने इस बात की सराहना की है कि हमनें एक बहुत नाजुक समय में अपनी सर्वश्रेष्ठ कोशिश की, जब उनके बीच संघर्ष हो सकता था। खान ने कहा कि पाकिस्तान के चीन और अमेरिका से अच्छे संबंध हैं और दोनों देशों के बीच बढती दूरियों को रोकने के लिए अमेरिका-चीन संबंधों में मौजूदा तनाव में इसी तरह की एक भूमिका निभाना चाहता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और चीन के बीच संबंध अब तक के अपनी सबसे खराब दौर से गुजर रहा है।

माली में आईईडी हमले में संरा के सात शांतिरक्षकों की मौत

संयुक्त राष्ट्र, (एपी) मध्य माली में एक आईईडी विस्फोट में संयुक्त राष्ट्र के सात शांतिरक्षकों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। आईईडी की चपेट में आने से शांतिरक्षकों के वाहन में विस्फोट हो गया था। इस हमले के साथ ही संघर्षग्रस्त पश्चिमी अफ्रीकी देश में इस साल जान गंवाने वाले शांतिरक्षकों की संख्या 19 हो गई। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि हताहत हुए सभी शांतिरक्षक टोगो से थे। वहीं, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा विभाग ने बताया कि माली में इस साल शांतिरक्षकों पर हुआ यह सबसे बड़ा हमला है, जिसमें सर्वाधिक सात लोगों की मौत हुई है। फ्रांस के नेतृत्व वाले सैन्य अभियान की मदद से चरमपंथी विद्रोहियों को माली के उत्तरी शहरों में सत्ता से बेदखल कर दिया गया था, लेकिन वे रेगिस्तान में फिर से इकट्ठा हो गए और माली की सेना तथा उसके सहयोगियों पर हमले शुरू कर दिए।

कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बीच दक्षिण अफ्रीका के नियामक ने फाइजर बूस्टर टीके को मंजूरी दी

जोहानिसबर्ग, (भाषा)। दक्षिण अफ्रीका ने कोविड-19 के मामलों में तेज बढ़ोतरी के बीच 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को फाइजर के कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक दिए जाने को मंजूरी दे दी है। दक्षिण अफ्रीका में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के करीब 20,000 मामले सामने आए हैं जिनमें अधिकतर मामले वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन से संक्रमण के हैं।

दवा कंपनी बायोएनटेक और फाइजर ने घोषणा की थी कि ओमीक्रोन स्वरूप के खिलाफ उनके टीके की दो खुराक संभवत: पर्याप्त नहीं हैं, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका स्वास्थ्य उत्पाद प्राधिकरण (एसएएचपीआरए) ने बुधवार को फाइजर के कॉमिरनेटी कोविड-19 रोधी टीके के इस्तेमाल की मंजूरी दी। एसएएचपीआरए ने कहा कि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीके की दूसरी खुराक लेने के कम से कम छह महीने बाद या कमजोर प्रतिरक्षा वाले 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों को टीके की दूसरी खुराक लेने के 28 दिन बाद तीसरी खुराक दी जा सकती है। एसएएचपीआरए का यह फैसला दक्षिण अफ्रीका में पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 19,842 नए मामले आने के बाद आया है।

शेयर बाजार में तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 157 अंक चढ़ा, आईटीसी 4.60 प्रतिशत मजबूत

मुंबई, (भाषा)। शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 157 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली और बुनियादी ढांचा कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आयी। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में दोपहर के सत्र में तेजी आयी और अंत में यह 157.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत चढ़कर 58,807.13 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई सूचकांक निफ्टी 47.10 अंक यानी 0.27 प्रतिशत मजबूत होकर 17,516.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में आईटीसी 4.60 प्रतिशत चढ़कर सर्वाधिक लाभ में रही। इसके अलावा एल एंड टी, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, डा. रेड्डीज और इन्फोसिस में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान वाले शेयरों में एचडीएफसी बैंक, टाइटन, नेस्ले इंडिया, एनटीपीसी, पावरग्रिड और टीसीएस शामिल हैं। इनमें 1.67 प्रतिशत तक की गिरावट आई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, शुरूआती कारोबार में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा। लेकिन बाद में वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के साथ तेजी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि निवेशकों को अमेरिका की महंगाई दर के आंकड़े की प्रतीक्षा है। इससे आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज को वापस लेने के बारे में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख का अंदाजा लग सकेगा।

आईएफएसईसी इंडिया का 14वां संस्करण शुरू

नई दिल्ली, (वीअ)। भारत में इंफोर्मा मार्केट्स द्वारा दक्षिण एशिया के सबसे बड़े नागरिक सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा के तीन दिवसीय शो 'इंटरनेशनल फायर एंड सिक्युरिटी एग्जीबिशन कांफ्रेंस (आईएफएसईसी) के14वें संस्करण को आज प्रगति मैदान,नई दिल्ली में शुरु हुआ। 9दिसंबर -11दिसंबर तक चलने वाले इस सम्मलेन में अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध,सलाहकार,व्यापार विशेषज्ञ और प्रमुख सरकारी अधिकारी इस मंच से अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भानु प्रताप सिंह वर्मा, मंत्री एमएसएमई भारत सरकार और कौशल किशोर, आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री,भारत सरकार के साथ एम.एस. उपाध्याय, आईपीएस,मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन, लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चैत, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, पूर्व सेना कमांडर और एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख, योगेश मुद्रा, प्रबंध निदेशक,इंफॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया और श्रीमान पंकज जैन, ग्रुप डायरेक्टर, इंफॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अतिथिगण।

संक्षिप्त समाचार

सोने में गिरावट, चांदी 158 रुपए टूटी

नई दिल्ली, (भाषा)। मिले जुले वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना छह रुपये की गिरावट के साथ 47,156 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,162 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 158 रुपये की गिरावट के साथ 60,230 रुपये प्रति किलो रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,388 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, रुपये के मूल्य में गिरावट आने के बावजूद दिल्ली में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत में छह रुपये की मामूली गिरावट देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ।,786 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी मामूली गिरावट के साथ 22.33 डॉलर प्रति औंस रही। पटेल ने कहा, बृहस्पतिवार को कॉमेक्स (न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज) हाजिर सोने की कीमत मामूली तेजी के साथ।,786 डॉलर प्रति औंस हो गया जिससे सोने की कीमतों में मजबूती रही।

स्मैश गेमिंग और इंटरटेनमेंट सेंटर लांच

गुरुग्राम, (वीअ)। भारत के प्रशंसित गेमिंग और मनोरंजन केंद्रों में से एक स्मैश परिवार, दोस्तों और बच्चों के लिए एक इंटरैक्टिव और इनोवेटिव सोशल एक्सपीरियंस के साथ खेल, वर्चुअल रियलिटी, संगीत और डाइनिंग को एक साथ लगभग डेढ़ साल के अंतराल के बाद, गुडगाँव में अब एक ट्रीट के लिए तैयार है। स्मैश में 60 नए गेम्स के साथ एयरिया मॉल में शुरुआत हो चुकी है, इस में आर्केड्स, वर्चुअल रियलिटी,बॉलिंग और क्रिकेट जैसे अनेक लोकप्रिय सिग्नेचर गेम शामिल हैं।स्मैश अपने अनूठे अनुभव का आनंद लेने के लिए वर्चुअल रियलिटी आधारित गेमिंग के सभी पारखी लोगों को आमंत्रित करता है। यह अनुभव परिवार और बच्चों के लिए उनकी यादों को फिर से रिक्रिएट कर एक लम्बा, विकसित, इंटरैक्टिव और इनोवेटिव सोशल एक्सपीरियंस होने जा रहा है। स्मैश के मालिक श्रीपाल मोराखिया ने कहा: खेल मनोरंजन और ग्राहकों के लिए अभूतपूर्व नवीन विचारों और नवीन भोजन अवधारणाओं को परिभाषित करते हुए हम नए कॉन्सेप्ट, पावरफुल सिम्युलेटिव टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव डिजाइन के साथ शहर में कभी न देखा गया गेमिंग अनुभव लेकर आए हैं।

स्वदेशी कोविड टेस्ट किट 'सरल टेस्ट' लांच

नई दिल्ली, (वीअ) तीसरी लहर के बढ़ते डर और ओमीक्रोन संस्करण के प्रसार को देखते हुए, एक नया कोविड परीक्षण किट, जो 30 मिनट में परिणाम देता है, सरकार को टेस्ट सुविधाओं को बढ़ाने में सहायता देगा। एक स्टार्टअप ने गुरुवार को सरल टेस्ट, किट का लॉन्च किया है जिसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने मंजूरी दे दी है। फिरसे बढ़ रहे कोरोना वायरस के कारण आने वाली निराशाजनक ख़बरों और तेजी से फैलने वाले ओमनिक्रॉन संस्करण के कारण मामलों की बढ़ती संख्या के बीच, अंततः स्वदेशी कोविड टेस्ट के रूप में एक अच्छी खबर है। यह टेस्ट मौजूदा विकल्पों की तुलना में अल्ट्रा फास्ट, अत्यधिक सटीक और अधिक लागत प्रभावी है, क्यूआरएक्स के संस्थापक और सीईओ धनंजय जोशी ने बताया। सरल टेस्ट किट में 100फीसद विशिष्टता और 97फीसद ग्रहणशीलता है, और यह ओमनिक्रॉन संस्करण सहित टेस्ट के स्वर्ण मानक के समान सटीक है। इसमें एक फायदा यह भी है कि केवल 30 मिनट में, नग्न आंखों से परिणाम को पढ़ा जा सकता है। इसके अलावा, इसकी बहुत कम इंस्ट्रूमेंटेशन लागत है, उच्च प्रवाह को संभालने की क्षमता है और आरटी-पीसीआर की तरह इसको करने के लिए कुशल लोगों की आवश्यकता नहीं पड़ती है। उच्च सटीकता के और दूसरे टेस्ट्स की तुलना में जो लाभ इस टेस्ट से प्राप्त होते हैं, वो इसको एक ऐसी तकनीक के रूप में प्रस्तुत करेगा जो कोविड के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में उपयोग आ सके।

क्रिप्टो मुद्राओं को विशेष श्रेणी की प्रतिभूति माना जाए : सीआईआई

नई दिल्ली, (भाषा)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने क्रिप्टो या डिजिटल मुद्राओं को एक खास तरह की प्रतिभूति मानने और उस पर प्रतिभूति संबंधी मौजूदा नियमों के बजाय नए नियम लागू करने का सुझाव दिया है। उद्योग मंडल सीआईआई ने अपने एक बयान में कहा कि क्रिप्टो या डिजिटल मुद्राओं को एक विशेष प्रतिभूति मानने के बाद उन पर नियामकीय निगरानी सिर्फ प्रतिभूति जारी करने तक ही नहीं बल्कि उनके सौदों एवं कब्जे पर भी रखी जाए।

सीआईआई के मुताबिक इन क्रिप्टो मुद्राओं के लिए भारत में केंद्रीकृत एक्सचेंज बनाए जा सकते हैं लेकिन उनका सेबी के पास पंजीकरण कराना जरूरी हो और उन्हें ग्राहक को जानो (केवाईसी) संबंधी मानकों का बखूबी पालन करना होगा। इसके साथ ही इन एक्सचेंज को प्रतिभागियों के पास मौजूद क्रिप्टो या डिजिटल मुद्राओं को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। सीआईआई ने कहा, "इस दायित्व के निर्वहन के लिए केंद्रीकृत एक्सचेंज के पास न्यूनतम पूंजी एवं गारंटीशुदा फंड को भी सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्हें समय-समय पर निर्धारित होने वाली निवेशक खुलासा संबंधी शर्तों को भी पूरा करना होगा।

रुपया तीन पैसे फिसलकर 75.46 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, (भाषा)। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे फिसलकर 75.53 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कोरोना वायरस के नये स्वरूप का अर्थव्यवस्था पर होने वाले प्रभावों के बारे में चिंता बढ़ने के बीच रुपये की विनिमय दर में गिरावट आयी। बाजार सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी पूंजी की लगातार निकासी होने से भी निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.45 पर खुला। लेकिन रुपये का आरंभिक लाभ तत्काल बाद लुप्त हो गया और यह 75.58 रुपये के निम्नतम स्तर को छू गया। कारोबार के अंत में रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 75.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पूर्व बुधवार को रुपया करीब दो माह के निम्न स्तर 75.50 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

छतों पर सौर पैनल लगाने के लिए कोई भी वेंडर अधिकृत नहीं: मंत्रालय

नई दिल्ली, (भाषा)। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह साफ किया कि उसने छतों पर सौर पैनल लगाने के लिए किसी भी विक्रेता या आपूर्तिकर्ता को अधिकृत नहीं किया है। मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण ऐसी खबरें सामने आने के बाद आया है कि कुछ वेंडर (विक्रेता या आपूर्तिकर्ता) छतों पर सौर पैनल लगाने के लिए खुद को मंत्रालय की तरफ से अधिकृत बता रहे हैं। ग्रिड से जुड़ी रूफटॉप सौर योजना के दूसरे चरण में छतों पर सौर पैनल लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही मंत्रालय ने उपभोक्ताओं को बिजली वितरण कंपनियों (डिसकॉम) की तरफ से तय दरों पर ही भुगतान करने की सलाह भी दी है। वितरण कंपनियां निविदा प्रक्रिया के जरिये वेंडरों को अपने पैनल में शामिल करती हैं और छतों पर सौर पैनल लगाने की दरें भी निर्धारित करती हैं। रूफटॉप सौर योजना के तहत नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय पहले तीन किलोवाट बिजली पर 40 प्रतिशत सब्सिडी दे रहा है और तीन किलोवाट से लेकर 10 किलोवाट तक सब्सिडी की दर 20 फीसदी है।

बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति अप्रैल-नवंबर में 23 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) की बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में 22.5 प्रतिशत बढ़कर 34 करोड़ टन पर पहुंच गई। सीआईएल ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 27.74 करोड़ टन थी। "सीआईएल ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि के दौरान 507.46 अरब यूनिट बिजली उत्पन्न करने में मदद की, पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 414.08 अरब यूनिट से 22.5 फीसद अधिक है। कोल इंडिया के अनुसार अप्रैल-नवंबर 2019 की पूर्व-महामारी अवधि की तुलना मे सीआईएल के कोयले से बिजली उत्पादन में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उस दौरान बिजली संयंत्रों को 29.28 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की गई थी। कोल इंडिया ने कहा कि कोयले की मांग और आपूर्ति के प्रभावित होने के बावजूद घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन सालाना आधार पर अप्रैल-नवंबर 2021 के दौरान 19.8 प्रतिशत बढ़कर 641.87 अरब यूनिट हो गया।

देश की सौर ऊर्जा क्षमता में जनवरी-सितंबर मे 7,400 मेगावाट की वृद्धि

नई दिल्ली, (भाषा)। भारत की कुल सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में जनवरी-सितंबर, 2021 के दौरान 7,400 मेगावाट की वृद्धि हुई। यह पिछले साल इसी अवधि में।,730 मेगावाट की वृद्धि के मुकाबले 335 प्रतिशत अधिक है। शोध कंपनी मेरकॉम इंडिया रिसर्च ने अपनी क्वार्टर3 -2021 इंडिया सोलर मार्केट अपडेट रिपोर्ट में कहा, "भारत ने कैलेंडर वर्ष 2021 के शुरूआती नौ महीनों में सौर ऊर्जा क्षमता में 7,400 मेगावाट की वृद्धि हासिल की। सालाना आधार पर इसमें 335 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान इसमें।,730 मेगावाट की वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के अनुसार भारत ने सौर ऊर्जा का 2,835 मेगावाट मौजूदा वर्ष की तीसरी जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही में जोड़ा। इससे पिछली अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में यह 14 प्रतिशत अधिक है।

पीटर इंग्लैंड ने नई वेडिंग रेंज लांच की

नोएडा, (वीअ)। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मेन्सवियर ब्रांड पीटर इंग्लैंड ने ऑटम-विंटर 2021 सीज़न के लिए अपनी नवीनतम वेडिंग रेंज के लिए 'ऑनेस्टली मेड' कैंपेन शुरू किया है। ब्रांड ने आज के दौर के पुरुषों के लिए डिज़ाइन किए गए, शर्ट्स, ट्राउजर्स, सूट्स और ब्लेज़र्स की खूबसूरती से क्यूरेटेड लाइन को लॉन्च किया। पीटर इंग्लैंड ने इस शादी के मौसम के लिए, विशेष रूप से बेहतरीन डिजाइनों और रंगों में च्वाइसेस की एक विस्तृत रेंज तैयार की है। पीटर इंग्लैंड ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे नए जमाने के डिजिटल चैनल्स पर एक मेगा डिजिटल कैंपेन शुरू किया है। टारगेट उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए इसे हॉटस्टार जैसे अन्य हाई इंपैक्ट प्रॉपर्टीज पर भी रिलीज किया गया है।लॉन्चिंग के बारे में बताते हुए, पीटर इंग्लैंड के सीओओ, मनीष सिंघई ने कहा, 2021 के ऑटम-विंटर वेडिंग सीजन के लिए अपना 'ऑनेस्टली मेड' कैंपेन शुरू करते हुए हमें खुशी हो रही है। ईमानदारी ब्रांड का एक कोर वैल्यू है, चाहे वह फैशन में हो या सामाजिक मूल्य में। चल रहे वेडिंग सीजन के दौरान, हमें उम्मीद है कि हमारे सेलिब्रेशन वियर की काफी डिमांड होगी। ग्राहक बेहतरीन सूट्स, शानदार ब्लेज़र्स और सेरेमोनियल शर्ट्स की रेंज में से अपनी पसंदीदा विकल्प को चुन सकते हैं, जो पारंपरिक अवसरों, वेडिंग ट्राउसेउ, इवनिंग सॉयरीज और कॉकटेल पार्टियों के लिए परफेक्ट हैं। उन्होंने आगे कहा, ठब्रांड आविष्कारशील रूप से विवाह से जुड़ी हुई रूढ़ियों का खंडन करता है और उसका मानना है कि शादी, करियर या लाइफ च्वाइसेस को डिफाइन नहीं करना चाहिए।

सफेद गेंद की टीम के दो कप्तान नहीं रख सकते थे : गांगुली

नई दिल्ली, (भाषा)। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने गुरूवार को कहा कि जब विराट कोहली ने भारत के टी20 कप्तान के तौर पर बने रहने से इनकार कर दिया था तो चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा को वनडे टीम की कमान सौंपने की मन बना लिया था क्योंकि राष्ट्रीय टीम सीमित ओवर के प्रारूप में दो अलग कप्तान नहीं रख सकती थी।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली

बीसीसीआई ने बुधवार को रोहित को 2023 वनडे विश्व कप तक वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया और गांगुली ने पीटीआई के साथ बातचीत में इस मुद्दे पर कहा कि कोहली से इस संबंध में बात की गयी थी और उन्होंने इस फैसले को स्वीकार कर लिया है।

बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान ने पीटीआई से कहा, हमने विराट से अनुरोध किया था कि टी20 कप्तान के तौर पर पद से नहीं हटें लेकिन वह इस पद पर जारी नहीं रहना चाहते थे। इसलिये चयनकर्ताओं को लगा कि वे सफेद गेंद के दो प्रारूपों में दो सफेद गेंद के कप्तान नहीं रख सकते। इससे कप्तानी बहुत अधिक हो जाती। भारत के अक्टूबर-नवंबर में निराशाजनक विश्व कप अभियान के बाद कोहली ने टी20 कप्तानी छोड़ दी थी।

गांगुली ने कहा कि चयनकर्ताओं को लगा कि सफेद गेंद के प्रारूप में कई कप्तानों से उलझन हो जायेगी इसलिये चेतन शर्मा की अगुआई वाली समिति ने सुझाव दिया कि बेहतर होगा कि एक ही कप्तान रहे। गांगुली ने कहा, मैं (उलझन के बारे में) नहीं जानता लेकिन उन्हें (चयनकर्ताओं को) यही लगा। इसी तरह इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि रोहित सफेद गेंद के क्रिकेट और विराट लाल गेंद के क्रिकेट की टीम की कप्तानी करें।

रोहित वनडे कप्तान के तौर पर कैसा करेंगे? गांगुली ने कहा कि वह कोई भविष्यवाणी नहीं करेंगे लेकिन उन्हें नये कप्तान की काबिलियत पर पूरा भरोसा है।

उन्होंने कहा, भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। मैं उन्हें शुभकामनायें देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह अच्छा काम करें।

लेकिन क्या इस बात को ध्यान में रखा गया था कि कोहली का 95 मैचों में वनडे कप्तान के तौर पर जीत का रिकार्ड 70 प्रतिशत से ज्यादा का है तो उन्होंने कहा, हां, हमने इस पर विचार किया था लेकिन अगर आप रोहित के रिकार्ड को देखो, उन्होंने जितने भी वनडे में भारत की कप्तानी की हो तो वह बहुत अच्छे रहे हैं।

विराट की खूबियों की टीम को जरूरत : रोहित

नई दिल्ली, (भाषा)। भारत के सीमित ओवरों की टीम के नये कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि विराट कोहली के दर्जे के बल्लेबाज और नेतृत्व कौशल की भारतीय टीम को काफी जरूरत है।

टी20 टीम के कप्तान रोहित को विराट की जगह एक दिवसीय टीम की कप्तानी भी सौंपी गई है।

उनका मानना है कि कप्तान का काम 20 प्रतिशत मैदान पर होता है और बाकी रणनीति में रहता है जिसमें वह चाहता है कि उसके खिलाड़ी आईसीसी के बड़े मुकाबलों की निर्णायक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बदतर के लिये भी तैयार रहें। उन्होंने यूट्यूब पर बैकस्टेज विद बोरिया कार्यक्रम में कहा , उसके जैसा बल्लेबाज टीम को हमेशा चाहिये। टी20 प्रारूप में 50 से अधिक का औसत अवास्तविक और जबर्दस्त है।वह कई बार भारत को संकट से बाहर निकाल चुका है। रोहित ने कहा , कप्तान का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि सही खिलाड़ी खेल रहे हैं। सही संयोजन है और कुछ तकनीकी बातों को ध्यान में रखना होता है। उनका मानना है कि कप्तान को अपने प्रदर्शन से ही बोलना चाहिये वरना दूसरे खिलाड़ियों का सहारा बनकर उनके पीछे रहना चाहिये। उन्होंने कहा, कप्तान को खेलते समय आगे रहना चाहिये, वरना सबसे पीछे होना चाहिये। रोहित ने कहा, मैं ऐसा इसलिये कह रहा हूं क्योंकि वह पीछे रहकर बदलाव ला सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि वह सबके साथ है। इसलिये मैं कह रहा हूं कि उसे टीम का सबसे कम महत्वपूर्ण व्यक्ति होना चाहिये।

उन्होंने कहा, मेरा काम ज्यादा बाहर होगा। खिलाड़ियों को उनकी जिम्मेदारी सौंपना और उम्मीद करना कि वे मैदान पर उन पर खरे उतरे।

हेड, वार्नर ने दिलाई आस्ट्रेलिया को 196 रन की बढ़त

ब्रिसबेन, (एपी)। डेविड वार्नर केवल छह रन से शतक से चूक गये लेकिन ट्रैविस हेड ने नाबाद शतक जड़ा जिससे आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 343 रन बनाकर 196 रन की बड़ी बढ़त हासिल की।

वार्नर ने तीन जीवनदान का फायदा उठाते हुए 94 रन की पारी खेली। उन्होंने मार्नस लाबुशेन (74) के साथ दूसरे विकेट के लिये 156 रन की साझेदारी की। इसके बाद आस्ट्रेलिया का मध्यक्रम लड़खड़ा गया लेकिन हेड ने 95 गेंदों पर 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 112 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की बड़ी बढ़त सुनिश्चित की। इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 147 रन पर आउट हो गयी थी। हेड के शतक के अलावा वार्नर को जीवनदान मिलना और बेन स्टोक्स का लगातार क्रीज से आगे पांव रखना गुरुवार को चर्चा के मुख्य विषय रहे। वार्नर जब 17 रन पर थे तब स्टोक्स ने उन्हें आउट कर दिया था लेकिन रीप्ले से पता चला कि गेंदबाज ने नोबॉल की है और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इससे यह भी पता चला कि स्टोक्स ने अपनी पिछली तीन गेंदों पर भी क्रीज से आगे पांव रखा था लेकिन अंपायर ने उसे नोबॉल नहीं दिया था। बाद में आस्ट्रेलिया के एशेज प्रसारक चैनल 7 ने खुलासा किया कि स्टोक्स ने 14 बार अपना पांव क्रीज से आगे रखा था लेकिन केवल दो बार ही नोबॉल दी गयी।

लंच के तुरंत बाद वार्नर ने 48 रन के निजी योग पर ओली रोबिनसन की गेंद पर दूसरी स्लिप में कैच दिया लेकिन रोरी बर्न्स ने उसे छोड़ दिया। वार्नर तब 60 रन पर थे जब हसीब हमीद ने उन्हें रन आउट करने का आसान मौका गंवाया। लाबुशेन का भाग्य ने ऐसा साथ नहीं दिया। उन्होंने 116 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाये और गेंदबाजों पर दबदबा बनाया लेकिन लीच पर ढीला शॉट खेलकर मार्क वुड को आसान कैच दे बैठे। स्टीव स्मिथ (12) चाय के विश्राम से ठीक पहले वुड की गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर को कैच दे बैठे।

वार्नर आखिर में चाय के विश्राम के तुरंत बाद रोबिनसन की गेंद पर कवर में स्टोक्स को कैच दे बैठे। रोबिनसन ने अगली गेंद पर कैमरन ग्रीन को बोल्ड किया। इससे आस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 189 से पांच विकेट पर 195 रन हो गया।नये विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने रोबिनसन की हैट्रिक नहीं बनने दी लेकिन वह केवल 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। हेड और कप्तान पैट कमिन्स (12) ने इसके बाद 70 रन की साझेदारी की जिसने गाबा में पहले दोनों दिन आस्ट्रेलिया का दबदबा सुनिश्चित किया। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कमिन्स को लेग स्लिप में कैच कराया।

तमिलनाडु ने कर्नाटक को आठ विकेट से हराया

तिरूवनंतपुरम, (भाषा)। बायें हाथ के स्पिनर एम सिद्धार्थ और आर साई किशोर के शानदार प्रदर्शन से तमिलनाडु ने गुरूवार को यहां विजय हजारे ट्राफी के एलीट ग्रुप बी मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी कर्नाटक को आठ विकेट से शिकस्त दी। कप्तान मनीष पांडे का पहले बल्लेबाजी करने का फैसला गलत साबित हुआ क्योंकि सिद्धार्थ (23 रन देकर चार विकेट) और साई किशोर (28 रन देकर तीन विकेट) ने कर्नाटक के बल्लेबाजों को अपनी स्पिन के जाल में फंसाकर उन्हें 36.3 ओवर में 122 रन पर समेट दिया।

पांडे (40 रन) और रोहन कदम (37) को छोड़कर कर्नाटक का कोई भी बल्लेबाज उपयोगी योगदान नहीं कर सका। इसके बाद तमिलनाडु ने बी इंद्रजीत के नाबाद अर्धशतक से यह लक्ष्य 28 ओवर में हासिल कर लिया।

कर्नाटक के विकेट गिरने की शुरूआत पहले ही ओवर में हो गयी जिसमें संदीप वारियर ने दूसरी गेंद पर रविकुमार समर्थ (शून्य) का कैच विकेट के पीछे दिनेश कार्तिक को कराया। कदम (69 गेंद, एक चौका) और पांडे (54 गेंद, तीन चौके) के बीच तीसरे विकेट के लिये 67 रन की भागीदारी से ही टीम इस स्कोर तक पहुंचने में सफल रही क्योंकि कोई भी अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। एम वाशिंगटन सुदंर (27 रन देकर एक विकेट) ने कदम की पारी समाप्त की। सिद्धार्थ ने फिर पांडे को 26वें ओवर में आउट कर तमिलनाडु को अहम विकेट दिलाया। इसके बाद सिद्धार्थ और साई किशोर ने बाकी बल्लेबाजी लाइन अप को आउट किया।

हजारे ट्रॉफी : गायकवाड़ का एक और शतक, महाराष्ट्र ने छत्तीसगढ़ को हराया

राजकोट , (भाषा)। महाराष्ट्र की रन मशीन रूतुराज गायकवाड़ ने लगातार दूसरा शतक जड़ा जिसकी मदद से महाराष्ट्र ने विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप डी के मैच में छत्तीसगढ को आठ विकेट से हरा दिया। माराष्ट्र के कप्तान ने मध्यप्रदेश के खिलाफ पिछले मैच में 136 रन बनाये थे। इस बार वह 154 गेंद में 143 रन बनाकर नाबाद रहे। महाराष्ट्र ने तीन ओवर बाकी रहते 277 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। उन्होंने अपनी पारी में पांच छक्के और 14 चौके लगाये। अपने प्रदर्शन के दम पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे श्रृंखला के लिये भारतीय टीम में चयन का मार्ग प्रशस्त कर लिया।

सलामी बल्लेबाज यश नाहर (52) ने भी उपयोगी पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिये 120 रन की साझेदारी की। इसके बाद नौशाद शेख (37) के साथ 94 रन की साझेदारी की। छत्तीसगढ के लेग स्पिनर शुभम अग्रवाल ने छह ओवर में 54 रन दे डाले।

गायकवाड़ इस सत्र में आईपीएल में भी शानदार फॉर्म में थे जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के लिये सर्वाधिक 635 रन बनाये। चेन्नई को चौथा खिताब दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में भी लगातार तीन अर्धशतक जमाये। इससे पहले महाराष्ट्र ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और छत्तीसगढ की टीम सात विकेट पर 257 रन ही बना सकी।

एक अन्य मैच में वेंकटेश अय्यर के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर मध्यप्रदेश ने केरल को 40 रन से हराया। चौथे नंबर पर उतरे वेंकटेश ने 112 गेंद में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 84 रन बनाये। उन्होंने शुभमन शर्मा (67 गेंद में 82) के साथ 169 रन की साझेदारी की।मध्यप्रदेश ने नौ विकेट पर 329 रन का विशाल स्कोर बनाया।

अथर्व के नाबाद 164 रन, विदर्भ ने आंध्र को हराया

मुंबई, (भाषा)। सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे के 123 गेंद में नाबाद 164 रन की बदौलत विदर्भ ने गुरूवार को यहां विजय हजारे ट्राफी के ग्रुप ए मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए आंध्र प्रदेश पर आठ विकेट से जीत दर्ज की। गेंदबाजी का फैसला करने के बाद विदर्भ ने आंध्र को 41.4 ओवर में आठ विकेट पर 287 रन ही बनाने दिये। इस लक्ष्य का पीछा करने के दौरान अथर्व ने अपनी नाबाद पारी के दौरान 15 चौके और पांच छक्के जमाये। 21 साल के इस खिलाड़ी को गणेश सतीश (43) और यश राठौड़ (नाबाद 44 रन) का अच्छा साथ मिला। राठौड़ ने मैच में तीन विकेट भी लिये। आंध्र के लिये सी आर ज्ञानेश्वर (93) शीर्ष स्कोरर रहे जबकि अंबाती रायुडू (53) और पिन्निती तपस्वी (45) ने भी उपयोगी योगदान किया। इससे पहले यश ठाकुर (74 रन देकर तीन विकेट) और आदित्य सरवटे (45 रन देकर तीन विकेट) ने तीन तीन विकेट जबकि आदित्य ठाकरे ने आंध्र के दो विकेट झटके। फिर अथर्व की आक्रामक बल्लेबाजी से मैच एकतरफा हो गया।

अन्य मैचों में हिमाचल प्रदेश ने हरफनमौला प्रदर्शन से जम्मू कश्मीर पर 63 रन की जीत हासिल की जबकि ओडिशा ने गुजरात को तीन विकेट से शिकस्त दी।

आरवी स्पोर्ट्स कप : दिल्ली हब की जीत में अक्षय चमके

नई दिल्ली, (वीअ)। अक्षय शर्मा 50 रन की हाफ सेंचुरी पवन बघेल 2/11 की मदद से प्रथम आरवी स्पोर्ट्स अंडर 12 कप में दिल्ली क्रिकेट हब 90 बिना किसी नुकसान के ने शिवाजी क्रिकेट अकादमी 89/10 को 10 विकेट से मात दी। हारी टीम से सरताज यादव 25 रन का खेल शानदार रहा। मैन आफ दा मैच पवन बघेल रहे। गेमचेंजर अक्षय शर्मा, फाइटर आफ दा मैच सरताज यादव को नवाजा।

डीफोर्स क्रिकेट कप : उदय गुप्ता अकादमी की जीत : दिल्ली अंडर 19 खिलाड़ी गगन वत्स 60 रन आर्यन अरोड़ा 42 व राघव सिंह 3/28 आर्यन शर्मा 3/29 के चलते दूसरे डीफोर्स ओपन कप में उदय गुप्ता अकादमी 201/16 ने स्पोर्टिंग क्लब 199/10 को 4 विकेट से मात दी।

संजय डोबाल कप : बाल भवन फाइनल में : यतिन सोलंकी 4/18, अर्जुन नैगी 3/13 की उम्दा गेंदबाजी व आर्यमन्यु 33 रन की बदौलत प्रथम संजय डोबाल कप में बाल भवन अकादमी 86/5 ने सोनेट क्लब 82/10 को 5 विकेट से हरा फाइनल में प्रवेश किया। हारी टीम से सौर्य सिंह 2/11 व 33 रन नाबाद का खेल रहा।

रतन लाल सैनी कप :जनकपुरी फाइनल में : मयुर चौहान 58 रन व 3/33 का कमाल कपिल देदव 57 रन की हाफ सेंचुरी के चलते दूसरे रतन लाल सैनी कप में जनकपुरी अकादमी 207/7 ने स्टार बोन अकादमी 206/10 को 3 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया।

ईस्ट दिल्ली प्रीमियर लीग में जंगपुरा लायंस और कृष्णा नगर रॉयल्स की जीत : कप्तान शिवम शर्मा के शानदार हरफनमौला खेल (62 रन व 3/16) व बाएं हाथ के गेंदबाज योगेश शर्मा (3/16) की घातक गेंदबाजी की बदौलत जंगपुरा लायंस ने यमुना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स पर चल रही ईस्ट दिल्ली प्रीमियर लीग में त्रिलोकपुरी स्टार्स को 111 रनों से हराकर शानदार जीत हांसिल की । मुख्य अतिथि विक्रांत गुप्ता ने शिवम शर्मा को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया । **संक्षिप्त स्कोर** : जंगपुरा लायंस 20 ओवरों में 4 विकेट पर 179 रन (शिवम शर्मा 62, धवनीत सिंह 48, राहुल 3/39) । त्रिलोकपुरी स्टार्स 17.2 ओवरों में 68 रन (राहुल डागर 30, योगेश शर्मा 3/16 व शिवम शर्मा 3/16)।

वहीं दिन के हुए दूसरे मुक़ाबले में कृष्णा नगर रॉयल्स ने विश्वास नगर डेविल्स को 8 विकेट से हराकर पूरे अंक हांसिल किये। **संक्षिप्त स्कोर** : विश्वास नगर डेविल्स 20 ओवरों में 6 विकेट पर 137 रन (तेजेश भनोत 50, लक्ष्य शर्मा 32, मयंक अरोडा 2/11) । कृष्णा नगर रॉयल्स 17.4 ओवरों में 139 रन (सम्यक जैन 44, संदीप सैनी 41 नाबाद व संचित सभरवाल 30) ।

दक्षिण भारत में पूजे जाते हैं सिने स्टार

ऐसी दीवानगी कहीं नहीं...!

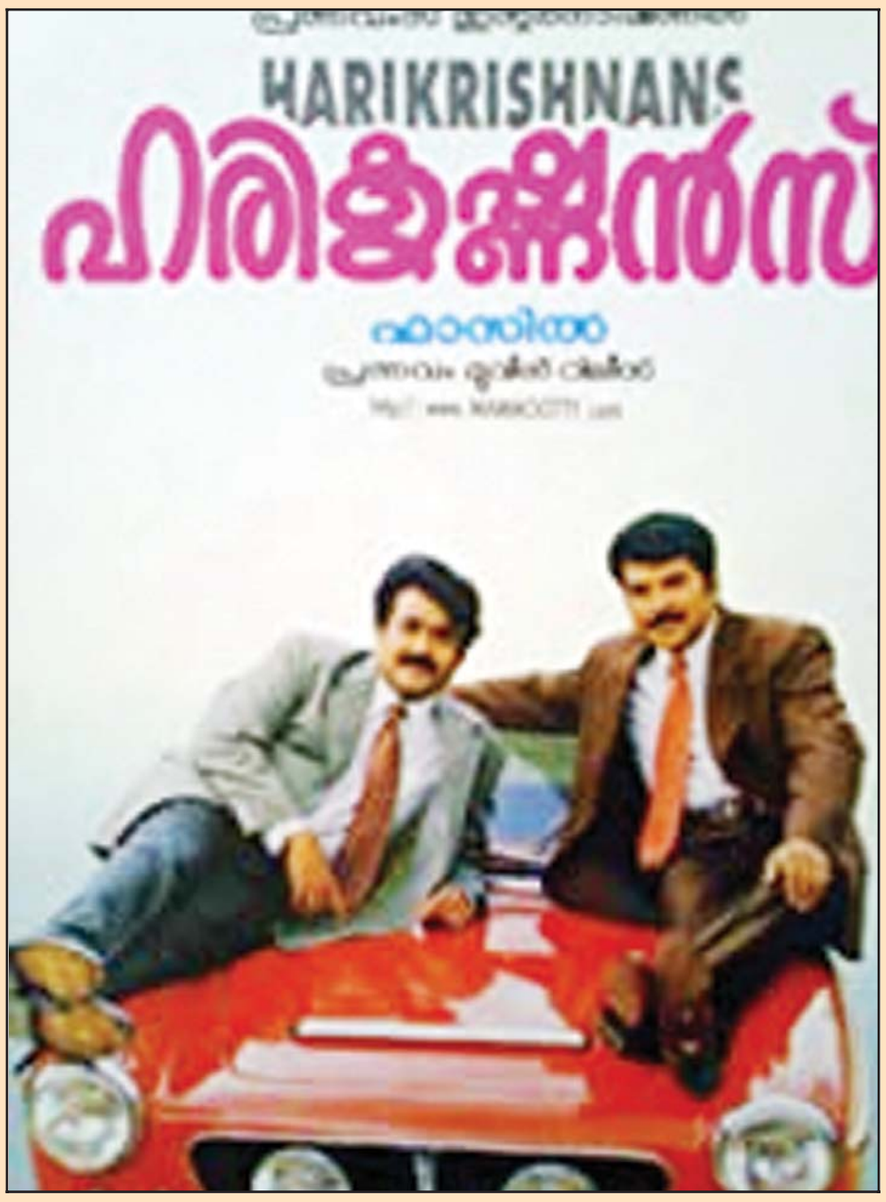

दक्षिण भारत में सुपर स्टारडम इस हद तक है कि फैंस के दबाव में बहुत स्तरों पर समझौते करने पड़ते है। अक्टूबर में जब कन्नड़ एक्टर 46-वर्षीय पुनीत राजकुमार का निधन हुआ तो कर्नाटक राज्य सरकार ने तीन दिन तक शराब की बिक्री पर रोक लगा दी। भारत के अधिकतर हिस्सों में इस पर आश्चर्य हुआ कि क्या वास्तव में इसकी जरूरत थी? लेकिन जो लोग दक्षिण के फिल्म फैंस को जानते है, उन्हें मालूम है कि राज्य सरकार का निर्णय एकदम सही था।

कैलाश सिंह

1998 में मलयालम फिल्म 'हरिकृष्णन' रिलीज हुई थी। इसमें केरल के दो सुपरस्टार मम्मूटी और मोहनलाल प्रमुख भूमिकाओं में थे। हालांकि अब मम्मूटी 70 वर्ष के और मोहनलाल 61 साल के हो गये हैं, लेकिन अभी भी मलयालम सिनेमा के ये दोनों ही सुपरस्टार हैं और इनकी जगह लेने का कोई दावेदार नहीं है। इनके फैंस की दीवानगी इस हद तक है कि वह निर्देशक को फिल्म का अंत बदलने तक के लिए मजबूर कर देते हैं। इसलिए 'हरिकृष्णन' के भी दो अंत थे। केरल के जिन क्षेत्रों में मम्मूटी के फैंस का राज है, उनमें फिल्म का वह अंत रिलीज किया गया जिसमें लड़की (जूही चावला) मम्मूटी को मिलती है और जिन क्षेत्रों में मोहनलाल के फैंस का दबदबा है, उनमें फिल्म का अंत यह दिखाया गया कि लड़की मोहनलाल को मिलती है। यह फिल्म दो हाई-प्रोफाइल वकीलों की कहानी है, जो कत्ल के एक केस में फंस जाते हैं। 1998 में इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई की थी।

इस एक घटना से यह बात स्पष्ट हो जाती है कि दक्षिण भारत में सुपर स्टारडम इस हद तक है कि फैंस के दबाव में बहुत स्तरों पर समझौते करने पड़ते हैं। अक्टूबर में जब कन्नड़ एक्टर 46-वर्षीय पुनीत राजकुमार का निधन हुआ तो कर्नाटक राज्य सरकार ने तीन दिन तक शराब की बिक्री पर रोक लगा दी। भारत के अधिकतर हिस्सों में इस पर आश्चर्य हुआ कि क्या वास्तव में इसकी जरूरत थी? लेकिन जो लोग दक्षिण के फिल्म फैंस को जानते हैं, उन्हें मालूम है कि राज्य सरकार का निर्णय एकदम सही था। दक्षिण के फिल्म फैंस अपने पसंदीदा सितारों को राजनीतिक चुनावों में वोट करते हैं, उन्हें मुख्यमंत्री बनाते हैं (एमजी रामचंद्रन, एनटी रामाराव, जयललिता आदि), फिल्मों का अंत बदलने के लिए निर्देशकों को मजबूर करते हैं, प्रतिद्वंदी फैंस के विरुद्ध दंगा करते हैं, पसंदीदा एक्टर के निधन पर आत्महत्या करते हैं, तमिलनाडु व कर्नाटक में रजनीकांत आदि को समर्पित मंदिर हैं, फिल्मी सितारों के घर तीर्थस्थल हैं और लोग सितारों के विशालकाय कटआउट्स बनवाने के लिए अपने परिवार के आभूषण तक बेच देते हैं। दुनिया में फिल्मी फैंस कहीं भी दक्षिण भारत जैसे नहीं हैं।

बहरहाल, दक्षिण के फिल्मोद्योग का यह सिर्फ एक पहलू है। दक्षिण भारत में एक समानांतर सिनेमा भी है, जो 'द ग्रेट इंडियन किचन' (2021) जैसी महान फिल्में बनाता है, जिनकी ग्लोबल चर्चा होती है और जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पसंद की जाती हैं। इन फिल्मों का सितारा एक्टर नहीं बल्कि निर्देशक हैं। सत्यजीत रे के आध्यात्मिक वारिस समझे जाने वाले अडूर गोपालकृष्णन (मलयालम) की फिल्में कांस व वेनिस तक प्रीमियर हो चुकी हैं, लेकिन उनके विषय केरल की संस्कृति व समाज से जुड़े होते हैं। उन्होंने अपने पांच दशक के करियर में 14 फिल्में बनायी हैं, जिन्हें 16 राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। उनके अतिरिक्त अन्य प्रमुख स्टार निर्देशक हैं, गिरीश कसरावल्ली (कन्नड़), जॉन अब्राहम (मलयालम), अक्किनेनी कुटुम्बा राव (तेलगु) और के बालचंद्र (तमिल)।

बॉलीवुड की फिल्में अमूमन हॉलीवुड की फिल्मों से 'प्रेरित' होती हैं, लेकिन कुछ वर्षों से यह देखने को मिल रहा है कि बॉलीवुड दक्षिण भारत की फिल्मों से 'प्रेरित' हो रहा है या उसकी फिल्मों का हिंदी रीमेक बना रहा है और कामयाब हो रहा है। यह दक्षिण के फिल्मोद्योग का तीसरा महत्वपूर्ण पहलू है। यहां जगह के अभाव में ऐसी सभी हिंदी फिल्मों का उल्लेख करना संभव नहीं है जो दक्षिण भारत की क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों का सफल रीमेक हैं। लेकिन मिसाल के तौरपर यहां दक्षिण की पांच सुपरहिट फिल्मों का जिक्र करते हैं जो अपने हिंदी रीमेक में भी जबरदस्त सफल रहीं। 'थेवर मगन' को हिंदी में 'विरासत' (1997) के नाम से बनाया गया था, जिसमें अनिल कपूर व अमरीश पुरी की यादगार भूमिकाएं थीं। मूल तमिल फिल्म की तरह हिंदी फिल्म की पटकथा भी कमल हसन ने लिखी थी। 'थेवर मगन' (थेवर का बेटा, 1992) में कमल हसन के साथ शिवाजी गणेशन प्रमुख भूमिकाओं में थे। कहानी एक सम्मानित ग्राम प्रधान और उसके बेटे की है, जिसके गांव को लेकर विचार अपने पिता से एकदम अलग हैं। 'थेवर मगन' उस वर्ष ऑस्कर में भारत की अधिकारिक एंट्री थी और उसने पांच राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे।

मलयालम फिल्म 'रामजी राव स्पीकिंग' (1989) को हिंदी में 'हेरा फेरी' (2000) के नाम से बनाया गया था। इस हास्य फिल्म में तीन बेरोजगार पुरुष जल्दी से पैसा कमाने के चक्कर में किडनैपिंग के मामले में फंस जाते हैं। इस फिल्म ने उस समय के बेरोजगारी संकट को हल्के फुल्के अंदाज में प्रस्तुत किया। एक अन्य मलयालम फिल्म 'मणिचित्राथाजू' (1993) को 2007 में 'भूल भुलैया' के नाम से बॉलीवुड में हॉरर कॉमेडी के रूप में बनाया गया। भूत के असर वाली महिला की भूमिका में विद्या बालन ने यादगार अभिनय किया। तेलगु की गैंगस्टर एक्शन फिल्म 'पोकिरी' (2006) को हिंदी में 'वांटेड' (2009) नाम से बनाया गया। 'पोकिरी' से महेश बाबू सुपरस्टार बन गये और 'वांटेड' से सलमान खान एक्शन हीरो के रूप में स्थापित हुए। मलयालम की ही 'दृश्यम' (2013) को इसी नाम से 2015 में हिंदी में बनाया गया और मोहनलाल की जगह अजय देवगन मुख्य भूमिका में आये।

बहरहाल, सोचने की बात यह है टीवी पर दक्षिण भारत की हिंदी में डब की गईं फिल्में दिन रात चलती रहती हैं, लेकिन फिर भी दक्षिण के सुपरस्टारों को लेकर हिंदी में मूल या रीमेक फिल्में नहीं बनायी जाती हैं। क्यों? ऐसा प्रतीत होता है कि दक्षिण के सुपरस्टार ही डायरेक्ट हिंदी फिल्मों में आने से बचते हैं; क्योंकि उनके लिए उत्तर भारत में दक्षिण भारत की तरफ फैंस की दीवानगी नहीं है। तो फैंस का दबाव सुपरस्टारों को अपने क्षेत्र से बाहर नहीं निकलने दे रहा है।

(इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर)

सांसद की पसंद

मेरे क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ: डॉ. हसन

- किसानों को नहीं मिल रही पर्याप्त बिजली
- सड़कों में गड्ढे, गड्ढों में सड़क है
- शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का टोटा
- पीतल उद्योग की हालत भी दयनीय
- फलों में आम खूब भाते हैं

रमेश राजपूत

हमारे देश में विरोधाभास की राजनीति बराबर चलती रहती है। किसी भी राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है तो वहां सत्तापक्ष के सांसदों और विधायकों के क्षेत्रों में उनकी आशाओं के अनुरूप विकास आदि के काम हो जाते हैं। शासन और प्रशासन में भी उनकी खूब सुनी जाती है। अगर सांसद या विधायक दूसरी पार्टी अर्थात् विरोधी दल के होते हैं तो या तो उनके क्षेत्रों में कोई काम नहीं होगा अगर कोई होगा तो धीमी गति से अर्थात् दिखावे के लिए ही होगा। कोई नई परियोजना भी उनके क्षेत्रों के लिए स्वीकृत नहीं होगी। उत्तर प्रदेश में भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। प्रदेश में भाजपा की सरकार है। भाजपा के सांसद और विधायक यह कहते नहीं थकते कि उनके क्षेत्रों में बहुत काम हो रहा है। कई-कई वर्षों से जो काम नहीं हो रहे थे वह भी हो गए हैं। जबकि विरोधी दलों के सांसदों और विधायकों के यह आरोप बराबर लगते रहते हैं कि उनके क्षेत्रों से भेदभाव किया जा रहा है। उनके क्षेत्रों में कोई काम नहीं हो रहा है। सांसद डॉ. एस.टी. हसन का भी आरोप है कि भाजपा सरकार ने उनके क्षेत्र में कोई नया काम नहीं करवाया। सांसद का कहना है कि प्रदेश में भाजपा सरकार को करीब साढ़े चार साल हो गए हैं। इस दौरान उनके क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ है।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. एस.टी. हसन ने एक बातचीत के दौरान वीर अर्जुन को बताया कि क्षेत्र में घरेलू बिजली लगभग ठीक मिल रही है। लेकिन किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही। पीने के पानी की भी कुछ समस्या बताते हुए कहा कि लोगों को ज्यादा हैंडपम्प के पानी पर ही निर्भर रहना पड़ता है। कुछ गांवों में तो हैंडपम्प पानी छोड़ गए हैं। उन्होंने बताया कि जब वे मेयर थे तो उन्होंने शहर में बूस्टर पम्प आदि लगाकर पानी की व्यवस्था को सुचारू बना दिया था। सड़कों के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि पुरानी सड़कों में गड्ढे पड़ते जा रहे हैं। नई सड़क कोई नहीं बनी है। सड़कों में गड्ढे, गड्ढों में सड़क दिखाई देती है। ग्रामीण एरिया में सम्पर्क मार्गों की हालत भी दयनीय है। शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों की स्थिती ठीक नहीं है। स्कूलों में शिक्षकों की भी कमी है। इसी प्रकार अस्पताल व स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी डॉक्टरों की व अन्य स्टॉफ की कमी बनी रहती है। लोगों को अधिकतर दवाईयां बाहर से खरीदनी पड़ती है। सांसद हसन ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार जितना दिखावा कर रही है उतना काम नहीं कर रही। केवल क्षेत्रों के नाम बदलने का ही काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराध की घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और सरकार कह रही है कि कानून व्यवस्था पर हमारा पूरा कन्ट्रोल है।

सासंद डॉ. एस.टी. हसन का आरोप है कि सरकार की उपेक्षा के कारण मुरादाबाद के पीतल उद्योग की हालत भी दयनीय हो गई है और यह उद्योग बन्द होने की कगार पर है। उन्होंने बताया कि पीतल उद्योग भी सरकार ने जीएसटी के दायरे में खड़ा कर दिया है। पीतल उद्योग के अधिकत्तर कारीगर अनपढ़ हैं। उनको जीएसटी का कोई ज्ञान नहीं है। सरकार ने इस उद्योग से सम्बन्धित कच्चे माल के दाम भी करीब 40 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। पहले यहां का निर्मित पीतल बर्तन व अन्य कलाकृतियां विदेशों में निर्यात होता था, वह भी अब नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीतल उद्योग से जुड़े हजारों कारीगर रिक्शा-ठेले चलाने को मजबूर हैं। रेलवे सम्बन्धित कार्यों पर संतोष प्रकट करते हुए सांसद डॉ. एस.टी. हसन ने यहां से मुम्बई के लिए सीधी ट्रेन चलाने का आग्रह किया है। मुरादाबाद एक औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां सभी एक्सप्रेस गाड़ियों के ठहराव का भी आग्रह किया है। संसद में तीन तलाक कानून पास हो गया है इस बारे में आपका क्या कहना है? यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लोगों का ध्यान इधर-उधर भटकाने के लिए ऐसे कानून बनाए जाते हैं क्या तीन तलाक कानून पास हो जाने के बाद तीन तलाक के मामले बन्द हो गए? एमपी फंड का पैसा ज्यादा कहां खर्च किया जाएगा? इस बारे में एमपी साहब ने बताया कि एमपी फंड क्षेत्र में लोगों की जरूरत के अनुसार काम करवाकर खर्च किया जाता है लेकिन पिछली टर्म का एमपी फंड कोरोना काल में चला गया। उल्लेखनीय है कि राजनीति के साथ-साथ डॉ. एस.टी. हसन प्रैक्टिस भी करते हैं। इनका अपना अस्पताल है। राजनीतिक व्यस्तता के बाद भी 3-4 घंटे हर रोज अपने अस्पताल पर भी रोगियों का उपचार करते हैं। यहां तक कि ऑप्रेशन भी करते हैं। संसद सदस्य डॉक्टर एस.टी. हसन इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कुछ नेता अपने राजनैतिक स्वार्थ के कारण हिन्दू-मुस्लिम समाज के बीच नफरत की दिवार खड़ी करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि इस देश की आजादी में मुस्लिम समाज का भी पूरा योगदान रहा है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि हिन्दु-मुस्लिम अपना भाईचारा कायम रखे और देश की प्रगति के लिए सभी काम करें। किसी के बहकावे में न आए।

डॉ. एस.टी. हसन को अपना जन्मदिन मनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पेड़ पौधों के सरंक्षण में इनकी दिलचस्पी ज्यादा है। वैसे इनका जन्मदिन 29 जून को होता है। डॉ. साहब ने हज यात्रा भी की है। अपने देश के भी कुछ राज्यों व शहरों का भ्रमण किया है। यहां इनको राजस्थान और उत्तराखण्ड अच्छे लगे। सामाजिक कार्यों में पूरा परिवार इनको सहयोग करता है। इनकी बेगम साहिबा रजवाना हसन एक कुशल गृहणी हैं। डॉ. साहब के खाने में वेज-नानवेज सब चलता है। फलों में इनको आम खूब भाते हैं।

प्रतिभा के भंडार

श्रेयस अय्यर को तीनों फॉर्मेट में खिलाओ

सारिम अन्ना

रणजी ट्राफी के एक मैच में दिन के आखिरी ओवर में श्रेयस अय्यर ने छक्का मारकर अपना शतक पूरा किया था। यह सहासिक उपलब्धि थी, लेकिन राहुल द्राविड़ (जो अब भारत के मुख्य कोच हैं) ने दिन के अंतिम ओवर में ऐसा रिस्क भरा शॉट खेलने के लिए श्रेयस अय्यर को बुरी तरह से डांटा था। इस घटना से जहां यह जाहिर हुआ कि श्रेयस अय्यर द्राविड़ के पसंदीदा खिलाड़ियों में से हैं, वहीं यह भी मालूम हुआ कि जबरदस्त प्रतिभा के मालिक श्रेयस अय्यर द्राविड़ की राय को बहुत महत्व देते हैं। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि अभी तक वाइट बॉल के विशेषज्ञ समझे जाने वाले श्रेयस अय्यर को द्राविड़ ने मुख्य कोच बनते ही टेस्ट में खेलने का अवसर प्रदान किया। श्रेयस अय्यर ने भी द्राविड़ के विश्वास को सही साबित किया और न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध ग्रीन पार्क (कानपुर) में अपना पहला टेस्ट खेलते हुए बिना कोई रिस्क लिए पहली पारी में शानदार शतक (105 रन) और दूसरी पारी में अर्धशतक लगाया। इस तरह श्रेयस अय्यर भारत के उन 16 बैटर्स में शामिल हो गये हैं (जिनमें जीआर विश्वनाथ, मुहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग व रोहित शर्मा जैसे बड़े नाम शामिल हैं) जिन्होंने अपने करियर के पहले ही टेस्ट में शतक लगाया है। जबकि इसके साथ ही वह देश के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गये हैं, जो अपने पहले टेस्ट मैच में ही शतक और अर्धशतक लगाया हो।

श्रेयस अय्यर की सफलता से शायद टेस्ट क्रिकेट में भारत के कमजोर मध्यक्रम की समस्या का भी समाधान हो गया है। बहरहाल, श्रेयस अय्यर इतने प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं कि उन्हें विराट कोहली, रोहित शर्मा व केएल राहुल की तरह क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट- टेस्ट, ओडीआई व टी-20 में भारतीय टीम का हिस्सा होना चाहिए। इस मकाम तक आने का सफर श्रेयस अय्यर के लिए आसान नहीं रहा है। उन्हें विवादित तरीके से भारत के 2019 ओडीआई विश्व कप दल में शामिल नहीं किया गया था। यह एक ऐसा निर्णय था जिस पर पूरी प्रतियोगिता के दौरान टीम को पछतावा होता रहा। शायद नहीं भी हुआ हो; क्योंकि उन्हें 2021 के टी-20 विश्व कप की टीम में भी शामिल नहीं किया गया था। हालांकि टी-20 विश्व कप के अधिकतर मैचों के नतीजे

टॉस व ओस से प्रभावित हुए, लेकिन इस बात की अधिक संभावना है कि श्रेयस अय्यर में जो मैच की स्थिति को पढ़ने व उसके अनुरूप खुद को ढालने की गजब की क्षमता है उससे भारत को थोड़ी अधिक बढ़त मिल जाती।

खैर, लम्बी प्रतीक्षा के बाद आखिरकार कानपुर में श्रेयस अय्यर का समय आया। इस बार उन्हें प्लेयिंग 11 में शामिल न करना लगभग असंभव था क्योंकि विराट कोहली, रोहित शर्मा व ऋषभ पंत की सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं और केएल राहुल टेस्ट से पहले चोटिल हो गये थे। तो श्रेयस अय्यर की किस्मत जागी। वह तैयार थे। पहले ही टेस्ट में शतक लगाकर उन्होंने साबित कर दिया कि वह प्रतिभा का भंडार हैं। उनके विश्वास, आक्रमकता, गुणात्मक व बेबाक अंदाज को न्यूजीलैण्ड के गेंदबाजों ने शिद्दत से महसूस किया। उनके सुंदर, संतुलित व निस्तेज स्टांस में पुराने क्लासिक खिलाड़ियों की झलक है, जिससे वह लयात्मक अंदाज में अपने शॉट्स खेलते हैं और उनके पास सभी शॉट्स मौजूद हैं।

अपने पहले ही मैच में उनके पास स्टंप्स के बाहर खड़े होने, उन्हें खुला छोड़ने और गेंद को कट, लॉफ्ट व लेट खेलने का विश्वास व साहस था। वह बड़े मंच पर अपने आगमन का वक्तव्य दे रहे थे। वह लम्बी दौड़ के खिलाड़ी हैं। ऐसा लगता है कि 26-वर्षीय श्रेयस अय्यर क्रिकेट संसार में कुछ बड़ा करने के किनारे पर हैं। उनके आगमन से अजिंके रहाणे, चितेश्वर पुजारा व हनुमा विहारी को टेस्ट टीम में अपनी जगह को लेकर खतरा अवश्य महसूस हुआ होगा। हालांकि श्रेयस अय्यर अभी तक चयनकर्ताओं की गुड बुक्स में नहीं थे, लेकिन लगता यह है कि अब कानपुर की पारी से उनकी स्थिति में परिवर्तन आ जायेगा। भारत को मध्यक्रम में एक ठोस बैटर चाहिए जो वही काम कर सके जो कानपुर में श्रेयस अय्यर ने किया है। पारी की संरचना करना, जारहाना हिटिंग करके तेजी से रन बनाना, डिफेंस से शटर गिरा देना और गैप में गेंद खेलकर सिंगल लेना और ऐसा करने में श्रेयस अय्यर तीनों ही फॉर्मेट में सक्षम हैं।

हाल के दिनों में जो नये खिलाड़ी भारतीय टीम में शामिल हुए हैं उनमें से अधिकतर आईपीएल के रास्ते से आये हैं, जिनमें जसप्रीत बुमराह, मुहम्मद सिराज व अक्षर पटेल का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। टी-20 लीग से ही इनकी क्षमता व प्रतिभा सामने आयी। अब पुरानी शैली के खिलाड़ी श्रेयस अय्यर भी इस सूची में शामिल हो गये हैं। उनका फर्स्ट क्लास रिकॉर्ड भी शानदार है। 54 फर्स्ट क्लास मैचों में उनका औसत 52 से अधिक है और स्ट्राइक रेट लगभग 82 है। मुंबई के साथ अपने दूसरे सत्र (2015-16) में उन्होंने 1321 रन बनाये थे, जोकि वीवीएस लक्ष्मण के रणजी सत्र रिकॉर्ड से मात्र 95 रन कम थे। उस सत्र के फाइनल में भी उन्होंने शतक लगाया था, जिसकी बदौलत मुंबई रणजी चैंपियन बनी।

वास्तव में एक अच्छे टैलेंट को खुद को साबित करने के लिए पर्याप्त संख्या में अवसर मिलने चाहिएं। अगर अच्छी प्रतिभा को भी टीम से अंदर बाहर किया जाता रहेगा तो उसके लिए खुद को स्थापित करने में कठिनाई होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि श्रेयस अय्यर को टीम में जगह बनाने के लिए निश्चित संख्या में अवसर प्रदान किये जायेंगे। द्राविड़ के मुख्य कोच रहते हुए शायद श्रेयस अय्यर को यह मौके तीनों फॉर्मेट्स में मिल जाएं।

(इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर)